



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 27]

No. 27]

नई दिल्ली, शुक्रवार, फरवरी 3, 2006/माघ 14, 1927

NEW DELHI, FRIDAY, FEBRUARY 3, 2006/MAGHA 14, 1927

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 3 फरवरी, 2006

प्रारंभिक जाँच परिणाम

विषय:- चीन जन.गण., चीनी ताईपेई, मलेशिया, इण्डोनेशिया, थाईलैण्ड और कोरिया गणराज्य के मूल के अथवा वहाँ से निर्यातित नायलोन फिलामेंट यार्न के आयातों से संबंधित पाटनरोधी जाँच

संख्या: 14/5/2005-डीजीएडी - 1995 में यथासंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 तथा उसकी सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं संग्रहण तथा क्षति निर्धारण) नियमावली, 1995 को ध्यान में रखते हुए:-

क. प्रक्रिया

1. नीचे उल्लिखित प्रक्रिया का पालन किया गया है:-

(i) दिनांक 4 जुलाई, 2005 को, निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिन्हें इसके बाद प्राधिकारी कहा गया है) ने, उपर्युक्त नियमावली के अंतर्गत, चीन जन.गण., चीनी ताईपेई, मलेशिया, इण्डोनेशिया, थाईलैण्ड और कोरिया गणराज्य (जिन्हें इसके बाद संबद्ध देश भी कहा गया है) के मूल के अथवा वहाँ से निर्यातित नायलोन फिलामेंट यार्न के आयातों के संबंध में पाटनरोधी जाँच की शुरुआत के बारे में भारत के राजपत्र में एक सार्वजनिक सूचना (जाँच शुरुआत संबंधी अधिसूचना) घोषित की थी। पाटनरोधी जाँच घरेलू उद्योग की ओर से मै0 मोदीपोन लिमिटेड मोदीनगर, जेसीटी लि0, होशियारपुर, श्री सिंथेटिक्स लिमिटेड उज्जैन और गुजरात स्टेट फर्टिलाइजर्स कम्पनी लि0, वहोदरा (आवेदक) जिनका उक्त उत्पाद के घरेलू उत्पादन का प्रमुख हिस्सा है से प्राप्त आवेदन के अनुसार की गई थी। आवेदन के साथ उक्त उत्पाद के पाटन और इससे हुई वास्तविक क्षति के साक्ष्य थे जिनमें जाँच शुरू करने का औचित्य सिद्ध करने के लिए पर्याप्त समझा गया था।

(ii) जाँच शुरुआत से पहले, प्राधिकारी ने संबंधित नियम 5 के उप-नियम (5) के अनुसार जाँच शुरू करने से पहले आवेदक द्वारा किए गए पूर्ण दस्तावेज युक्त आवेदन की प्राप्ति के बारे में भारत में स्थित संबद्ध देशों के दूतावासों को अधिसूचित किया था।

(iii) संबंधित नियम 6 के उप-नियम (2) के अनुसार प्राधिकारी ने उक्त सार्वजनिक सूचना की प्रतियाँ ज्ञात निर्यातक उत्पादकों, आयातकों, औद्योगिक एसोसिएशनों संबंधित देशों की एजेंसियों और आवेदकों को अग्रिम की ओर उन्हें लिखित रूप में अपने विचारों से अवगत कराने का अवसर प्रदान किया ।

(iv) उपर्युक्त नियम 6 के उप नियम-3 के अनुसार प्राधिकारी ने सभी ज्ञात निर्यातकों और भारत में स्थित संबद्ध देशों के दूतावासों को आवेदन की एक-एक प्रति उपलब्ध कराई थी । उपर्युक्त नियम 6 के उप नियम (4) के अनुसार प्राधिकारी ने संगत प्रश्नावली की एक प्रति सभी ज्ञात निर्यातकों और भारत में स्थित संबद्ध देशों के दूतावासों और अन्य हितबद्ध पक्षकारों को उपलब्ध कराई । नई दिल्ली में संबद्ध देश के दूतावासों को भी जाँच की शुरुआत के बारे में सूचित किया गया था और उनसे अपने देश के निर्यातकों/उत्पादकों से निर्धारित समयावधि के भीतर प्रश्नावली का उत्तर देने का अनुरोध करने के लिए कहा गया था ।

(v) प्राधिकारी ने संबद्ध देशों के निम्नलिखित ज्ञात निर्यातकों से संगत सूचना प्राप्त करने के लिए प्रश्नावलियाँ भेजी थी :-

इंडोनेशिया:

पी.टी. कोलोन आईएनए
इंडोनेशिया

पीटी जीटी पेट्रोकेम इंडस्ट्रीज टीबीके
जकार्ता इंडोनेशिया

पीटी एवरसाइनीटेक्स
इंडोनेशिया 10250

पीटी जेमा न्यूसा परकासा
इंडोनेशिया

पीटी टोरे इण्डस्ट्रीज इंडोनेशिया (टीआईएन)
61-62, जकार्ता 12069
इंडोनेशिया

शिता नायलोन उतामा
इंडोनेशिया

थाइलैंड

सियाम टायर कोर्ड कं० लि०
थाइलैंड

थाई बरोदा इंडस्ट्रीज लि०
थाईलैंड

एशिया फाइबर पब्लिक कम्पनी लि०
बैंकाक
थाईलैंड

थाई टफिता कम्पनी लि०
बैंकाक, 10110 थाईलैंड

चीन जन०गण०

कोलोन कार्पोरेशन
बीजिंग, चीन

कोलोन नेनजिंग कं० लि०
जियांगशु प्रोविन्स, चीन

झियामेन टोंगलून इंडस्ट्रियल कं० लि०
झियामेन, 361100
चीन

वू जियांग हेंग यू टैक्सटाइल कं० लि०
जियांगशु प्रोविन्स
चीन

जिनान जुडा फाइबर कं० लि०
जिनान शेनडांग 250100
चीन

ग्वांगडोंग जिनहुई मीडा यायलोन कं० लि०
ग्वांगडोंग 529100
चीन

शेनडोंग डाचेंग कैमिकल इंडस्ट्री ग्रुप कं० लि०
26 जिबो शेनडोंग
चीन

बीएसएफ - हुआ युआन नायलोन कं० लि०
चीन

क्विंगडाओ जोंगटाई ग्रुप कम्पनी
चीन

गाओयाओ हुआजिन ग्रुप कं० लि०
ग्वांगडोंग
चीन

ताइवान
फारमोसा कं.लि.
640 ताइवान आरओसी

एसीलोन कैमिकल्स एंड फाइबर कं.लि.
ताइवान

चुंग शींग टैक्सटाइल कं० लि०
ताइवान

जिंग शेन्ग इंडस्ट्रियल कं० लि०
ताइपेई, ताइवान

फू-टा टैक्सटाइल कं० लि०
ताइचुंग ह्सिन ताइवान

मलेशिया

आलोन कार्पोरेशन
मलेशिया 50200

कोरिया आरपी

ह्योसंग कोर्पोरेशन
सियोल 100-110, दक्षिण कोरिया

कोहापा कार्पोरेशन
कोरिया आर.पी.

(vi) आठ निर्यातकों/उत्पादकों ने निर्यातक प्रश्नावली का उत्तर पर्याप्त रूप से ओर जाँच शुरूआत की सूचना के अनुसार दिया है:-

1. मै0 जिन्ना जुडा फाइबर कं0लि0
जिनान शेनडोंग 250100
चीन जन0गण0
2. मै0 टीकेआई, कोरिया आर.पी.
3. ह्योसंग कोर्पोरेशन, कोरिया आर.पी.
4. हुआलोन कार्पोरेशन
मलेशिया 50200
5. मै0 सुनटैक्स, ताइवान
6. मै0 ली पेंग एंटरप्राइज कं0, ताइवान
7. मै0 एशिया फाइबर्स
थाईलैण्ड
8. मै0 थाई टाफेटा कं0 लि0
बैंकाक, 10110 थाईलैण्ड

उपर्युक्त के अलावा, मै0 कोलोन इंडस्ट्रीज कोरिया और मै0 थाई सिंथेटिक फाइबर मेन्युफैक्चरर्स एसो; थाईलैण्ड ने जाँच शुरूआत संबंधी सूचना का उत्तर प्रस्तुत किया है

(vii) आयातक की प्रश्नावली के साथ जाँच शुरूआत संबंधी अधिसूचना की एक प्रति आवेदन में सूचीबद्ध विभिन्न आयातकों को भी भेजी गई थीं। तथापि आयातकों की प्रश्नावली की पद्धति एवं तरीके के अनुसार केवल मै0 स्काई इंडस्ट्रीज, मुम्बई और मै0 स्पाइका इलास्टिक प्रा0 लि0, पुणे से उत्तर प्राप्त हुआ है

(viii) किसी अन्य आयातक ने भी माँगे गये ब्यौरों के अनुसार आयातक प्रश्नावली का उत्तर नहीं दिया है। तथापि कुछ आयातकों तथा प्रयोक्ता एसोसिएशनों अर्थात् एफआईएसडब्ल्यूआई, गुजरात, ने जाँच शुरूआत संबंधी अधिसूचना का उत्तर दिया है और उन्होंने कुछ टिप्पणियाँ प्रस्तुत की हैं जिन पर जाँच के लिए उनके संगत होने की शर्त के अधीन विचार किया गया है।

(ix) प्राधिकारी ने उसके द्वारा रखी गई सार्वजनिक फाइल के रूप में विभिन्न हितबद्ध पार्टियों द्वारा दिए गए साक्ष्यों के अगोपनीय अंश उपलब्ध रखे और उसे हितबद्ध पार्टियों द्वारा निरीक्षण के लिए खुला रखा;

(x) *** यह चिह्न इस अधिसूचना में हितबद्ध पार्टी द्वारा गोपनीय आधार पर दी गई और प्राधिकारी द्वारा नियमों के अंतर्गत वैसी ही मानी गई सूचना का द्योतक है;

(xi) पाटन एवं क्षति जाँच की अवधि 1 जनवरी, 2004 से 31 दिसम्बर, 2004 (जिसे जाँच अवधि या पीओआई कहा जाता है) तक की है। क्षति विश्लेषण के संदर्भ में रुझानों की जाँच अवधि 1 अप्रैल, 2001 से जाँच अवधि के अंत तक की है (जिसे क्षति अवधि भी कहा जाता है);

(xii) प्राधिकारी ने पाटन और परिणामी क्षति के प्रारंभिक निर्धारण के प्रयोजनार्थ आवश्यक समझी जाने वाली सम्पूर्ण सूचना मंगाई एवं इसका सत्यापन किया। प्राधिकारी ने आवश्यक सीमा तक घरेलू उद्योग की मौके पर जाँच की थी। घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत का विश्लेषण सर्वोत्तम उत्पादन लागत तथा याचिकाकर्ता द्वारा प्रस्तुत सूचना पर आधारित सामान्यतः स्वीकृत लेखा सिद्धांतों के आधार पर भारत में संबद्ध वस्तु को बनाने और बेचने की लागत की गणना करने के लिए किया गया था ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि यदि पाटन मार्जिन से कम का पाटनरोधी शुल्क लगाया जाता है तो वह घरेलू उद्योग की हुई क्षति को समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगा।

(xiii) जाँच शुरूआत संबंधी सूचना की प्रतियाँ व्यापक परिचालन हेतु फिक्की, सीआईआई, एसोचैम आदि को भी भेजी गई थी।

ख. विचाराधीन उत्पाद

2. वर्तमान जाँच में विचाराधीन उत्पाद नायलोन के सिंथेटिक फिलामेंट यार्न है जिन्हें पोलीमाइड यार्न (जिन्हें आगे नायलोन फिलामेंट यार्न और संबद्ध वस्तु भी कहा गया है)। नायलोन फिलामेंट यार्न एक कृत्रिम फिलामेंट यार्न है जिसका उत्पादन आर्गेनिक मोनोमर्स के पोलीमराइजेशन द्वारा किया जाता है।

3. विचाराधीन उत्पाद में सिलाई के धागे को छोड़कर नायलोन या पोलीयामाइड्स के सिंथेटिक फिलामेंट यार्न, की सभी किस्में जैसे फ्लैट यार्न - टिवस्टेड और/या अन टिवस्टेड, पूर्णतः ड्रान यार्न (एफडीवाई), स्पिन ड्रान यार्न (एसडीवाई), पूर्णतः ओरिएंटेड यार्न (एफओवाई) हाई ओरिएंटेड यार्न (एचओवाई), पार्शियली ओरिएंटेड यार्न (पीओवाई) टेक्सचर्ड यार्न - टिवस्टेड और/या अनटिवस्टेड, और डाइड यार्न, सिंगल, डबल, मल्टिपल, मुड़े हुए या केबल तथा सीमाशुल्क उपशीर्ष सं0 5402 के अध्याय 54 के अंतर्गत वर्गीकरण योग्य शामिल हैं, किन्तु इसमें नायलोन के उच्च दृढ़ता वाले यार्न शामिल नहीं है। उत्पाद में नायलोन फिलामेंट यार्न या पोलीयामाइड यार्नों की सभी किस्में शामिल है जैसे फ्लैट/टेक्सचर्ड/टिवस्टेड/अनाटिवस्टेड, चमकीला/सेमीन्डल/ पूर्णतः - डल (या इसकी किस्में), सलेटी/रंगीन/रंजित (या इसकी किस्में) सिंगल/डबल/मल्टिपल/फोल्डेड/केबल्ड (या उनकी किस्में), सही आकार में हो अथवा नहीं लेकिन इसमें सीमाशुल्क उप शीर्ष 5402.10 के अंतर्गत वर्गीकरणीय नायलोन के उच्च दृढ़ता वाले यार्न शामिल नहीं है। प्राधिकारी सीमाशुल्क वर्गीकरण सं0 5402.10 के अंतर्गत वर्गीकरणीय फिशनेट यार्न को संबद्ध वस्तुओं के दायरे से बाहर रखना उचित समझते हैं क्योंकि ये उच्च दृढ़ता वाले यार्न हैं। तदनुसार उच्च दृढ़ता वाले नायलोन फिलामेंट यार्न की सभी किस्में, जो सीमाशुल्क वर्गीकरण सं0 5402.10 के अंतर्गत वर्गीकरणीय हैं अगली जाँच तक वर्तमान जाँच के दायरे से बाहर हैं। तथापि यह सीमाशुल्क वर्गीकरण मात्र सांकेतिक है और यह वर्तमान जाँच कार्यक्षेत्र पर किसी भी तरह से बाध्यकारी नहीं है। एसोसिएशन के इस दावे के संबंध में कि कुछ किस्म के यार्न भारत में उत्पादित नहीं किए जाते हैं, प्राधिकारी नोट करते हैं कि इस प्रकार के सभी उच्च दृढ़ता वाले यार्न विचाराधीन उत्पाद के दायरे से बाहर हैं। अनेक अन्य प्रकार के यार्नों के संबंध में, एसोसिएशन ने यह सिद्ध नहीं किया है कि ये अपनी आवश्यक उत्पाद विशेषताओं, संयंत्र एवं उपकरण, प्रौद्योगिकी, उत्पाद प्रक्रिया, कार्य एवं प्रयोगों, कीमत निर्धारण

सीमाशुल्क वर्गीकरण की दृष्टि से अन्य यानों से अलग है। अतः प्राधिकारी इस निष्कर्ष पर पहुंचने में असमर्थ हैं कि इन किस्मों को अलग रखना अपेक्षित है।

4. नायलोन फिलामेंट यार्न का वस्त्र अनुप्रयोगों में व्यापक रूप से प्रयोग होता है इनमें शामिल हैं :- साड़ी, दुपट्टा, महिलाओं की परिधान सामग्री/फैशन परिधान, फेन्सी कैजुअल, बुनाई परिधान, स्टाकिंग्स एवं स्टाक्स, आंतरिक परिधान एवं मूल वस्त्र, लिंगरी एवं नाइट वियर, ब्रिफ्स, पेंटीज, स्लिप्स, बच्चों के कपड़े, खेल परिधान एवं एक्टिवियर विचार, तैराकी परिधान एवं बीचवियर, बाहरी परिधान, बाइंड वियर, फैशन की अनुषंगी सामग्री, इलास्टिक टेप्स शो/फुटवियर लाइनिंग्स, लेसेस/फैंसी टेप्स, टाई/स्काटर्स, फेदर यार्न, रिबन/सेटिन रिबन आदि। कुछ हितबद्ध पक्षकारों द्वारा की गई इन अभ्युक्तियों के बारे में कि नायलोन 66 से निर्मित नायलोन फिलामेंट यार्न पर विचार नहीं किया जाए क्योंकि इसमें कथित रूप से अलग विशेषताएं हैं, प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षकारों द्वारा इस संबंध में उपलब्ध कराई गई समस्त संगत सूचना पर विचार किया है कि नायलोन 6 और नायलोन 66 समान उत्पाद है अथवा नहीं और यह नोट करते हैं कि नायलोन 66 को विचाराधीन उत्पाद के दायरे में शामिल करना सही है। प्राधिकारी अनंतिम रूप से नायलोन 6 और नायलोन 66 मानदंडों जैसे भौतिक एवं रासायनिक विशेषताओं, प्रौद्योगिकी, विनिर्माण प्रक्रिया, कच्ची सामग्रियों, कार्यों एवं प्रयोगों, टैरिफ वर्गीकरण आदि पर विचार करते हुए आगे की जाँचों तक एक समान वस्तु मानते हैं। यह नोट किया जाता है कि किसी भी हितबद्ध पक्षकार ने सत्यापन योग्य साक्ष्य से न तो यह सिद्ध किया है कि नायलोन 66 को शुल्कों के दायरे से बाहर रखना है न ही किसी नायलोन 66 के आयातक/उपभोक्ता ने उत्तर प्रस्तुत किया है तथा नायलोन 66 को बाहर रखने की आवश्यकता को सिद्ध किया है। अतः नायलोन 66 अगली जाँच तक वर्तमान जाँच और प्रस्तावित उपायों के दायरे में आता है।

ग. समान वस्तु

5. याचिकाकर्ता ने यह दावा किया है कि उनके द्वारा उत्पादित वस्तुएं संबद्ध देशों के मूल की अथवा वहाँ से निर्यातित वस्तुओं के समान वस्तु है। याचिकाकर्ता द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तुओं और संबद्ध देशों से निर्यातित वस्तुओं में कोई खास अंतर नहीं है। समान वस्तु के संबंध में, प्राधिकारी नोट करते हैं कि समान वस्तु की परिभाषा से संबंधित नियम 2 (घ) में यह निर्दिष्ट है कि समान वस्तु का अभिप्राय ऐसी वस्तु से है जो जाँचाधीन वस्तु से सभी प्रकार से समान या समरूप हो या ऐसी वस्तु की अनुपस्थिति में वह वस्तु जिसमें जाँचाधीन वस्तु से बिल्कुल मिलती-जुलती विशेषताएं हों। यह सिद्ध करने के लिए कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तु संबद्ध देशों से निर्यातित वस्तु के समान वस्तु है, प्राधिकारी ने विशेषताओं जैसे तकनीकी विनिर्देशन, विनिर्माण प्रक्रिया, कार्यों एवं प्रयोगों और टैरिफ वर्गीकरण पर विचार किया है। जाँच के आधार पर प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तु में वहीं विशेषताएं हैं जो संबद्ध देशों से आयातित वस्तु और निर्यातक देशों को बेची जाने वाली वस्तु के समान हैं। उपर्युक्त के मद्देनजर प्राधिकारी मानते हैं कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित नायलोन फिलामेंट यार्न और संबद्ध देशों से आयातित या वहाँ बेची जाने वाली वस्तु नियमों के अर्थों के भीतर समान वस्तु हैं। अलग-अलग प्रकार के एनएफवाई का उत्पादन समान उत्पादन प्रौद्योगिकी, विनिर्माण प्रक्रिया, कच्ची सामग्रियों, संयंत्र एवं उपकरण से किया जाता है और ये समान सामान्य प्रयोजनों के लिए प्रयोग की जाती हैं। अलग-अलग प्रकार के एनएफवाई के बीच काफी प्रतिस्थापनीयता है। तथापि उत्पाद को डेनियर, वस्तुओं, लस्टर रंग, ओरिएंटेशन आदि के अनुसार पृथक-पृथक समूहों में वर्गीकृत किया जाता है, तथापि ये विशिष्ट विशेषताएं केवल भिन्न-

भिन्न प्रकार के एनएफवाई को अलग-अलग करती है। तथापि भिन्न-भिन्न किस्मों में एनएफवाई की वही समान विशेषताएं होती हैं। कुछ हितबद्ध पक्षकारों द्वारा की गई इन अभ्युक्तियों के संबंध में कि नायलोन 6 और नायलोन 66 से बनी हुई संबद्ध वस्तु समान उत्पाद नहीं हो सकती हैं क्योंकि इससे कथित रूप से अलग विशेषताएं हैं, प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षकारों द्वारा इस संबंध में उपलब्ध कराई गई समस्त संगत सूचना पर विचार किया है कि नायलोन 6 और नायलोन 66 समान उत्पाद है अथवा नहीं और यह नोट करते हैं कि नायलोन 66 को विचाराधीन उत्पाद के दायरे में शामिल करना सही है। प्राधिकारी अनंतिम रूप से नायलोन 6 और नायलोन 66 मानदंडों जैसे भौतिक एवं रासायनिक विशेषताओं, प्रौद्योगिकी, विनिर्माण प्रक्रिया, कच्ची सामग्रियों, कार्यों एवं प्रयोगों, टैरिफ वर्गीकरण आदि पर विचार करते हुए आगे की जाँचों तक एक समान वस्तु मानते हैं।

घ. घरेलू उद्योग

6. यह याचिका मै0 मोदीपोन लि0, मोदीनगर, जेसीटी लि0, होशियारपुर, श्री सिंथेटिक्स लि0, उज्जैन और गुजरात स्टेट फर्टिलाइजर्स कं0 लि0, वडोदरा द्वारा संयुक्त रूप से दायर की गई है। इन उत्पादकों ने वर्तमान जाँच से संगत सूचना प्रस्तुत की है और प्रस्ताव जाँच में हिस्सा लेने में सहमति व्यक्त की है। इन आवेदक कम्पनियों का उत्पादन कुल भारतीय उत्पादन का 50% से अधिक बनता है। मै0 सेंचुरी एन्का और मै0 बड़ौदा रेयान कार्पोरेशन लि0 समान वस्तु के अन्य उत्पादक हैं। मै0 सेंचुरी एन्का ने वर्तमान आवेदन का समर्थन किया है। प्राधिकारी ने यह निर्धारित किया है कि (क) चार याचिकाकर्ता कम्पनियों का भारतीय उत्पादन में बड़ा हिस्सा है; (ख) आवेदन का स्पष्ट रूप से समर्थन करने वाले घरेलू उत्पादक घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित समान उत्पाद के कुल उत्पादन के 50% से अधिक का उत्पादन करते हैं; और (ग) यह आवेदन घरेलू उद्योग द्वारा या उनकी ओर से प्रस्तुत किया गया है।

7. प्राधिकारी उपर्युक्त की जाँच के पश्चात, यह निर्धारित करते हैं कि याचिकाकर्ता नियम 2(ख) और 2(घ) के अर्थ के भीतर घरेलू उद्योग का निर्माण करते हैं और यह याचिका संबंधित नियमावली के नियम 5 के अनुसार योग्यता संबंधी मानदंडों को पूरा करती हैं।

ड. पाटन

8. धारा 9क (1) (ग) के तहत किसी वस्तु के संबंध में सामान्य मूल्य का अर्थ है :-

सामान्य व्यापार के दौरान समान वस्तु के लिए उपधारा (6) के अंतर्गत बने नियम के अनुसार यथानिर्दिष्ट तुलनात्मक मूल्य जबकि ऐसी वस्तु निर्यातक देश या क्षेत्र में उपभोग के लिए आशयित हो; या

जहां निर्यातक देश या क्षेत्र के घरेलू बाजार में सामान्य व्यापार के दौरान समान वस्तु की कोई बिक्री नहीं हो या विशेष बाजार दशा के कारण अथवा निर्यातक देश या क्षेत्र के घरेलू बाजार में बिक्रियों की कम मात्रा के कारण, ऐसी बिक्रियों की वजह से समुचित तुलना नहीं हो सकती हो तो सामान्य मूल्य या तो:-

निर्यातक देश या क्षेत्र से या किसी उचित तीसरे देश से आयात किए जाने पर समान वस्तु के उपधारा (6) के अंतर्गत बने नियमों के अनुसार यथा निश्चित तुलनात्मक प्रतिनिधि; या

उपधारा (6) के अंतर्गत बने नियमों के अनुसार यथा निश्चित प्रशासनिक, बिक्री और सामान्य लागतों एवं लाभों के लिए उचित वृद्धि के साथ वस्तु मूल के देश में उक्त वस्तु के उत्पादन की लागत;

बशर्ते कि वस्तु का आयात जब मूलता के देश से भिन्न अन्य किसी देश से किया गया हो तथा जहां वस्तु निर्यात के देश से केवल गुजरी हो या ऐसी वस्तु निर्यात के देश से उत्पादित नहीं होती हो या निर्यात के देश में उसका कोई तुलनात्मक मूल्य नहीं हो तो इसके सामान्य मूल्य का निर्धारण मूलता के देश में इसके मूल्य के संदर्भ में किया जाएगा ।

9. प्राधिकारी ने धारा 9क(1) (ग) के अनुसार सामान्य मूल्य के निर्धारण के प्रयोजनार्थ सभी ज्ञात निर्यातकों को प्रश्नावलियाँ भेजी थी । संबद्ध देशों के निम्नलिखित निर्यातकों ने प्राधिकारी को उत्तर दिया है :-

1. मै0 जिनान जुडा फाइबर कं0 लि0 (जिनान), चीन जन.गण.
2. टीकवेंग इंडस्ट्रियल कं0 लि0 (टीकेआई), कोरिया जन. गण.
3. ह्योसंग कार्पोरेशन (ह्योसंग), कोरिया गणराज्य
4. हुआलोम कार्पोरेशन (हुआलोन) मलेशिया
5. सनटेक्स फाइबर कं0 लि0 (सनटेक्स), चीनी ताइपेई
6. लीपेंग एंटरप्राइजेज कं0 लि0, (लीपेंग), चीनी ताइपेई
7. एशिया फाइबर पब्लिक कं0 लि0 (एशिया फाइबर), थाइलैण्ड
8. थाई टाफेटा कं0 लि0, (थाई टाफेटा); थाईलैण्ड

10. आवेदकों ने संबद्ध वस्तुओं के भिन्न-भिन्न मानदंडों के रूप में डेनियर, लस्टर, फिलामेंट्स, श्रेणी, रंग, क्रास सेक्शन, पैकिंग और ग्रेड को अभिज्ञात किया था । निर्यातकों ने भी अपने उत्तर में उपर्युक्त मानदंडों में से कुछ को अभिज्ञात किया है । इसके अलावा, कुछ निर्यातकों ने कुछ और मानदंड भी अभिज्ञात किए हैं । की गई प्रारंभिक जाँच के आधार पर प्राधिकारी आगे की जाँच तक सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत के बीच तलना के प्रयोजनार्थ, डेनियर, लस्टर श्रेणी (टेक्सचर्ड, आंशिक रूप से ओरिएंटेड यार्न, ड्राटिगस्टेव, पूर्णतः ओरिएंटेड यार्न, पूर्णतः ड्रान यार्न) को आवश्यक उत्पाद मानदंडों के रूप में प्रयोग करना उचित समझते हैं ।

ड. (1) चीन जन.गण.

चीन के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण

11. चीन जन.गण., जो वर्तमान कार्यवाहियों में वर्तमान जांच के तहत एक संबद्ध देश है, एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश है और इसलिए उनके सामान्य मूल्य का निर्धारण पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा -7 और 8 के अनुसार किया जाना चाहिए।

भारत में विधिक प्रावधान

दिनांक 15 जुलाई, 1999 की अधिसूचना सं. 44/99-सी शु(एनटी) द्वारा नियमावली के अनुबंध-1 में पैरा 7 को शामिल किया गया है। अनुबंध-1 के पैरा 7 के अनुसार:-

" 7 " गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाले देशों से आयात के मामले में, उचित लाभ मार्जिन को शामिल करने के लिए भारत में समान उत्पाद के लिए वास्तविक रूप से भुगतान किया गया अथवा भुगतान योग्य, आवश्यकतानुसार पूर्णतया समायोजित कीमत सहित, सामान्य मूल्य का निर्धारण तीसरे देश के बाजार अर्थव्यवस्था में कीमत अथवा परिकलित मूल्य के आधार पर अथवा भारत सहित ऐसे किसी तीसरे देश से अन्य देशों के लिए कीमत अथवा जहाँ यह संभव नहीं है, या किसी अन्य उचित आधार पर किया जाएगा।

बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार (एमईटी)

अनुबंध-1 के पैरा 8 -4/01/2002 को संशोधित

(1) "गैर बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश" वाक्यांश का अर्थ है कि कोई देश जिसे निर्दिष्ट प्राधिकारी लागत अथवा कीमत ढांचे के बाजार सिद्धांतों को लागू नहीं करने वाले के रूप में मानते हैं। जिसके कारण ऐसे देश में पण्य वस्तुओं की बिक्रियों उप पैराग्राफ (3) में निर्दिष्ट मानदंड के अनुसार वस्तुओं के सही मूल्य को नहीं दशाती है।

(2) यह कहना परिकल्पना होगी कि कोई देश जिसे जांच के पूर्ववर्ती तीन वर्षों के दौरान निर्दिष्ट प्राधिकारी अथवा डब्ल्यू.टी.ओ. के किसी सदस्य के सक्षम प्राधिकारी द्वारा पाटनरोधी जांच के प्रयोजनार्थ एक गैर-बाजार अर्थ-व्यवस्था वाला देश निर्धारित अथवा माना गया है, एक गैर-बाजार अर्थ-व्यवस्था वाला देश है।

तथापि गैर बाजार अर्थ व्यवस्था वाला देश या ऐसे देश से संबंधित फर्म निर्दिष्ट प्राधिकारी को सूचना तथा साक्ष्य उपलब्ध कराकर इस परिकल्पना को समाप्त कर सकते हैं जो यह साबित करता हो कि ऐसा देश उप पैरा (3) में निर्दिष्ट मानदंड के आधार पर एक गैर बाजार अर्थ-व्यवस्था वाला देश नहीं है।

(3) निर्दिष्ट प्राधिकारी प्रत्येक मामले में निम्नलिखित मानदंड पर विचार करेंगे कि क्या:-

(क) ऐसे देश में कच्ची सामग्रियों प्रौद्योगिकी लागत और श्रम, उत्पादन, बिक्रियों तथा निवेश सहित कीमतों, लागतों तथा निवेशों के संबंध में संबंधित फर्म का निर्णय आपूर्ति तथा मांग को दर्शाने वाले बाजार संकेतों तथा इस संबंध में किसी विशिष्ट राज्य हस्तक्षेप के बिना होता है और यह कि क्या मुख्य निवेशों की लागतें वास्तविक रूप से बाजार मूल्यों को दर्शाती हैं;

(ख) ऐसे फर्मों की उत्पादन लागतें तथा वित्तीय स्थिति पूर्ववर्ती गैर-बाजार अर्थ व्यवस्था प्रणाली से उठाये गये विशिष्ट विरूपणों के अधीन होती है। खासकर ऋणों की प्रतिपूर्ति द्वारा परिसम्पत्तियों के हास, अन्य राइट ऑफ, वस्तु विनिमय व्यापार तथा ऋणों की क्षतिपूर्ति के जरिए तथा भुगतान के संबंध में;

(ग) ऐसी फर्म दिवालिया तथा सम्पत्ति कानून के अधीन होती है जो कि फर्मों के प्रचालन की कानूनी मिश्रितता तथा स्थायित्व की गारंटी देता है; तथा

(घ) विनिमय दर के परिवर्तन बाजार दर पर किये जाते हैं :-

तथापि, जहां इस पैराग्राफ में निर्दिष्ट मानदंड के आधार पर लिखित रूप में पर्याप्त साक्ष्य दर्शाया जाता है कि पाटनरोधी जांच के अधीन एक अथवा ऐसे अधिक फर्मों के लिए बाजार स्थितियां लागू होती हैं। निर्दिष्ट प्राधिकारी पैरा 7 तथा इस पैरा में निर्दिष्ट सिद्धांतों के पैरा 1 से 6 में निर्दिष्ट सिद्धांतों को लागू कर सकते हैं।

दिनांक 10 मार्च, 2003 की अधिसूचना के अनुसार नियमावली में आगे और संशोधन किया गया है, जो निम्नानुसार हैं :-

(4) 'उप-पैराग्राफ (2) में निहित किसी बात के होते हुए भी निर्दिष्ट प्राधिकारी ऐसे किसी देश को बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश मान सकते हैं जिसे उप-पैराग्राफ (3) में विनिर्दिष्ट मानदण्डों सहित संगत मानदण्डों के नवीनतम विस्तृत मूल्यांकन के आधार पर किसी सरकारी दस्तावेज में ऐसे मूल्यांकन के प्रकाशन द्वारा किसी ऐसे देश जो "विश्व व्यापार संगठन" का सदस्य है, ने पाटनरोधी जांच के प्रयोजनार्थ बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश माना है अथवा ऐसा मानने के लिए निर्धारित किया है।'

12. चीन के एक निर्यातक/उत्पादक के अतिरिक्त, किसी भी निर्यातक/उत्पादक ने प्राधिकारी द्वारा भेजी गई प्रश्नावली का उत्तर नहीं दिया है। याचिकाकर्ताओं ने चीन में सामान्य मूल्य के परिकलन के प्रयोजनार्थ उचित प्रतिनिधि देश के रूप में अमरीका का नाम प्रस्तावित किया है और जून-दिसम्बर, 2004 की अवधि के दौरान अमरीका में संबद्ध वस्तुओं की कीमत के विषय में कुछेक साक्ष्य उपलब्ध कराए हैं। प्रारंभिक जांच अधिसूचना के आधार पर चाइना चैम्बर ऑफ कॉमर्स फॉर इंपोर्ट एंड एक्सपोर्ट ऑफ टैक्सटाइल्स ने सामानांतर देश के रूप में अमरीका के नाम के प्रस्ताव का विरोध किया है और यह अनुरोध किया है कि उसे स्थान पर चीन जन.गण. अथवा किसी अन्य एशियाई देशों का चयन किया जाना चाहिए क्योंकि उनमें बहुत सी चीजें एक समान होती हैं। इसके अतिरिक्त चीन से चाइना चैम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के अलावा चीन या किसी और देश के पक्षकार ने उचित प्रतिनिधि देश के रूप में अमरीका का विरोध नहीं किया है और

चीन के सामान्य मूल्य के परिकलन के प्रयोजनार्थ किसी कोई विश्वस्त साक्ष्य उपलब्ध नहीं कराया है। यह भी नोट किया गया था कि किसी भी हितबद्ध पार्टी ने कोई अन्य टिप्पणी नहीं की है और ऐसे समानांतर देश के उत्पादकों/निर्यातकों के नाम नहीं दिए हैं जो इस संबंध में सभी हितबद्ध पक्षकारों को भेजे गए पत्र के बावजूद निर्दिष्ट प्राधिकारी को आंकड़े प्रस्तुत करना चाहेंगे। तत्पश्चात् प्राधिकारी ने अमरीका में संबद्ध उत्पादों के उन उत्पादकों से अनुरोध किया था जिनका उल्लेख घरेलू उद्योग द्वारा याचिका में किया गया है और उनसे उनके देश में संबद्ध वस्तुओं की बिक्री के संबंध में विवरण प्रस्तुत करने के लिए कहा और निर्दिष्ट प्राधिकारी के समक्ष अपेक्षित आंकड़े प्रस्तुत करने का अनुरोध किया था। तथापि, चुने हुए समानान्तर देश के किसी उत्पादक ने आज की तारीख का कोई उत्तर प्रस्तुत नहीं किया है।

(क) सहयोग

13. मै0 जीनन जूड़ा नामक चीन के एक उत्पादक/निर्यातक ने जांच की अवधि के दौरान स्वयं का परिचय दिया है और बाजार अर्थव्यवस्था दर्जे और निर्यातक प्रश्नावली में उल्लिखित विभिन्न परिशिष्टों से संबंधित जानकारी दे कर निर्यातक प्रश्नावली का उत्तर दिया है।

(ख) सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत:

14. मै0 जीनन जूड़ा द्वारा प्रस्तुत किए गए उत्तर के संबंध में, यह नोट किया गया है कि सहयोगी निर्यातकों के पास उल्लेखनीय राज्य पणधारिता है। और यह भी नोट किया गया है कि उनके उत्तरों में संगत तथ्यों के साथ कोई ठोस साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किए गए हैं जिसके आधार पर उन्होंने अपनी कम्पनी को बाजार अर्थव्यवस्था दर्जा प्रदान किए जाने के संबंध में उन्हें भेजी गई गैर-बाजार प्रश्नावली और पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 8 में उल्लिखित अनुमानों का खण्डन किया है। उपर्युक्त तथ्य के मद्देनजर, प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 के आधार पर सामान्य मूल्य का परिकलन किया है। उनकी निर्यात कीमतों के संबंध में यह नोट किया गया था कि उनकी निर्यात कीमतों और आधिकारिक आंकड़ों में उल्लिखित कीमतों में काफी अंतर है यद्यपि उनकी निर्यात की मात्रा एवं तारीखें निर्यात आंकड़ों से मेल खाती हैं। चूंकि निर्यातक की आयात कीमतों और आधिकारिक आंकड़ों में काफी भिन्नता है इसलिए प्राधिकारी ने अनंतिम जांच के प्रयोजनार्थ पाटन मार्जिन और कीमत कटौती के निर्धारण के लिए निर्यातक कीमत को विचार में नहीं लिया है। आगे यह भी नोट किया गया है कि प्राधिकारी ने निश्चित आधार पर अपने निर्णय को अंतिम रूप देने के लिए जांच के दौरान निर्यातक के उत्तर की आगे और जांच करने का प्रस्ताव किया है।

15. प्राधिकारी नोट करते हैं कि याचिकाकर्ता ने बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश में (इस जांच में अमरीका) में कीमत अथवा परिकलित मूल्य का साक्ष्य उपलब्ध कराया है। चीन के उत्पादकों को गैर बाजार अर्थव्यवस्था मानने संबंधी घरेलू उद्योग के दावे पर विरोध प्रकट करते हुए, चीनी उत्पादकों अथवा आयातकों अथवा किसी अन्य हितबद्ध पक्षकार ने बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश में कीमत अथवा परिकलित मूल्य के संबंध में किसी प्रकार का ठोस दावा अथवा वास्तविक साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया है। प्राधिकारी द्वारा भेजी गई निर्यातक प्रश्नावली के उत्तर में अमरीका के उत्पादकों/निर्यातकों से भी कोई उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है। इन परिस्थितियों में, प्राधिकारी ने अनंतिम तौर पर यह निर्धारित किया है कि अनंतिम जांच परिणामों के

प्रयोजनार्थ उपलब्ध एकमात्र विकल्प, समान उत्पाद हेतु समुचित लाभ मार्जिन को शामिल करने के लिए उचित रीति से समायोजित, वास्तविक रूप से भुगतान की गई अथवा देय कीमत को विचार में रखते हुए सामान्य मूल्य का निर्धारण करना है। भारत में वास्तविक रूप से भुगतान की गई कीमत पर विचार नहीं किया गया है क्योंकि उसमें कटौती की गई है। अतः प्राधिकारी ने अंतर्राष्ट्रीय कच्ची सामग्री की कीमतों और इष्टतम परिवर्तन लागतों, बिक्री, सामान्य और प्रशासनिक व्ययों और समुचित लाभ को दर्शाने के लिए उचित रूप से समायोजित भारत में उत्पादन लागत को विचार में रखकर सामान्य मूल्य का परिकलन किया है। तथापि, जांच की कार्यवाही आगे बढ़ने के साथ-साथ यदि उसके औचित्य के विषय में अथवा प्राधिकारी द्वारा उनकी कीमत अथवा परिकलित मूल्य के बारे में कोई सूचना प्राप्त होती है तो प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 के अनुसार सामान्य मूल्य के निर्धारण के प्रयोजनार्थ बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश के औचित्य की जांच जारी रखने का प्रस्ताव किया है।

घ(2) चीन जन.गण. के अन्य उत्पादक/निर्यातक

16. जांच प्रारंभ होने के पश्चात किसी भी अन्य उत्पादक/निर्यातक ने बाजार अर्थव्यवस्था प्रश्नावली और निर्यातक प्रश्नावली में उल्लिखित विभिन्न परिशिष्टों के संबंध में सूचना उपलब्ध कराकर निर्यातक प्रश्नावली का उत्तर नहीं दिया है। चूंकि चीन जन.गण. के मै0 जीनन जूझा के अतिरिक्त किसी निर्यातक/उत्पादक से कोई सूचना प्राप्त नहीं हुई है, इसलिए प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 में उल्लिखित उपलब्ध तथ्यों के आधार पर सामान्य मूल्य का परिकलन किया है। इस संबंध में यह नोट किया गया है कि बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश में कीमत अथवा परिकलित मूल्य (वर्तमान मामले में समानांतर देश अमरीका है) और अन्य देशों को ऐसे तीसरे देश से कीमत के संबंध में प्राधिकारी को कोई सूचना नहीं दी गई है। चूंकि ऊपर उल्लिखित कोई सूचना प्राप्त नहीं हुई है इसलिए प्राधिकारी ने बिक्री, सामान्य और प्रशासनिक व्ययों और समुचित लाभ सहित उचित रूप से समायोजित भारत की उत्पादन लागत संबंधी सामान्य मूल्य को ध्यान में रखकर सामान्य मूल्य का निर्धारण किया है। निर्यात कीमत का निर्धारण, संबद्ध वस्तुओं के लिए आधिकारिक आंकड़ों द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचना के आधार पर परिकलित आयातों के सौदावार आंकड़ों के आधार पर किया गया है।

ड.3 बाजार अर्थव्यवस्था वाले देशों के मामले में सामान्य मूल्य

उत्तर देने वाले निर्यातकों के लिए पाटन मार्जिन का निर्धारण करने हेतु पद्धति

17. पहले यह निर्धारित किया गया कि क्या निर्यातक देश में बेची गई संबद्ध वस्तु की किसी बिक्री की तुलना में संबद्ध देश में उत्पादकों/निर्यातकों द्वारा संबद्ध वस्तु की कुल घरेलू बिक्री उल्लेखनीय है और क्या उसकी बिक्री पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के नियम 2 के संदर्भ में व्यापार की सामान्य प्रक्रिया के तहत की गई है। घरेलू बाजार में बेचे जाने वाले डेनियर, एनएफवाई की श्रेणी और चमक पर विचार करते हुए प्रत्येक प्रकार के एनएफवाई के अलग-अलग भारत औसत बिक्री कीमत के निर्धारण हेतु इस सूचना पर विश्वास किया गया है। यदि किसी विशेष प्रकार के एनएफवाई की बिक्री की मात्रा घरेलू बाजार में भारत को किए गए निर्यातों से 5% अधिक है, तो उस स्थिति में घरेलू कीमत पर विचार किया गया है। दूसरे मामलों में प्राधिकारी द्वारा अनंतिम आधार पर निर्धारित उत्पादन लागत को समुचित लाभ जोड़कर सामान्य मूल्य के परिकलन हेतु उपयोग में लाया गया है। निर्यातकों द्वारा दावा की गई उत्पादन लागत को अनंतिम

रूप से स्वीकार कर लिया गया है, किन्तु उन निर्यातकों के लिए जिन्होंने केवल गुणवत्ता के अंतर के आधार पर एनएफवाई के लिए अलग अलग और काफी अंतर वाली उत्पादन लागतों का दावा किया है, आगे जांचों के लिए एनएफवाई की औसत उत्पादन लागत का निर्धारण करना उचित समझा गया है। ऐसा इसलिए है क्योंकि केवल गुणवत्ता में अंतर के आधार पर निर्यातकों द्वारा एनएफवाई की उत्पादन लागत के संबंध में किए गए दावों में इतने अधिक अंतर को निर्यातकों द्वारा न तो उचित और न ही तर्क संगत समझा गया है।

18. औसत बिक्री कीमत की तुलना औसत उत्पादन लागत से की गई है। ऐसे मामलों में, जहां ये किसी उत्पादन लागत से कम थी वहां सामान्य मूल्य के निर्धारण हेतु लाभ के लिए उचित संयोजन के साथ औसत उत्पादन लागत पर विचार किया गया है। जहां भी ये बिक्री कीमतें औसत उत्पादन लागत से ऊपर थी, वहां सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए ऐसी औसत बिक्री कीमतों पर विचार किया गया है।

19. व्यापार जांच की सामान्य प्रक्रिया के निर्धारण के लिए, उत्पादक द्वारा रखे गए रिकॉर्ड के संदर्भ में संबद्ध उत्पाद की उत्पादन लागत की जांच की गई थी। इसके अतिरिक्त, यह निर्धारित करने के लिए कि क्या घरेलू बिक्रियां व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में की गई थी अथवा नहीं, सभी घरेलू बिक्री सौदों की जांच संबद्ध वस्तुओं की उत्पादन लागत के संदर्भ में की गई थी। अतः जहां लागत से कम बिक्री 20% से अधिक हो जाती है वहां सहयोगी निर्यातक के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण करने हेतु केवल लाभकारी सौदों पर ही विचार किया जाता है। तथापि, ऐसे मामलों में जहां निर्यातकों द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों में अत्यंत परिवर्तन लागत प्रदर्शित होती है अथवा जहां कच्ची सामग्री, उपयोगिता एवं परिवर्तन लागत अन्य निर्यातकों द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों की तुलना में काफी कम होती है, वहां आगे जांच होने तक अनंतिम जांच के प्रयोजनार्थ उत्पादन लागत का परिकलन किया गया है।

चीनी ताइपेई

5.4 मै0 सनटेक्स फाइबर्स

सामान्य मूल्य

20. निर्यातक द्वारा प्रस्तुत किए गए उत्तर से यह नोट किया गया है कि अधिकांश बिक्री के अल्प गुणवत्ता वाले होने का दावा किया गया है। विस्तृत जांच और सूचना का सत्यापन होने तक प्राधिकारी ने सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत के प्रयोजनार्थ गुणवत्ता में पाए गए अंतर पर अनंतिम रूप से विचार नहीं किया है और श्रेणी, चमक और डेनियर (इस स्तर पर गुणवत्ता पर विचार न करते हुए) के आधार पर एनएफवाई की संपूर्ण बिक्री का परिकलन किया है। यह भी नोट किया गया है कि मै0 सनटेक्स ने ब्याज आय के आधार पर उत्पादन लागत से पर्याप्त कटौती का दावा किया है। तथापि यह साबित करने के लिए कि उक्त ब्याज आय, उत्पादन और एनएफवाई की बिक्री के कारण है, किसी प्रकार का साक्ष्य उपलब्ध नहीं कराया गया है। अतः आगे जांच होने तक ब्याज आय को अनंतिम रूप से शून्य माना गया है। इसके अतिरिक्त, प्राधिकारी ने नायलॉन फिलामेंट के प्रत्येक प्रकार के लिए लागत के विभिन्न घटकों और संबद्ध वस्तुओं के विभिन्न प्रकारों के लिए घटक वार लागत की तुलना की है। जांच के पश्चात, यह पाया गया कि घरेलू सामग्री की लागतें 86 से 186 के बीच में रही जबकि उपयोगिता 2 से 842 के बीच में थी। प्रत्यक्ष श्रम, ह्रास और अन्य व्ययों (यदि प्रत्येक मद/शीर्ष की कुल लागत को 100 माना जाता है) के संबंध में भी अन्य कई उल्लेखनीय विभिन्नताएं मौजूद हैं। विनिर्माण और बिक्री की कुल लागत को 100 मानते हुए यह देखा गया है कि कच्ची सामग्री की लागत 38 से 96 के बीच में रही है जबकि उपयोगिताएं और

प्रत्यक्ष श्रम .06 से 11.31 और .13 से 6.81 क्रमशः के बीच में रही है। इसके अतिरिक्त, विभिन्न ग्रेडों के संबंध में आंतरिक घटकों की लागत में काफी विभिन्नताएं हैं जो समझने में कठिन हैं। अतः उपर्युक्त के मद्देमजर, यद्यपि निर्यातक की कच्ची सामग्री की लागत पर विचार किया गया है तथापि घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत का निर्धारण करने के लिए कार्यकुशल घरेलू उद्योग की परिवर्तन लागत को उसमें जोड़ा गया है। प्राधिकारी ने एनएफवाई के प्रत्येक प्रकार के लिए अलग-अलग उत्पादन लागत का निर्धारण किया गया है। उपर उल्लिखितानुसार ऐसे मामलों में जहां व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में व्यवहार्य घरेलू बिक्री हुई थी, एनएफवाई के प्रत्येक प्रकार के लिए भारत औसत बिक्री कीमत का निर्धारण किया गया है। विभिन्न समायोजनों के आधार पर कीमत समायोजनों का दावा किया गया है, जिसकी अनुमति अनंतिम रूप से दी गई है। ऐसे मामलों में जहां व्यवहार्य घरेलू बिक्री नहीं हुई है, वहां उस विशिष्ट प्रकार के एनएफवाई के सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए बिक्री, सामान्य और प्रशासनिक लागत और लाभ के लिए समुचित संवृद्धि के साथ उत्पादन लागत निर्धारित की गई है।

निर्यात कीमत

21. जैसा कि उपर स्पष्ट किया गया है एनएफवाई के प्रत्येक प्रकार के लिए भारत को अलग-अलग भारत औसत निर्यात कीमत का निर्धारण किया गया है। सत्यापन के अध्यक्षीन, अनंतिम रूप से अनुमत्य भाड़ा, बीमा, वारंटी जैसे समायोजनों के आधार पर कीमत समायोजनों का दावा किया गया।

ड.5 मै0 ली पेंग **सामान्य मूल्य**

22. आगे सत्यापन होने तक चीनी टाईपई के निर्यात की संबद्ध वस्तुओं की घरेलू बिक्री कीमत के आधार पर पूर्ववर्ती पैराग्राफों में उल्लिखित पद्धति से सामान्य मूल्य का निर्धारण किया गया है।

निर्यात कीमत

23. मै0 ली0 पेंग ने जांच अवधि के दौरान *** एनटीडी कीमत पर *** किग्रा. संबद्ध वस्तुओं का निर्यात किया है। ये निर्यात तारीख के साथ-साथ मात्रा और आयातकों के नामों संबंध में आधिकारिक आंकड़ों से मेल खाते हैं। तथापि, उनके परिशिष्ट 2 के अनुसार जांच अवधि के दौरान *** एनटीडी कीमत की तुलना में और अन्यथा भी उनके द्वारा प्रभारित कीमतों में बहुत अधिक अंतर है, आधिकारिक आंकड़ों अनुसार भारत औसत सीआईएफ कीमत केवल **** एनटीडी है। अतः उत्तर देने वाले निर्यातक और सीमाशुल्क प्राधिकारियों द्वारा वास्तव में रिपोर्ट की गई कीमत में काफी अंतर है। अनंतिम जांच के प्रयोजनार्थ, प्राधिकारी ने उत्तरदाता निर्यातक की सीआईएफ कीमत संबंधी आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार भारत में आयात कीमत निर्धारित की है। अंतर्देशीय भाड़े, कमीशन, समुद्री भाड़े, समुद्री बीमा और अन्य प्रभाशों के आधार पर निर्यातक द्वारा दावा किए गए समायोजनों को अनंतिम जांच के प्रयोजनार्थ, सत्यापन के अध्यक्षीन अनुमत्य कर दिया गया है।

दक्षिण कोरिया**ड.6. मै. ह्योसंग- कोरिया आर पी****सामान्य मूल्य**

24. आगे सत्यापन होने तक कोरिया आर पी के निर्यातक की संबद्ध वस्तुओं की घरेलू बिक्री कीमत के आधार पर पूर्ववर्ती पैराग्राफों में उल्लिखित पद्धति से सामान्य मूल्य का निर्धारण किया गया है।

निर्यात कीमत

25. मै. ह्योसंग- कोरिया आर पी ने *** अम. डॉ./कि.ग्रा. की भारित औसत कीमत के साथ भारत को *** कि.ग्रा. संबद्ध वस्तुओं का निर्यात किया है। अंतर्देशीय भाड़े, कमीशन, समुद्री भाड़े, समुद्री बीमा और अन्य प्रभारों के आधार पर निर्यातक द्वारा दावा किए गए समायोजनों को अनंतिम जांच के प्रयोजनार्थ सत्यापन के अध्याधीन अनुमत्य कर दिया गया है।

ड.7. मै. लाईक्वांग (टीकेआई)- कोरिया**सामान्य मूल्य**

26. नॉन प्राइम सामग्री की पर्याप्त बिक्री का दावा किया गया है। नॉन प्राइम की उत्पादन लागत के प्राइम उत्पाद से काफी कम होने का दावा किया गया है। विस्तृत जांच और सूचना का सत्यापन होने तक प्राधिकारी ने सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत के निर्धारण के प्रयोजनार्थ अनंतिम रूप से प्राइम और नॉन प्राइम के बीच के अंतर पर ध्यान नहीं दिया है और केवल गुणवत्ता के अंतर के आधार पर एनएफवाई का संचयन किया है। प्राधिकारी ने प्रत्येक प्रकार के एनएफवाई के लिए उत्पादन लागत का अलग-अलग निर्धारण किया है। ऊपर उल्लिखित ऐसे मामलों में जहां व्यवहार्य घरेलू बिक्रियां, व्यापार का सामान्य प्रक्रिया में की गई थीं, वहां एनएफवाई के प्रत्येक प्रकार के लिए उत्पादन लागत का अलग-अलग निर्धारण किया गया था। कीमत समायोजनों का दावा परिवहन और पैकेजिंग के आधार पर किया गया है, जिनकी अनुमति अनंतिम आधार पर दी गई है। ऐसे मामलों में जहाँ व्यवहार्य घरेलू बिक्रियां मौजूद नहीं हैं वहां उस विशिष्ट प्रकार के एनएफवाई के सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए बिक्री, सामान्य और प्रशासनिक लागत और लाभ हेतु समुचित संवृद्धि के साथ उत्पादन लागत कर निर्धारण किया गया है।

निर्यात कीमत

27. जैसा कि ऊपर स्पष्ट किया गया है भारत को निर्यात किए गए एनएफवाई के प्रत्येक प्रकार के लिए भारित औसत निर्यात कीमत का अलग-अलग निर्धारण किया गया है। कीमत समायोजन का दावा अंतर्देशीय भाड़े, बीमा, ऋण लागत, शुल्क वापसी इत्यादि के आधार पर किया गया है, जिसकी अनुमति अनंतिम रूप से दी गई है।

मलेशियाड.8. मै. हुआलोन कॉर्पोरेशनसामान्य मूल्य

28. प्राधिकारी नोट करते हैं कि निर्यातक ने न तो विभिन्न डेनियरों के लिए अलग-अलग उत्पादन लागत उपलब्ध कराई है और न ही उसने डेनियर के आधार पर अलग-अलग उत्पादन लागत परिकलित न करने के लिए कोई स्पष्ट कारण दिया है। घरेलू उद्योग द्वारा दायर की गई याधिका और प्राधिकारी द्वारा भेजी गई जांच प्रारंभ संबंधी नोटिस में डेनियर को संबद्ध लागतों और कीमतों में अंतर हेतु एक महत्वपूर्ण मापदंड के रूप में अभिज्ञात किया गया है। प्राधिकारी द्वारा अब तक की गई जांच से भी यह निर्धारित हो चुका है कि डेनियर एक महत्वपूर्ण मापदण्ड है और डेनियर में बदलाव से परिवर्तन लागत में भी काफी अंतर पड़ता है। इसके अतिरिक्त, विभिन्न परिशिष्टों में व्ययों और उत्पादन की परिणामी इकाई लागत के विवरण आपस में मेल नहीं खाते हैं। उदाहरणतः जहां परिशिष्ट-6 में कच्ची सामग्री की लागत **** आर एम दर्शाई गई है, वही परिशिष्ट 8 में वही लागत **** आरएम है। विनियोजन और आवंटन की विस्तृत जांच से यह पता चलता है कि विचाराधीन उत्पाद को विनियोजन/आवंटित कुल उत्पादन लागत में, कंपनी के कुल खर्चों के प्रतिशत के रूप में **** (कच्ची सामग्री के लिए) से **** (उपयोगिताएं), **** (प्रत्यक्ष श्रम) और ***** (प्रशासनिक खर्च) में काफी अंतर है। इसके अतिरिक्त, यह नोट किया गया है कि निर्यातक द्वारा निर्धारित परिवर्तन लागत के संबंध में किए गए दावों में अनेक विसंगतियां पाई गई हैं। इनमें से कुछ तथ्य यह है कि निर्यातक ने अन्य उत्पादों में काफी उच्च और संबद्ध वस्तुओं में निम्न उपयोगिता लागतों का दावा किया है जबकि अन्य उत्पादों की तुलना में संबद्ध वस्तुओं की श्रम लागत भी अनुपातहीन प्रतीत होती है और अन्य विविध खर्च और मूल्यहास भी अनुपातहीन हैं। उपर्युक्त के मद्देनजर, प्राधिकारी का विचार है कि निर्यातक द्वारा दावा की गई कच्ची सामग्री लागतों और घरेलू उद्योग द्वारा उपलब्ध कराई गई और प्राधिकारी द्वारा सत्यापित सूचना के आधार पर परिवर्तन लागतों को आगे जांच होने तक, अनंतिम रूप से स्वीकार करना उचित होगा।

निर्यात कीमत

29. मै. हुआलोन ने जांच अवधि के दौरान भारत को *** अम. डॉ./कि.ग्रा. की भारित औसत कीमत के **** मी. टन संबद्ध वस्तुओं का निर्यात किया है। निर्यातक द्वारा अंतर्देशीय भाड़े, कमीशन, समुद्री भाड़े, समुद्री बीमा और अन्य प्रभारों के संबंध में दावा किए गए समायोजनों को अनंतिम जांच के प्रयोजनार्थ सत्यापन के अध्वधीन अनुमति दी गई है।

थाईलैंडड.9. मै. थाई टाफेटा

30. थाई टाफेटा द्वारा दावा की गई उत्पादन लागत की विस्तृत जांच से यह मालूम होता है कि कंपनी द्वारा एनएफवाई और फैब्रिक का उत्पादन किया जाता है। कंपनी ने दावा किया है कि कच्ची सामग्री के आधार पर एनएफवाई और फैब्रिक के बीच लागतों और उत्पादन के आधार पर

परिवर्तन लागतों (एसजीए के अतिरिक्त) का विनियोजन किया गया है। तथापि, ऐसा प्रतीत होता है कि उत्पादन के कथित आधार पर कच्ची सामग्री का विनियोजन नहीं किया जाता है। इसके अतिरिक्त उत्पादन के आधार पर उत्पादन लागत का भी विनियोजन नहीं किया जाता है। वास्तव में, यह पाया गया है कि यदि उत्पादन के आधार पर लागत का विनियोजन किया जाता तो एनएफवाई पर होने वाला खर्च, दावा की गई राशि से कहीं अधिक होता। बिक्री मूल्यों और इस तथ्य के मद्देनजर कि कंपनी द्वारा उत्पादित विभिन्न उत्पादों में काफी अंतर है, वैसे भी यह प्रतीत नहीं होता है कि एनएफवाई और दूसरे उत्पाद के बीच उत्पादन के आधार पर खर्चों का विनियोजन उचित होता। भारतीय उत्पादकों अथवा अन्य निर्यातकों के साथ परिवर्तन लागत की तुलना से भी यह प्रदर्शित नहीं होता है कि परिवर्तन लागत के आधार पर किया गया दावा तर्कसंगत है। उपर्युक्त के मद्देनजर प्राधिकारी ने विस्तृत जांच होने तक भारतीय उत्पादकों के सर्वश्रेष्ठ अनुमानों के आधार पर अनंतिम रूप से परिवर्तन लागत का निर्धारण किया है। ऊपर उल्लिखित ऐसे मामलों में जहां व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में व्यवहार्य घरेलू बिक्रिया की गई थी, वहां एनएफवाई के प्रत्येक प्रकार के लिए भारत औसत बिक्री कीमत का निर्धारण किया गया है। यह पाया गया है कि घरेलू बाजार में बिक्रिया उत्पादन लागत से कम है। अतः उस विशिष्ट प्रकार के एनएफवाई के लिए सामान्य मूल्य के निर्धारण हेतु बिक्री, सामान्य और प्रशासनिक लागत और लाभ हेतु उचित संवृद्धि के साथ यथासंशोधित, उत्पादन लागत का निर्धारण किया गया है।

निर्यात कीमत

31. जैसा कि ऊपर स्पष्ट किया गया है कि भारत को निर्यात किए गए एनएफवाई के प्रत्येक प्रकार के लिए भारत औसत निर्यात कीमत का अलग अलग निर्धारण किया गया है। कीमत समायोजनों का दावा भाड़े, बीमा, ऋण लागत, सीमाशुल्क निकासी, पैकिंग इत्यादि के आधार पर किया गया है, जिसकी अनुमति अनंतिम रूप से दी गई है।

ड.10. मै. एशिया फाईबर

सामान्य मूल्य

32. सामान्य मूल्य के निर्धारण के संबंध में यह देखा गया है कि निर्यातक ने केवल एक उत्पाद की लागत उपलब्ध कराई है जो भारत को निर्यात किया जाता है और घरेलू बाजार में भी बेचा जाता है। उत्तर देने वाले निर्यातक ने एसजीए व्ययों के आवंटन का विवरण भी प्रस्तुत नहीं किया है। सभी उत्पादों के लिए कुल लागत परिकलन के अभाव में लागत आंकड़ों पर विचार नहीं किया जा सकता और इसलिए इसे अनंतिम जांच के प्रयोजनार्थ स्वीकार नहीं किया गया है। परिस्थितियों को देखते हुए, सर्वोत्तम उपलब्ध सूचना का उपयोग करते हुए सामान्य मूल्य का परिकलन किया गया है।

निर्यात कीमत

33. मै0 एशिया फाइबर ने भारत की *** किग्रा0 मात्रा का *** अमरीकी डालर/किग्रा. के सीआईएफ स्तर पर सकल बिक्री कीमत प्रति किलोग्राम पर निर्यात किया। इस संबंध में अनंतिम जांच परिणाम तथा बाद में किए जाने वाले सत्यापन के प्रयोजनार्थ, पैकिंग, अंतरदेशीय भाड़े, समुद्री भाड़े, विदेशी बीमा तथा पोतलदान, प्रभारों के आधार पर उत्तरदाता निर्यातक द्वारा दावा किए गए समायोजनों की दावे के अनुसार अनुमति प्रदान की गई है।

(ग) तुलना

34. संबंधित पैराग्राफों में उल्लिखित सामान्य मूल्य अथवा (निर्मित सामान्य मूल्य) तथा कारखाना द्वार स्तर पर निर्यात कीमत के बीच उचित तुलना करने के प्रयोजनार्थ, कीमतों तथा कीमत तुलनात्मकता को प्रभावित करने वाले अंतरों के लिए अनंतिम निर्धारण के पश्चात उनके सत्यापन के अध्यक्षीन समायोजनों के रूप में समुचित अनुमति दी गई है। संबद्ध देश के अन्य उत्पादकों तथा निर्यातकों के लिए, जिन्होंने जांच शुरूआत संबंधी अधिसूचना का उत्तर नहीं दिया है तथा जिन्होंने उनकी निर्यातक प्रश्नावलियों को प्रस्तुत नहीं किया है, सामान्य मूल्य उपलब्ध तथ्यों के आधार पर निर्धारित किया गया है जबकि निर्यात कीमत का निर्धारण अधिकारिक सांख्यिकी में उपलब्ध कीमत के आधार पर किया गया है।

(घ) पाटन मार्जिन

35. प्राधिकारी ने विभिन्न ग्रेडों/प्रकारों में से प्रत्येक के लिए संबद्ध वस्तुओं की आभा, डेनियर तथा चमक जैसे उनके विनिर्देशनों के आधार पर कारखाना द्वार स्तर पर विभिन्न प्रकारों के सामान्य मूल्य तथा निर्यात कीमत के बीच तुलना करके पाटन मार्जिन का परिकलन किया है। यह तुलना जांच अवधि जिसके लिए संबद्ध वस्तुओं के तुलनात्मक प्रकार पाए गए थे के दौरान उत्पादकों/निर्यातकों द्वारा विनिर्मित तथा भारत को निर्यातित संबद्ध वस्तुओं के प्रत्येक प्रकार की भारत औसत बिक्री कीमत पर आधारित थी। अतः भारत औसत समग्र पाटन मार्जिन का निर्धारण व्यक्ति प्रकारों पर पाए गए नकारात्मक पाटन को शून्य किए बिना प्रत्येक प्रकार पर पाए गए पाटन की गणना करके किया गया था। तुलना से जांच अवधि के दौरान निर्यातकों द्वारा संबद्ध वस्तु के पाटन की विद्यमानता प्रदर्शित हुई। निर्यात कीमत के प्रतिशत के रूप में व्यक्त भारत औसत पाटन मार्जिन का निर्धारण किया गया है।

देश	उत्पादक/निर्यातक	पाटन मार्जिन अमरीकी डालर	पाटन मार्जिन%
चीन जन.गण.	मै0 जिनान जुडा फाइबर कं.लि.	****	140.52
	अन्य	****	140.52
कोरिया जन.गण.	त्येकवांग इंडस्ट्रियल कं. लि.	****	52.4
	ह्योसुंग कार्पोरेशन	****	62.55
	अन्य	****	62.55
मलेशिया	हुआलोन कार्पोरेशन	****	50.05
	अन्य	****	136.13

चीनी ताइपेई	सन्टेक्स फाइबर कं. लि.	****	73.29
	लाइपिंग इंटरप्राइजेज कं. लि.	****	39.98
	अन्य	****	145.29
थाईलैण्ड	एशिया फाइबर पब्लिक कं. लि.	****	111.42
	थाई टफेटा कं. लि.	****	53.09
	अन्य	****	185.81
इण्डोनेशिया	सभी उत्पादक/निर्यातक	****	139.01

(च) क्षति तथा कारणात्मक संबंध

36. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-॥ में यह अपेक्षित है कि क्षति के निर्धारण में इन आयातों का ऐसे उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर परिणामी प्रभाव की वस्तुनिष्ठ जांच शामिल होगी। नियमावली में आगे यह प्रावधान है कि घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच में बिक्री में वास्तविक तथा संभावित गिरावट, लाभ, उत्पादन, बाजार हिस्सा, उत्पादकता, निवेश पर आय अथवा क्षमता उपयोग, घरेलू कीमतों को प्रभावित करने वाले कारक, पाटन के मार्जिन की मात्रा, नकद प्रवाह, भण्डार सूचियों पर वास्तविक तथा संभावित नकारात्मक प्रभाव, रोजगार, मजदूरी, वृद्धि, पूंजीगत निवेश प्राप्त करने की योग्यता सहित उद्योग की स्थिति को दर्शाने वाले सभी प्रासंगिक आर्थिक कारकों तथा संकेतकों का वस्तुनिष्ठ तथा पक्षपात रहित मूल्यांकन शामिल होना चाहिए।

निर्दिष्ट प्राधिकारी ने नियमावली के अनुसार निम्नलिखित चर्चा किए गए विभिन्न आर्थिक मापदण्डों तथा संकेतकों की जांच की है:-

नियमावली के अनुबंध ॥ (iv) में उल्लिखित है कि:-

(iv) पाटित आयातों के प्रभाव का आकलन समान वस्तु के घरेलू उत्पादन के संबंध में तब किया जाएगा जब उपलब्ध आंकड़े उस उत्पादन की उत्पादन प्रक्रिया, उत्पादक बिक्री तथा लाभ जैसे मानदण्डों के आधार पर पृथक अभिज्ञान की अनुमति दे। यदि उस उत्पादन का ऐसा पृथक अभिज्ञान संभव नहीं है तो पाटित आयातों के प्रभाव का आकलन उत्पादों के छोटे से छोटे समूह अथवा रेंज जिसमें समान उत्पाद शामिल हैं जिसके लिए आवश्यक सूचना प्रदान की जा सकती है के उत्पादन की जांच करके किया जाएगा।

37. घरेलू उद्योग द्वारा व्यवहार्य तथा पृथक रूप से उपलब्ध रहने की सीमा तक समान वस्तु के संबंध में क्षति संबंधी सूचना प्रदान की गई है। तथापि, यदि समान वस्तु के संबंध में कोई विशेष पृथक रूप से उपलब्ध नहीं है क्योंकि उस सूचना का पृथक अभिज्ञान व्यवहार्य न हो तो उत्पादों के छोटे से छोटे समूह अथवा रेंज, जिसमें समान वस्तु शामिल है तथा जिनके लिए आवश्यक सूचना उपलब्ध थी, के संबंध में सूचना पर निर्भर रहा गया है।

38. यह स्मरण किया जाता है कि निर्दिष्ट प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग को, घरेलू उद्योग को हुई क्षति के विभिन्न कारकों की वस्तुनिष्ठ जांच के लिए क्षति संबंधी विस्तृत सूचना प्रदान करने के लिए कहा था। इस

प्रयोजनार्थ प्राधिकारी ने वर्ष 2001-2002, 2002-2003, 2003-2004 तथा जांच अवधि के लिए सूचना की मांग की थी। जांच के दौरान तथा रिकार्डों के सत्यापन तथा मौके पर सत्यापन के पश्चात यह नोट किया गया था कि घरेलू उद्योग को क्षति अवधि के पहले वर्ष में घाटा हो रहा था। यह दावा किया गया था कि पहले वर्ष में हुए घाटे का कारण गुजरात में आया बड़ा भूकंप था जिससे सूरत के बाजार, जो उत्पाद के लगभग 65-70% का उपभोग करता है, को मुख्य रूप से नुकसान हुआ था। इस संबंध में यह प्रस्तुत किया गया था कि वर्ष 2000-2001 के लिए श्री सिन्थेटिक्स के निदेशकों की रिपोर्ट में उल्लेख है कि:-

" प्राकृतिक आपदा अर्थात् विनाशकारी भूकम्प से गुजरात, जो आपकी कम्पनी के उत्पादों को प्रमुख उपभोक्ता राज्य है, का व्यापार नष्ट हो गया है क्योंकि सरकार द्वारा लगाए गए शुल्क से हड़ताल पर गए बुमकरो से मार्जिन पर और असर पड़ा है।

39. इसके अलावा, मै0 मोडीपान के मामले में वर्ष 2000-2001 के लिए निदेशकों की रिपोर्ट के अनुसार:-

"(I) संश्लेषित तन्तु यार्न का सबसे बड़ा बाजार सूरत, विद्युत प्रशुल्क में वृद्धि तथा चैम्बर्स पर संयुक्त लेडी के बजाए फेब्रिक्स पर एड-वेलोरम दरें लागू करके उत्पाद शुल्क की संरचना में परिवर्तन करने के कारण बुमकरो तथा फेब्रिक्स व्यापारियों द्वारा हड़ताल/आंशिक बन्द के द्वारा प्रतिकूलतः प्रभावित हुआ था।

(II) गुजरात में बड़े भूकम्प के कारण सूरत तथा इसके आस-पास व्यापारिक कार्यकलाप बुरी तरह प्रभावित हुए।

(III) संघीय बजट 2000-2001 में आयात शुल्क की संरचना में एक विसंगति हुई। एनएफवाई तथा पीएफवाई पर आयात शुल्क 20% कम किया गया जबकि केप्रोलेक्टम, डीएमटी, पीटीए तथा एमईजी (कच्चा माल) पर आयात शुल्क 27.5% निश्चित किया गया। आयात शुल्क संरचना में इस विसंगति के कारण एनएफवाई तथा पीएफवाई के पश्चवर्ती आयात इस अवधि के दौरान इंडोनेशिया, ताइवान, चीन आदि से किए गए थे।

40. अतः साक्ष्य के साथ यह दावा किया गया कि आधार वर्ष के दौरान घरेलू उद्योग के प्रतिकूल निष्पादन के लिए अनेक कारक जिम्मेदार थे तथा यह अनुरोध किया गया था कि पहले वर्ष को घरेलू उद्योग को हुई क्षति की जांच से हटाया जाना चाहिए। तथापि निर्दिष्ट प्राधिकारी ने क्षति की जांच से पहले वर्ष को केवल विद्यमान प्रथाओं के कारण नहीं हटाया है, बल्कि केवल इस कारण से हटाया कि घरेलू उद्योग अन्य स्वीकार्य कारणों से 2001-2002 में क्षति का सामना कर रहा था तथापि, यह पुनः दोहराया जाता है कि घरेलू उद्योग को हुई क्षति के संबंध में किसी निष्कर्ष पर पहुँचने के लिए जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग का उत्पादन बनाम आधार वर्ष में इसका निष्पादन महत्वपूर्ण नहीं है बल्कि क्षति अवधि तथा जांच अवधि के दौरान विभिन्न संकेतकों की प्रवृत्ति महत्वपूर्ण है।

घरेलू आंकड़े

41. द्वितीयक स्रोतों (आईबीआईएस) द्वारा मुहैया कराई गई जानकारी से यह प्रदर्शित होता है कि उत्पाद को निम्नांकित सीमाशुल्क वर्गीकरणों में लाया गया है :-

5402.39, 5402.59, 54020000, 54020200, 54020400, 54020900, 540210, 54021000, 54021001, 54021002, 54021003, 54021009, 54021010, 54021090, 54021100, 54021500, 54022000, 54022001, 54022010, 54022090, 54022400, 54022430, 54022900, 54023000, 54023001, 54023100, 54023200, 54023300, 54023900, 54023901, 54023909, 54023910, 54023920, 54023990, 54024000, 54024100, 54024101, 54024109, 54024200, 54024201, 54024210, 54024300, 54024900, 54024901, 54025100, 54025200, 54025400, 54025900, 54025901, 54025909, 54025910, 54025990, 54026000, 54026100, 54026200, 54026300, 54026900, 54026901, 54026909, 54026910, 54026920, 54026940, 54026950, 54026990, 54029000, 54029900

42. चूंकि उत्पाद का विवरण केवल संकेतात्मक है इसलिए संबद्ध वस्तुओं के सभी आयातों को उनके वर्गीकरणों पर ध्यान दिए बिना मात्रा, मूल्य तथा औसत आयात कीमत के निर्धारण के प्रयोजनार्थ शामिल किया गया है। जांच की शुरुआत करने पर, डीजीसीआई एंड एस से नाइलोन तंतु यार्न के आयातों के संबंध में सूचना उपलब्ध कराने का अनुरोध किया गया था। उपलब्ध कराई गई सूचना में केवल सीमाशुल्क वर्गीकरण 5402.3100, 5402.3200, 5402.4100, 5402.5100 तथा 5402.6100 शामिल है जिनका विश्लेषण निम्नानुसार है:-

डीजीसीआई एंड एस आंकड़ों का सार

	मात्रा	मूल्य	औसत कीमत
	मी.टन	लाख रुपए	रु०/किग्रा
पॉलिस्टर के रूप में सूचित आयात	1731	1738.37	100.43
बिना विवरण के आयात	1863	1863.46	100.02
नाइलोन के रूप में वर्णित आयात	10622	10243.85	96.44
जोड़	14216	13845.68	97.40
द्वितीयक स्रोतों के अनुसार केवल संबद्ध देश			

43. इन सूचनाओं की द्वितीयक स्रोत के आंकड़ों से तुलना की गई जो निम्नानुसार है :-

देश	डीजीसीआई एंड एस के अनुसार		द्वितीयक स्रोतों के अनुसार	
	मात्रा	मूल्य	मात्रा	मूल्य
	मी.टन	लाख रुपए	मी. टन	लाख रुपए
चीन	2028	1825.25	2254	1866.36
इंडोनेशिया	256	247.94	4563	3546.12
कोरिया	856	801.09	3455	3498.38
मलेशिया	625	702.24	1370	788.26
ताइवान	1772	1636.08	3060	2345.78
थाइलैण्ड	373	380.79	1648	1074.36
जोड़	5910	5593.38	16350	13119.26

इसलिए और आगे जांच को लंबित रखते हुए प्रारंभिक जांच परिणामों को द्वितीयक स्रोतों से प्राप्त सूचना पर निर्भर रखना अधिक उचित माना गया है। द्वितीयक स्रोतों से चुने गए संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं के आयातों की मात्रा तथा कीमत के आंकड़ें सभी हितबद्ध पक्षों की सूचना के लिए सार्वजनिक फाइल में रखे गए हैं।

संचयी आकलन

44. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध II (iii) में यह प्रावधान है कि यदि उत्पाद का आयात एक से अधिक देशों से साथ-साथ चल रही पाटनरोधी जांच के अध्यक्षीन हैं तब निर्दिष्ट प्राधिकारी ऐसे आयातों के प्रभाव का संचयी आकलन करेगा यदि यह निर्धारित होता है कि:

क. प्रत्येक देश से आयातों के संबंध में स्थापित पाटन मार्जिन निर्यात कीमत के प्रतिशत के रूप में यथाव्यक्त दो प्रतिशत से अधिक है तथा प्रत्येक देश से आयातों की मात्रा समान वस्तु के आयात का तीन प्रतिशत है अथवा जहाँ अलग-अलग देशों का निर्यात तीन प्रतिशत से कम है वहाँ आयात संचयी रूप से समान वस्तु के आयात के सात प्रतिशत से अधिक का बनता है, और;

ख. आयातों के प्रभाव का संचयी आकलन आयातित वस्तु तथा समान घरेलू उत्पादों के बीच प्रतिस्पर्धा की शर्तों के आलोक में उचित है।

प्राधिकारी पाते हैं कि:

- (i) प्रत्येक संबद्ध देश से पाटन का मार्जिन 2 प्रतिशत (न्यूनतम) से अधिक है जैसा कि पूर्ववर्ती पैराग्राफों में देखा जा सकता है;
- (ii) प्रत्येक संबद्ध देश से आयातों की मात्रा 3 प्रतिशत से अधिक है;
- (iii) घरेलू उद्योग विचाराधीन उत्पाद के विभिन्न डेनियरों का उत्पादन करता है तथा इन्हीं डेनियरों का भी संबद्ध देशों में भी उत्पादकों द्वारा उत्पादन किया जा रहा है। संबद्ध देशों के उत्पादकों द्वारा विनिर्मित उत्पाद तथा घरेलू उद्योग द्वारा विनिर्मित उत्पाद में सापेक्षतः तथा तुलनात्मक रूप से तुलनीय विशेषताएँ हैं। अतः घरेलू उद्योग द्वारा आपूर्ति की गई संबद्ध वस्तु विभिन्न संबद्ध देशों द्वारा निर्यातित संबद्ध वस्तु के समान वस्तु है।
- (iv) यह नोट किया जाता है कि आयातित उत्पाद तथा घरेलू समान उत्पाद एक दूसरे के स्थान पर प्रयुक्त किए जा रहे हैं। विभिन्न पक्षकारों द्वारा आयात के साक्ष्य तथा घरेलू उद्योग की उपभोक्तावार बिक्री से इसके सह संबंध से यह स्पष्ट होता है कि अनेक पक्षकार ऐसे हैं जिन्होंने घरेलू उद्योग से खरीदी की है तथा संबद्ध देशों से आयात किया है। आगे यह नोट किया जाता है कि विभिन्न देशों द्वारा निर्यातित संबद्ध वस्तुएँ उसी बाजार में प्रतिस्पर्धा करती हैं;
- (v) विभिन्न संबद्ध देशों से विभिन्न उत्पादकों द्वारा आपूर्ति की गई संबद्ध वस्तुओं का भारत में इसी अवधि के दौरान तुलनीय बिक्री माध्यमों के जरिए विपणन किया जा रहा है;
- (vi) संबद्ध देशों के संबंध में कीमत कटौती सकारात्मक तथा पर्याप्त है;
- (vii) संबद्ध देशों में घरेलू उत्पादक तथा निर्यातक उपभोक्ताओं की समान श्रेणी को उत्पाद की बिक्री कर रहे हैं।

45. उपर्युक्त के मद्देनजर, यह पाया गया है कि घरेलू उद्योग पर आयातों के प्रभाव का संचयी आकलन वर्तमान मामले में उपयुक्त होगा।

मांग का आकलन

46. संबद्ध वस्तुओं की घरेलू खपत/मांग की गणना के लिए प्राधिकारी ने भारत के कुल आयातों में घरेलू उद्योग तथा अन्य भारतीय उत्पादकों की बिक्री मात्रा को जोड़ा है। घरेलू उद्योग ने यह दावा किया है कि द्वितीयक स्रोतों द्वारा प्रदत्त सूचना में अत्यधिक चयनित पत्तनों पर रिपोर्ट किए गए आयातों की सूचना शामिल है किन्तु इसमें सभी टैरिफ शीर्ष भी शामिल हैं जिसके लिए संबद्ध वस्तु का आयात किया जा रहा है जबकि डी जी सी आई एस की आयात सांख्यिकी में संबद्ध वस्तु को दिए गए केवल टैरिफ शीर्ष का उल्लेख है तथा इन्हें स्पष्ट रूप से कम करके आंका गया है। वहीं दूसरी ओर, आई बी आई एस (द्वितीयक स्रोत) द्वारा प्रेषित आयात सांख्यिकी संबद्ध देश से कुछ उत्तरदाता निर्यातकों द्वारा पुष्टि की गई आयात मात्रा के अत्यधिक संगत है। इसलिए प्राधिकारी ने अनंतिम जांच परिणामों की आगे और जांच के प्रयोजनार्थ संबद्ध वस्तुओं की मात्रा तथा कीमत के संबंध में आयात सांख्यिकी के उद्देश्य से आई बी आई एस के आंकड़ों पर विश्वास किया। प्राधिकारी द्वारा विचार किए गए आयात आंकड़ों की एक प्रति को भी सभी हितबद्ध पक्षों के लाभ के लिए सार्वजनिक फाइल में रखा गया है।

	2001-02	2002-03	2003-04	जांच अवधि
घरेलू उद्योग की बिक्री	20,819	24,298	24,781	27,168
अन्य भारतीय उत्पादक की बिक्री	7,177	7,550	8,364	10,254
आयात - संबद्ध देश	4,078	6,204	12,131	16,350
आयात - अन्य देश	588	1,280	2,560	3,262
मांग	32,662	39,332	47,836	57,035

उपर्युक्त सारणी से अनंतिम रूप से यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि देश में संबद्ध वस्तु की मांग में सकारात्मक वृद्धि प्रदर्शित हुई है तथा यह क्षति अवधि में बढ़कर 75 प्रतिशत हो गई।

आयात मात्रा तथा बाजार हिस्सा

47. पाटित आयातों की मात्रा के संबंध में यह जांच की गई है कि क्या निरपेक्ष रूप से अथवा भारत में उत्पादन या खपत के संबंध में पाटित आयातों में कोई अत्यधिक वृद्धि हुई है। पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध II(ii) में यह प्रावधान है कि:-

"पाटित आयातों की मात्रा की जांच करते समय उक्त प्राधिकारी यह विचार करेगा कि क्या निरपेक्ष रूप से अथवा भारत में उत्पादन या खपत के संबंध में पाटित आयातों में कोई अत्यधिक वृद्धि हुई है....."

48. आयात संबंधी आंकड़ों की जांच करने के पश्चात यह नोट किया है कि क्षति अवधि के दौरान सबद्ध देशों से पाटित आयातों की मात्रा में निरपेक्ष रूप से वृद्धि हुई है। यह भी नोट किया जाता है कि आयातों की मात्रा में तीव्र वृद्धि की प्रवृत्ति दिखाई दी है। इसके अलावा, उत्पादन की तुलना में आयात तथा मांग में वृद्धि हुई जो कि निम्न सारणी से स्पष्ट है।

	2001-02	2002-03	2003-04	जांच अवधि
आयात (मी. टन)				
चीन	944	1,020	1,890	2,254
इंडोनेशिया	1,016	1,495	4,515	4,563
मलेशिया	815	1,358	1,896	3,455

थाईलैंड	323	908	805	1,370
कोरिया	712	924	2,080	3,060
ताइवान	267	498	945	1,648
संबद्ध देश	4,078	6,204	12,131	16,350
अन्य देश	588	1,280	2,560	3,262
कुल आयात	4,666	7,484	14,692	19,612
आयात में बाजार हिस्सा (%)				
चीन	20.24	13.64	12.86	11.49
इंडोनेशिया	21.78	19.98	30.73	23.27
मलेशिया	17.47	18.15	12.91	17.32
थाईलैंड	6.92	12.13	5.48	6.99
कोरिया	15.25	12.35	14.16	15.60
ताइवान	5.73	6.65	6.43	8.40
संबद्ध देश	87.39	82.89	82.57	83.37
अन्य देश	12.61	17.11	17.43	16.63
मांग	32,662	39,332	47,836	57,035
मांग में बाजार हिस्सा (%)				
चीन	2.89	2.59	3.95	3.95
इंडोनेशिया	3.11	3.80	9.44	8.00
मलेशिया	2.50	3.45	3.96	6.06
थाईलैंड	0.99	2.31	1.68	2.10
कोरिया	2.18	2.35	4.35	5.37
ताइवान	0.82	1.27	1.98	2.89
संबद्ध देश	12.49	15.77	25.36	28.67
अन्य देश	1.80	3.25	5.35	5.72
घरेलू उद्योग	63.74	61.78	51.80	47.63
भारतीय उद्योग	85.71	80.97	69.29	65.61
घरेलू उद्योग का उत्पादन	20,957	24,410	25,019	27,988
उत्पादन की तुलना में आयात				
चीन	4.51	4.18	7.55	8.05
इंडोनेशिया	4.85	6.13	18.04	16.30
मलेशिया	3.89	5.56	7.58	12.34
थाईलैंड	1.54	3.72	3.22	4.90
कोरिया	3.40	3.79	8.31	10.93
ताइवान	1.28	2.04	3.78	5.89
संबद्ध देश	19.46	25.41	48.49	58.42
अन्य देश	2.81	5.24	10.23	11.66

49. अतः यह नोट किया जाता है कि जांच अवधि में आयात निरपेक्ष रूप से मात्र 4078 मी.टन से बढ़कर 16350 मी.टन हो गए तथा देश में उत्पाद की मांग के संबंध में आयात 12.49 प्रतिशत से बढ़कर 28.67 प्रतिशत हो गए तथा घरेलू उद्योग द्वारा उत्पाद के उत्पादन के संबंध में आयात 19.46 प्रतिशत से बढ़कर

58.42 प्रतिशत हो गए । इसके अलावा जहाँ मांग में संबद्ध देशों का बाजार हिस्सा मात्र 12.49 प्रतिशत से बढ़कर 28.67 प्रतिशत हो गया, वहीं भारतीय उद्योग का बाजार हिस्सा 63.47 % से घटकर 47.63% हो गया । उपर्युक्त के मद्देनजर अनंतिम रूप से यह निष्कर्ष निकाला गया कि संबद्ध देशों से पाटित आयातों का प्रतिकूल मात्रात्मक प्रभाव हुआ ।

आयातों की कीमत का प्रभाव

50. कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव के संबंधों में यह जांच की गई है कि क्या भारत में समान वस्तु की कीमत की तुलना में पाटित आयातों द्वारा अत्यधिक कीमत कटौती की गई है अथवा क्या ऐसे आयातों का प्रभाव, अन्यथा अत्यधिक मात्रा तक कीमत ह्रास करने अथवा कीमत वृद्धि को रोकने के लिए है जो कि अन्यथा अत्यधिक मात्रा पर पहुँच गई होती । घरेलू बाजार के आयात के प्रभाव का मूल्यांकन करने के लिए क्षति अवधि के दौरान आयात कीमतों का विश्लेषण किया गया । यह नोट किया गया कि संबद्ध देशों से निर्यातकों ने कच्चे माल की कीमतों में अंतर्राष्ट्रीय वृद्धि के कारण अपनी कीमतें नहीं बढ़ाई । आगे यह नोट किया जाता है कि नाइलोन फिलामेंट यार्न एक पेट्रोकेमिकल उत्पाद है तथा नाइलोन चिप्स से उत्पादित किया जाता है जो केप्रोलेक्टम से प्राप्त किया जाता है तथा केप्रोलेक्टम बेंजीन से उत्पादित किया जाता है जो कि एक अन्य पेट्रोकेमिकल उत्पाद है । केप्रोलेक्टम की कीमतों में पिछले दो वर्षों में अत्यधिक वृद्धि हुई । केप्रोलेक्टम की कीमतों में वृद्धि का कारण बेंजीन की कीमत में वृद्धि है जिसका कारण कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि है । कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि एक सुविख्यात अंतर्राष्ट्रीय घटना है इसलिए इस बात की संभावना यह प्रतीत नहीं होती कि संबद्ध देशों के उत्पादक केप्रोलेक्टम की कीमतों में वृद्धि के कारण प्रभावित नहीं हुए हैं । पिछले वर्षों में केप्रोलेक्टम की कीमतें निम्नानुसार सारणी में दी गई हैं :-

	2001-02	2002-03	2003-04	जांच अवधि
केप्रोलेक्टम कीमत	56.65	63.62	70.10	89.19
सूचीबद्ध	100.00	112.30	123.74	157.44
निर्यात कीमत				
चीन	72.55	86.85	82.43	82.79
इंडोनेशिया	61.02	70.97	82.78	77.71
मलेशिया	132.57	107.91	105.78	101.26
थाईलैंड	78.90	80.83	65.70	57.53
कोरिया	67.05	75.36	74.58	76.66
ताइवान	65.23	72.81	70.28	65.21
संबद्ध देश	80.74	83.91	82.81	80.24
केप्रोलेक्टम कीमत के % के रूप में आयात कीमत				
चीन	128.06	136.51	117.59	92.83
इंडोनेशिया	107.71	111.56	118.09	87.13
मलेशिया	234.02	169.62	150.91	113.54
थाईलैंड	139.27	127.04	93.72	64.50
कोरिया	118.36	118.46	106.40	85.95
ताइवान	115.14	114.45	100.25	73.11
संबद्ध देश	142.52	131.90	118.13	89.96
आयातों का पहुँच मूल्य				
चीन	87.93	105.26	99.90	100.34

इंडोनेशिया	73.95	86.02	100.33	94.18
मलेशिया	160.68	130.79	128.21	122.73
थाइलैंड	95.62	97.96	79.62	69.72
कोरिया	81.27	91.34	90.40	92.91
ताइवान	79.05	88.25	85.18	79.03
संबद्ध देश	97.85	101.70	100.36	97.25

उपर्युक्त से यह स्पष्ट है कि इन वर्षों के दौरान कैप्रोलेक्टम की कीमतों में 58% की वृद्धि हुई है, तथापि, भारत को उनके निर्यातों के संबंध में कैप्रोलेक्टम की कीमतों में वृद्धि होने से संबद्ध देशों से निर्यात कीमत में वृद्धि नहीं हुई है। निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा कैप्रोलेक्टम कीमतों के % के रूप में आयात कीमतों की भी जांच की गई थी जिससे यह पाया गया था कि पहले निर्यात कीमत कैप्रोलेक्टम की कीमतों से 43% अधिक थी। जांच अवधि में इसमें अत्यधिक गिरावट आयी और कैप्रोलेक्टम की कीमत का मात्र 89% बन गई। अतः निर्यातकों की प्रभावी वसूली में भारत को उनके निर्यातों के संबंध में बड़ी गिरावट आयी है। इसके अलावा, सीआईएफ निर्यात कीमत में कमी का घरेलू उद्योग पर प्रत्यक्ष प्रतिकूल प्रभाव पड़ा हुआ मालूम होता है और ऐसा मालूम होता है कि पहुंच कीमत में कमी का प्रत्युत्तर घरेलू उद्योग की निवल बिक्री वसूली पर करें और शुल्कों को छोड़कर बिक्री कीमत, और भाड़े तथा परिवहन के रूप में विचार किया गया है। घरेलू उद्योग की समूची बिक्री मात्राओं को गणनाओं में शामिल किया गया है। आयातों की पहुंच कीमत का निर्धारण 1% पत्तन प्रभार और लागू मूल सीमाशुल्क के साथ भारत, औसत सीआईएफ कीमत पर विचार करके किया गया है।

51. संबंधित उत्पाद के लिए निर्यातित उत्पाद और व्यापार के समान स्तर पर असंबद्ध ग्राहकों को की गई बिक्रियों हेतु सभी छूटों और करों के घरेलू बाजार नेट के लिए घरेलू उद्योग की औसत बिक्री कीमत के बीच तुलना की गई थी। घरेलू उद्योग की कीमतों का कारखाना द्वार स्तर पर निर्धारण किया गया था। आयातों पर लागू शुल्कों के लिए संबंधित संबद्ध देश की सीआईएफ कीमतों को समायोजित किया गया था। इस तुलना से यह प्रदर्शित हुआ कि जांच अवधि के दौरान संबद्ध देशों में से प्रत्येक देश के मूल की संबद्ध वस्तुओं को भारतीय बाजार में ऐसी कीमतों पर बिक्री की गई थी जिससे घरेलू उद्योग की कीमतों में कटौती हुई जब यह घरेलू उद्योग की घरेलू बिक्री कीमतों के प्रतिशत के रूप में अभिव्यक्त की जाए जैसा कि निम्नलिखित तालिका से स्पष्ट है।

	2001-02	2002-03	2003-04	जांच अवधि
निर्यात कीमत				
चीन	72.55	86.85	82.43	82.79
इंडोनेशिया	61.02	70.97	82.78	77.71
मलेशिया	132.57	107.91	105.78	101.26
थाइलैंड	78.90	80.83	65.70	57.53
कोरिया	67.05	75.36	74.58	76.66
ताइवान	65.23	72.81	70.28	65.21
संबद्ध देश	80.74	83.91	82.81	80.24

पहुँच कीमत				
चीन	87.93	105.26	99.90	100.34
इंडोनेशिया	73.95	86.02	100.33	94.18
मलेशिया	160.68	130.79	128.21	122.73
थाइलैंड	95.62	97.96	79.62	69.72
कोरिया	81.27	91.34	90.40	92.91
ताइवान	79.05	88.25	85.18	79.03
संबद्ध देश	97.85	101.70	100.36	97.25
घरेलू उद्योग की निवल बिक्री वसूली	135.88	143.06	154.64	166.91
कीमत कटौती				
चीन				35-50%
इंडोनेशिया				40-50%
मलेशिया				25-35%
थाइलैंड				45-60%
कोरिया				40-50%
ताइवान				45-60%
संबद्ध देश				40-50%

प्रतिवादी निर्यातकों की कीमत कटौती

देश	निर्यातक	एनएसपी	पीयूसी	पीयूसी%
चीन जन. गण.	मै. जिनान जुडा फाईबर कं. लि.	****	****	35-45
कोरिया जन. गण.	टेक्वांग इंडस्ट्रियल कं. लि.	****	****	10-15
	ह्यूसॉग कार्पोरेशन	****	****	12-18
मलेशिया	हुआलोन कार्पोरेशन	****	****	15-25
चीनी ताईपेई	सन्टेक्स फाईबर कं. लि.	****	****	10-20
	लिपिंग इंटरप्राइज कं. लि. (डीजीसीआईएस)	****	****	20-30
थाइलैंड	एशिया फाईबर कं. लि.	****	****	35-45
	थिआ टेफेटा कं. लि.	****	****	10-20

52. यह देखा जाता है कि आयात कीमतें (मूल सीमाशुल्क को शामिल करने के पश्चात्) घरेलू उद्योग की निवल बिक्री वसूली से अत्यधिक कम रही हैं, अतः इसके परिणामस्वरूप अत्यधिक कीमत कटौती हुई है। उपर्युक्त से यह स्पष्ट है कि घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों का कीमत प्रभाव काफी अधिक रहा है और इससे घरेलू उद्योग पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है।

कीमत में मंदी

53. अत्यधिक कीमत कटौती के अलावा पाटित आयातों से भारतीय बाजार में कीमत में गंभीर मंदी हुई है जैसाकि निम्नलिखित तालिका से स्पष्ट है :-

	2001-02	2002-03	2003-04	जांच अवधि
घरेलू उद्योग की निवल बिक्री वसूली	****	****	****	****
वर्ष दर वर्ष परिवर्तन	-	5.28	8.10	7.93
निर्यात कीमत	80.74	83.91	82.81	80.24
वर्ष दर वर्ष परिवर्तन	-	3.94	(1.32)	(3.10)
आयातित सामग्री का पहुँच मूल्य	97.85	101.70	100.36	97.25
वर्ष दर वर्ष परिवर्तन	-	3.94	(1.32)	(3.10)
कैप्रोलेक्टम की कीमत	56.65	63.62	70.10	89.19
वर्ष दर वर्ष परिवर्तन	-	12.30	10.19	27.23

54. यह नोट किया जाता है कि विचाराधीन उत्पाद की उत्पादन लागत के निर्धारण के लिए कैप्रोलेक्टम महत्वपूर्ण कारक है। कैप्रोलेक्टम की कीमत में किसी परिवर्तन से चाहे यह सकारात्मक अथवा नकारात्मक हो, पूरे विश्व में प्रत्येक उत्पादक पर तत्काल प्रभाव पड़ता है। तदनुसार, कैप्रोलेक्टम की कीमतों परिवर्तन होने से उत्पाद की कीमतों में भी उसी अनुपात में परिवर्तन होना चाहिए। तथापि, घरेलू उद्योग के साथ ऐसा घटित हुआ मालूम नहीं हुआ था जैसाकि उपर्युक्त तालिका से स्पष्ट है। यह देखा जा सकता है कि वर्ष 2002-03 में कैप्रोलेक्टम की कीमतों में पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में 12.3% की वृद्धि हुई है जबकि इसी अवधि में घरेलू उद्योग की कीमतों में 5.28% की वृद्धि हुई। इसी प्रकार वर्ष 2003-04 में कैप्रोलेक्टम की कीमत में फिर से पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में 10.19% की वृद्धि हुई जबकि इसी अवधि में और जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की कीमतों में 8.1% की वृद्धि हुई, कैप्रोलेक्टम की कीमत में फिर से पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में 27.23% की वृद्धि हुई जबकि इसी अवधि में घरेलू उद्योग की कीमतों में 7.93% की वृद्धि हुई। पूर्वोक्त के आधार पर अनंतिम रूप से यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि घरेलू उद्योग कच्ची सामग्री की कीमत में वृद्धि के अनुरूप अपनी कीमत में वृद्धि करने में सक्षम नहीं रहा है जो इस बात के कारण है कि संबद्ध देशों से पाटित आयातों में अत्यधिक वृद्धि हुई है। उपर्युक्त के आधार पर अनंतिम रूप से यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि पाटित आयातों से भारतीय बाजार में कीमत में मंदी आयी है।

उत्पादन में संबद्ध देशों का हिस्सा :

	2001-02	2002-03	2003-04	जांच अवधि
उत्पादन के संबंध में आयात (%)				
चीन	4.51	4.18	7.55	8.05
इंडोनेशिया	4.85	6.13	18.04	16.30
मलेशिया	3.89	5.56	7.58	12.34

थाइलैंड	1.54	3.72	3.22	4.90
कोरिया	3.40	3.79	8.31	10.93
ताईवान	1.28	2.04	3.78	5.89
संबद्ध देश	19.46	25.41	48.49	58.42
अन्य देश	2.81	5.24	10.23	11.66

उपर्युक्त से यह स्पष्ट है कि घरेलू उद्योग के उत्पादन के संबंध में संबद्ध देशों से पाटित आयातों में वृद्धि हुई है।

मांग में बाजार हिस्सा :

55. विचाराधीन अवधि के दौरान भारत में मांग अथवा खपत के संबंध में संबद्ध देशों से पाटित आयातों का हिस्सा निम्नलिखित तालिका में दिया गया है।

	2001-02	2002-03	2003-04	जांच अवधि
भारत में माँग/खपत (मी. टन)	32,662	39,332	47,836	57,035
विभिन्न स्रोतों का हिस्सा(%)				
चीन	2.89	2.59	3.95	3.95
इंडोनेशिया	3.11	3.80	9.44	8.00
मलेशिया	2.50	3.45	3.96	6.06
थाइलैंड	0.99	2.31	1.68	2.40
कोरिया	2.18	2.35	4.35	5.37
ताईवान	0.82	1.27	1.98	2.89
संबद्ध देश	12.49	15.77	25.36	28.67
अन्य देश	1.80	3.25	5.35	5.72

56. उपर्युक्त से यह स्पष्ट है कि संबद्ध देशों से पाटित आयातों ने भारत में विचाराधीन उत्पाद की मांग में अत्यधिक बाजार हिस्से पर कब्जा किया है।

विचाराधीन अवधि के दौरान कीमत में वृद्धि

57. क्षति अवधि में संबद्ध देशों के मूल के आयातों की औसत सीआईएफ कीमतें निम्नानुसार रही हैं :-

	2001-02	2002-03	2003-04	जांच अवधि
औसत निर्यात कीमत				
चीन	72.55	86.85	82.43	82.79
सूचीबद्ध	100.00	119.71	113.62	114.12
इंडोनेशिया	61.02	70.97	82.78	77.71

सूचीबद्ध	100.00	116.32	135.67	127.35
मलेशिया	132.57	107.91	105.78	101.26
सूचीबद्ध	100.00	81.40	79.79	76.38
थाइलैंड	78.90	80.83	65.70	57.53
सूचीबद्ध	100.00	102.44	83.27	72.92
कोरिया	67.05	75.36	74.58	76.66
सूचीबद्ध	100.00	112.39	111.23	114.33
ताइवान	65.23	72.81	70.28	65.21
सूचीबद्ध	100.00	111.63	107.74	99.97
संबद्ध देश	80.74	83.91	82.81	80.24
सूचीबद्ध	100.00	103.94	102.56	99.38
कैप्रोलेक्टम की कीमत	56.65	63.62	70.10	89.19
सूचीबद्ध	100.00	112.30	123.74	157.44
कच्ची सामग्री की कीमत के % के रूप में निर्यात कीमत				
चीन	128.06	136.51	117.59	92.83
इंडोनेशिया	107.71	111.56	118.09	87.13
मलेशिया	234.02	169.62	150.91	113.54
थाइलैंड	139.27	127.04	93.72	64.50
कोरिया	118.36	118.46	106.40	85.95
ताइवान	115.14	114.45	100.25	73.11
संबद्ध देश	142.52	131.90	118.13	89.96

58. यह नोट किया जाता है कि चीन, इंडोनेशिया, मलेशिया, थाइलैंड, कोरिया और ताइवान से सीआईएफ निर्यात कीमत में कच्ची सामग्री की कीमतों के संबंध में गिरावट आयी है। संबद्ध देशों से निर्यात कीमत आधार वर्ष में कच्ची सामग्री की कीमतों का 142% थीं और यह जांच अवधि में घट कर मात्रा 90% हो गई।

घरेलू उद्योग की स्थिति

प्रारंभिक टिप्पणियां

59. भारत में घरेलू उद्योग पर आयातों के प्रभाव की जांच के लिए प्राधिकारी ने उपर्युक्त नियमों के अनुबंध II (iv) के अनुसार घरेलू उद्योग की स्थिति पर प्रभाव डालने वाले सूचकों जैसे उत्पादन, क्षमता उपयोग, बिक्री मात्रा, स्टॉक, लाभप्रदता, निवल बिक्री वसूली, पाटन की मात्रा और मार्जिन आदि पर विचार किया है। यह नोट किया जाता है कि पाटनरोधी शुल्क लगाने हेतु आवेदन पत्र मोदीषॉन फाइबर्स, जेसीटी लि., गुजरात स्टेट फर्टिलाइजर्स कम्पनी लि. और श्री सिंथेटिक्स लि. द्वारा संयुक्त रूप से दाखिल किया गया है। ये उत्पादक सकल भारतीय उत्पादन के एक बड़े हिस्से का उत्पादन करते हैं। अतः आवेदन पत्र में इस शर्त को पूरा किया गया है और नियमों के अर्थ के भीतर याचिकाकर्ता घरेलू उद्योग है। इसलिए निर्दिष्ट प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग की क्षति की जांच की है जैसा कि नियमावली के नियम 11 के अंतर्गत विनिर्दिष्ट किया गया है।

बिक्री मात्रा

60. घरेलू उद्योग की बिक्री मात्रा की बिक्री मात्रा निम्नानुसार रही है :-

	2001-02	2002-03	2003-04	जांच अवधि
घरेलू उद्योग की बिक्रियां (मी. टन)	20,819	24,298	24,781	27,168
सूचीबद्ध	100.00	116.71	119.03	130.50
संबद्ध देशों से आयात (मी. टन)	4,078	6,204	12,131	16,350
सूचीबद्ध	100.00	152.12	297.48	400.94
माँग	32,662	39,332	47,836	57,035
सूचीबद्ध	100.00	120.42	146.46	174.62
पीबीटी	(****)	(****)	(****)	(****)
सूचीबद्ध	-100	-48	-20	-65
संबद्ध देशों से आयात	4,078	6,204	12,131	16,350
माँग में संबद्ध देशों का बाजार हिस्सा	12.49	15.77	25.36	28.67
माँग में घरेलू उद्योग का बाजार हिस्सा	63.74	61.78	51.80	47.63
माँग में भारतीय उद्योग का बाजार हिस्सा	85.71	80.97	69.29	65.61

61. यह देखा जाता है कि घरेलू उद्योग की बिक्री मात्रा में वृद्धि हुई है। इसके साथ-साथ भारत में संबद्ध वस्तुओं की माँग में निरंतर वृद्धि हुई है। बिक्रियों में यह वृद्धि एक नई उत्पादन लाइन की प्रतिबिम्ब भी हो सकती है जिसे देश के भीतर पीएफवाई से एनएफवाई को स्थानांतरित किया जा रहा है और तदनुसार उद्योग ने अपनी पीएफवाई क्षमता को एनएफवाई में अंतरण कर दिया है। तथापि, घरेलू उद्योग इस बड़ी हुई माँग का लाभ प्राप्त करने में सक्षम नहीं रहा है क्योंकि महत्वपूर्ण बाजार हिस्सा संबद्ध देशों से पाटित आयातों द्वारा ले लिया गया है। यह भी जांच की गई है कि क्या खोए हुए बाजार हिस्से पर पाटित आयातों द्वारा अधिकार कर लिया गया है और यह पाया गया है कि अन्य भारतीय उत्पादकों ने भी बाजार के पर्याप्त हिस्से को खो दिया है जैसा कि निम्नलिखित तालिका से स्पष्ट है :-

	2001-02	2002-03	2003-04	जांच अवधि
माँग में बाजार हिस्सा				
घरेलू उद्योग	63.74	61.78	51.80	47.63
अन्य भारतीय उत्पादक	21.97	19.20	17.48	17.98
भारतीय उद्योग	85.71	80.97	69.29	65.61
संबद्ध देश	12.49	15.77	25.36	28.67
अन्य देश	1.80	3.25	5.35	5.72

लाभ

62. घरेलू उद्योग की लाभप्रदता की स्थिति निम्नानुसार रही है :-

	2001-02	2002-03	2003-04	जांच अवधि
रू. प्रति कि.ग्रा. लाभ/हानि	(****)	(****)	(****)	(****)
सूचीबद्ध	-100	-41	-17	-39
घरेलू बिक्रियों पर लाभ/हानि	(****)	(****)	(****)	(****)
सूचीबद्ध	100	123	114	112
ब्याज	905.07	1,113.67	1,038.90	1,020.45
घरेलू उद्योग की बिक्रियों पर ब्याज पूर्व लाभ/हानि	(****)	(****)	****	(****)
सूचीबद्ध	-100	-23	9.64	-30

उपर्युक्त से यह स्पष्ट है कि घरेलू उद्योग के फार्म निष्पादन जिसमें वर्ष 2003-04 में सुधार हो रहा है, में जांच अवधि में फिर से गिरावट आ गई जो भारत में पाटित आयातों में अत्यधिक वृद्धि होने के कारण है। घरेलू उद्योग ने आधार वर्ष में घाटा उठाया है जो अनेक कारकों के कारण हो सकता है जिनमें अन्य बातों के साथ-साथ गुजरात जो विचाराधीन उत्पाद के लिए एक प्रमुख खपत क्षेत्र है, में आयातूफान और भूकम्प शामिल हैं। तथापि, तत्पश्चात घरेलू उद्योग में सुधार मालूम हुआ है। तथापि, संबद्ध देशों से आयात अत्यधिक पाटित कीमतों पर शुरू हुए थे और जिसके परिणामस्वरूप जांच अवधि में घरेलू उद्योग को अत्यधिक घाटा हुआ मालूम होता है।

उत्पादकता

63. घरेलू उद्योग की उत्पादकता निम्नलिखित तालिका में दी गयी है :-

	2001-02	2002-03	2003-04	जांच अवधि
घरेलू उद्योग का कारोबार (लाख)	****	****	****	****
सूचीबद्ध	100	122	134	158
कर्मचारियों की सं.	2,651	2,527	2,787	2,698
प्रति कर्मचारी कारोबार	****	****	****	****
सूचीबद्ध	100	128	127	155
उत्पादन (मी. टन)	20,957	24,410	25,019	27,988
प्रति कर्मचारी उत्पादन	7.91	9.66	8.98	10.38
प्रति दिन उत्पादन (350 दिन)	59.88	69.74	71.48	79.97

उपर्युक्त से यह स्पष्ट है कि घरेलू उद्योग की उत्पादकता में वृद्धि हो रही है। अतः यह मानदंड घरेलू उद्योग की क्षति का कारण नहीं है।

निवेश पर आय

64. निवेशों पर आय (ब्याज पूर्व लाभ) से लाभों की प्रवृत्ति जैसी ही प्रवृत्ति प्रदर्शित होती है जैसा कि निम्नलिखित तालिका से स्पष्ट है :-

	2001-02	2002-03	2003-04	जांच अवधि
रू. प्रति कि.ग्रा. लाभ/हानि	(****)	(****)	(****)	(****)
सूचीबद्ध	-100	-41	-17	-39
घरेलू बिक्रियों पर लाभ/हानि	(****)	(****)	(****)	(****)
सूचीबद्ध	-100	-47	-20	-50
ब्याज	****	****	****	****
सूचीबद्ध	100	123	114	112
घरेलू बिक्रियों पर ब्याज पूर्व लाभ/हानि	(****)	(****)	****	(****)
सूचीबद्ध	-100	-123	9.64	-30
घरेलू उद्योग का एनएफए	****	****	****	****
सूचीबद्ध	100	93	89	94
घरेलू उद्योग की कार्यशील पूंजी	****	****	****	****
सूचीबद्ध	100	99	103	119
लगाई गई पूंजी- एनएफए	****	****	****	****
सूचीबद्ध	100	94	92	99
लगाई गई पूंजी पर आय- एनएफए	(****)	(****)	****	(****)
सूचीबद्ध	-100	-25	10	-30

उपर्युक्त से यह नोट किया जाता है कि लगाई गई पूंजी पर आय, जिसमें पहले सुधार हो रहा था, में जांच अवधि में गिरावट आयी है।

क्षमता, उत्पादन और क्षमता उपयोग

65. घरेलू उद्योग की क्षमता, उत्पादन और क्षमता उपयोग निम्नानुसार रहा है :-

	2001-02	2002-03	2003-04	जांच अवधि
क्षमता	26,140	30,000	35,000	37,500
सूचीबद्ध	100.00	114.77	133.89	143.46
उत्पादन	20,957	24,410	25,019	27,988
सूचीबद्ध	100.00	116.48	119.38	133.55
क्षमता उपयोग	80.17	81.37	71.48	74.64
सूचीबद्ध	100.00	101.49	89.16	93.09
बिक्रियां	20,819	24,298	24,781	27,168

सूचीबद्ध	100.00	116.71	119.03	130.50
मांग	32,662	39,332	47,836	57,035
सूचीबद्ध	100.00	120.42	146.46	174.62

उपर्युक्त से यह स्पष्ट है कि घरेलू उद्योग ने भारत में उत्पाद की मांग की प्रत्याशा में पीएफवाई को एनएफवाई में परिवर्तित करके क्षमता में वृद्धि की है। प्रत्याशा के अनुसार उत्पाद की मांग में सकाशत्मक प्रवृत्ति प्रदर्शित होती है। तथापि, ऐसा मालूम होता है कि घरेलू उद्योग को उत्पादन में कमी करने के लिए बाध्य किया गया है जिसके परिणामस्वरूप प्रत्यक्ष रूप से आयातों में तीव्र वृद्धि के कारण क्षमता उपयोग में कमी आयी है।

घरेलू कीमतों को प्रभावित करने वाले कारक

66. भारतीय बाजार में संबद्ध देश से आयात, कीमतों में हुई कमी और कम कीमतों पर हुई बिक्री के परिणामस्वरूप हुए हैं। संबद्ध देशों से हुए आयातों की पहुँच कीमत घरेलू उद्योग की क्षति रहित कीमत से काफी कम है। यह नोट किया गया है कि संबद्ध देशों के निर्यातकों ने अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर संबद्ध देशों के निर्यातकों ने अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कच्ची सामग्री की कीमतों में वृद्धि होने के कारण अपनी कीमतों में वृद्धि नहीं की है। आगे नोट किया गया है कि नायलॉन फिलामेंट यार्न एक पेट्रोसायनिक उत्पाद है और इसका उत्पादन नायलॉन चिप्स से होता है जो कैप्रोलैक्टम से उत्पादित होता है और कैप्रोलैक्टम बेंजीन से उत्पादित होता है जो कि एक प्रकार का पेट्रोसायनिक उत्पाद है। कैप्रोलैक्टम की कीमतों से पिछले दो वर्षों में पर्याप्त वृद्धि हुई है। कैप्रोलैक्टम की कीमतों में वृद्धि बेंजीन की कीमतों में हुई वृद्धि के कारण है और बेंजीन कीमतों में वृद्धि क्रूड ऑयल कीमतों के कारण हुई है। क्रूड ऑयल कीमत में हुई वृद्धि अंतर्राष्ट्रीय जगत में सुविख्यात है। इसलिए, संभवतः यह प्रतीत नहीं होता है कि संबद्ध देशों के आयातक कैप्रोलैक्टम कीमतों में हुई वृद्धि के कारण प्रभावित हुए हैं। कैप्रोलैक्टम कीमत के प्रतिशत के रूप में आयात कीमतों की निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा भी जांच की गई है, जैसाकि पहले भी पाया गया था निर्यातित कीमत कैप्रोलैक्टम कीमत से 43% अधिक थी जो जांच अवधि के दौरान पर्याप्ततः घटकर कैप्रोलैक्टम कीमत के मात्र 89% हो गई है। इस प्रकार, भारत का निर्यातों के संबंध में निर्यातकों को प्रभावी कीमत प्राप्ति में गिरावट का घरेलू उद्योग पर प्रत्यक्ष प्रतिकूल प्रभाव पड़ा हुआ प्रतीत होता है और आयात की पहुँच कीमत में गिरावट से यह प्रतीत होता है कि इसका प्रति उत्तर घरेलू उद्योग ने कीमत कम करके दिया है जिससे बाजार हिस्सा कम हो गया है। यह नोट किया जाता है कि पाटित आयातों को छोड़कर किसी अन्य कारक से घरेलू उद्योग की कीमत प्रभावित नहीं हुई प्रतीत होती है।

पाटन मार्जिन की मात्रा

67. प्रत्येक संबद्ध देशों के पाटन मार्जिन का निर्धारण किया गया है और उस पर पर्याप्त रूप से विचार किया गया है।

स्टॉक

68. घरेलू उद्योग की स्टॉक स्थिति निम्नानुसार रही है :-

	2001-02	2002-03	2003-04	जांच अवधि
स्टॉक	2,477	2,280	2,201	1,768
सूचीबद्ध	100.00	92.05	88.87	71.37
बिक्री की मात्रा	20,819	24,298	24,781	27,168
बिक्री के प्रतिशत के रूप में स्टॉक	11.90	9.38	8.88	6.51

यह नोट किया गया है कि घरेलू उद्योग की बिक्री मात्रा में वृद्धि हुई है। घरेलू उद्योग मांग में वृद्धि के अनुरूप ही अपनी बिक्रियों को बनाए रखने में प्रयास करते हुए प्रतीत होते हैं जिसके परिणामस्वरूप स्टॉक में कमी हुई है तो यह मानदण्ड घरेलू उद्योग की हुई क्षति का एक कारण नहीं बनता है।

नकदी प्रवाह और नकद लाभ

69. घरेलू उद्योग के सभी संघटक बहु-उत्पाद कंपनियां हैं और इसलिए, समूची कंपनी की नकदी प्रवाह की जांच करना अति उद्देश्यों के लिए उपर्युक्त नहीं हो सकता है। इसलिए, प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग की नकदी लाभ स्थिति की जांच की है जो निम्न सारणी में दी गयी है :-

	2001-02	2002-03	2003-04	जांच अवधि
पीबीटी	****	****	****	****
सूचकांक	-100	-48	-20	-50
मूल्य ह्रास	****	****	****	****
सूचकांक	-100	-90	-94	-106
नकद लाभ	****	****	****	****
सूचकांक	-100	-14.16	38.34	-6.25

उपरोक्त से यह स्पष्ट है कि घरेलू उद्योग की नकद लाभ स्थिति, जो पहले सुधर रही थी, जांच अवधि के दौरान खराब हो गयी है।

रोजगार

70. घरेलू उद्योग का रोजगार स्तर निम्नानुसार रहा है :

	2001-02	2002-03	2003-04	जांच अवधि
कर्मचारियों की संख्या	2,651	2,527	2,787	2,698
सूचीबद्ध	100.00	95.33	105.15	101.76
बिक्री	20,819	24,298	24,781	27,168
प्रति इकाई बिक्री पर कर्मचारी	0.127	0.104	0.112	0.099
उत्पादन	20,957	24,410	25,019	27,988
प्रति इकाई उत्पादन पर कर्मचारी	0.126	0.104	0.111	0.096

घरेलू उद्योग के उपरोक्त दिए गए रोजगार स्तर से यह स्पष्ट है कि इसकी स्थिति कमोबेश स्थिर रही है। यह नोट किया गया है कि घरेलू उद्योग बहु-उत्पाद कंपनियाँ हैं और इसलिए कम्पनी का रोजगार स्तर अपने आप में घरेलू उद्योग को हुई क्षति का एक निर्णायक संकेतक नहीं हो सकता है।

मजदूरी और पूंजी जुटाने की क्षमता

71. घरेलू उद्योग की मजदूरी निम्नानुसार है :-

	2001-02	2002-03	2003-04	जांच अवधि
मजदूरी (लाख रु. में)	****	****	****	****
सूचीबद्ध	100	103	107	114
उत्पादन (एमटी)	20,957	24,410	25,019	27,988
मजदूरी-उत्पादन प्रति यूनिट	15.57	13.8	13.9	13.32

उपरोक्त से यह नोट किया है कि घरेलू उद्योग की मजदूरी में समग्र रूप में वृद्धि हुई है। उसी समय पर घरेलू उद्योग के उत्पादन में वृद्धि हुई है जो प्रति यूनिट उत्पादन पर आई मजदूरी में कमी का परिणामस्वरूप है। इसलिए, यह मानदण्ड घरेलू उद्योग को हुई क्षति का एक कारण नहीं है। आगे, निर्दिष्ट प्राधिकारी के समक्ष ऐसा कोई साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया गया है जिससे इस तथ्य को प्रमाणित किया जा सके कि घरेलू उद्योग द्वारा पूंजी जुटाने की क्षमता के संबंध में अवरोधों का सामना किया गया हो।

वृद्धि

72. वृद्धि के विभिन्न मानदण्डों की स्थिति निम्न सारणी में दी गई है :-

	2001-02	2002-03	2003-04	जांच अवधि
बिक्रियों की तुलना में मांग				
बिक्रियां	100.00	115.94	117.96	129.13
मांग	100.00	120.42	146.46	174.62
मांग की तुलना में उत्पादन				
उत्पादन	100.00	116.48	119.38	133.55
मांग	100.00	120.42	146.46	174.62
मांग की तुलना में आयात				
आयात	100.00	152.12	297.48	400.94
मांग	100.00	120.42	146.46	174.62
कच्ची सामग्री कीमत की तुलना में निर्यात कीमत				
कैप्रोलेक्टम की कीमत	100.00	103.94	102.56	99.38
निर्यात कीमत	100.00	112.30	123.74	157.44
घरेलू उद्योग की बिक्री की तुलना में आयातों की पहुँच कीमत				
बिक्री कीमत	100.00	105.28	113.81	122.84
पहुँच कीमत	100.00	103.94	102.56	99.38
कारोबार की तुलना में लाभ				
पीबीटी	(100.00)	(47.64)	(20.31)	(50.44)
बिक्री मूल्य	100.00	122.07	134.24	158.62
घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से की तुलना में संबद्ध देशों का बाजार हिस्सा				
मांग में घरेलू उद्योग का बाजार हिस्सा	63.74	61.78	51.80	47.63
मांग में वस्तु देशों का बाजार हिस्सा	12.49	15.77	25.36	28.67
भारतीय उद्योग को बाजार हिस्सा की तुलना में संबद्ध देशों का बाजार हिस्सा				
मांग में भारतीय उद्योग का बाजार हिस्सा	85.71	80.97	69.29	65.61
मांग में संबद्ध देशों का बाजार हिस्सा	12.49	15.77	25.36	28.67
उत्पादकता की तुलना में लाभ				
उत्पादकता	100.00	122.18	113.54	131.24
लाभ	(100.00)	(47.64)	(20.31)	(64.78)

उपरोक्त सारणी यह दर्शाती है कि अधिकांश क्षति मानदंड जांच अवधि के दौरान प्रभावित हुए हैं और इन्होंने नकारात्मक वृद्धि दर्शाई है।

अन्य हितबद्ध पार्टियों के तर्क और प्राधिकारी द्वारा उनकी जांच

73(i) मैसर्स एफआइएसडब्ल्यूआई एवं अन्य द्वारा दिए गए तर्कों के संबंध में यह नोट किया गया है कि नियम 6 के तहत उपभोक्ताओं की एसोसिएशन को इस बात की स्वीकृति दी गयी है कि वे उन सूचनाओं को मुहैया कराएं जो पाटन, क्षति एवं कारणात्मकता से संबंधित जांच के संगत हों। यद्यपि यह नोट किया गया है कि पाटनरोधी शुल्क लगाने संबंधी विरोधी तर्कों को छोड़कर एसोसिएशन ने कोई सूचना प्रस्तुत नहीं की है जो पाटन, क्षति और कारणात्मकता से संबंधित जांच के लिए संगत हो। न ही एसोसिएशन के सदस्यों ने संगत सूचना दायर की है। पाटनरोधी शुल्क न लगाने के संबंध में किए गए अधिकांश अनुरोध केवल ऐसे वक्तव्य हैं जो संगत साक्ष्य के साथ मेल नहीं खाते हैं। परिणामस्वरूप, प्राधिकारी एसोसिएशन द्वारा किए गए दावों/अनुरोधों की सत्यता की जांच करने में असफल रहे हैं।

(ii) आवेदकों द्वारा दावा की गई गोपनीयता के संबंध में यह नोट किया गया है कि याचिकाकर्ताओं ने सूचना की गोपनीयता रखने वाले दावों के लिए विस्तृत ब्यौरा प्रस्तुत किया है। प्राधिकारी याचिकाकर्ता द्वारा किए गए गोपनीयता के दावों की जांच करते हैं और इससे सहमत हुए हैं।

(iii) प्राधिकारी नोट करते हैं कि आईबीआईएस सूचना याचिकाकर्ताओं को चुनिंदा रूप से उपलब्ध नहीं है। यद्यपि आईबीआईएस ने गोपनीय आधार पर याचिकाकर्ताओं को सूचना उपलब्ध कराई है।

तथापि, एसोसिएशन के लिए आईबीआईएस से सूचना स्वतंत्र रूप से प्राप्त करने और अपने तर्क देने की छूट थी। आयातों की मात्रा के संबंध में याचिकाकर्ताओं के दावे का खण्डन करते हुए प्राधिकारी नोट करते हैं कि एसोसिएशन ने एएसएफए द्वारा प्रकाशित सूचना पर भरोसा करने को तरजीह दी है जबकि एसोसिएशन को यह छूट थी कि वह प्राधिकारी को संगत सूचना उपलब्ध कराने के लिए अपने सदस्यों को निर्देश देकर सूचना एकत्र करें। किसी भी स्थिति में अनंतिम जांच परिणामों में विचार किए गए सौदेवार- आयात के विवरणों को सभी हितबद्ध पार्टियों के लाभार्थ सार्वजनिक फाइल में रखा गया है।

क्षति के बारे में निष्कर्ष

74. संबद्ध देशों से पाटित आयातों की मात्रा में समग्र रूप से और भारत में संबद्ध वस्तु की कुल मांग की तुलना में भी पर्याप्त वृद्धि हुई है। इन आयातों में 2001-02 से जांच अवधि तक पर्याप्त वृद्धि हुई है और इनका पाटित आयातों के कारण कीमत पर भारी प्रभाव पड़ा है जिसके परिणामस्वरूप कीमत ह्रास एवं कीमत कटौती हुई है। वस्तुतः घरेलू उद्योग की कीमतों में ह्रास संबद्ध देशों से पाटित आयातों के कारण हुआ है। जांच अवधि के लिए संबद्ध देशों से कीमत कटौती के मार्जिन का निर्धारण किया गया है जिसके काफी अधिक माना गया है। यद्यपि क्षति अवधि के दौरान बिक्री मात्रा में समग्र रूप में वृद्धि हुई है तथापि घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में भारी गिरावट आई है। जांच अवधि में मापदण्डों अर्थात् उत्पादन (मांग की तुलना में 41% की कमी), बिक्री मात्रा (मांग की तुलना में 45% की कमी), क्षमता उपयोग (इष्टतम से 23% से कम) सतत वित्तीय घाटे (जांच अवधि में घाटे में पुनः वृद्धि), वित्तीय घाटों में आगे और कमी, मांग में बाजार हिस्से में

गिरावट (16.11%), सकारात्मक कीमत कटौती, लगाई गई पूंजी पर नकारात्मक आय, अत्यधिक पाटन मार्जिन के संबंध में इष्टतम से कम वृद्धि अनेक मापदण्डों के संबंध में नकारात्मक वृद्धि से क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के निष्पादन में भारी गिरावट का पता चलता है। रोजगार एवं मजदूरी जैसे मापदण्डों से क्षति का पता नहीं चलता है। तथापि, ऐसे याचिकाकर्ता कंपनी की प्रकृति के संदर्भ में देखना होगा (याचिकाकर्ता जनशक्ति को काम पर लगाना और उससे रात भर काम लेना संभव नहीं हो सकता है)। उपर्युक्त विश्लेषण के आधार पर अनंतिम रूप से यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है।

ज. कारणात्मक संबंध

(क) प्रस्तावना

75. घरेलू उद्योग को हुई क्षति के कारण के संबंध में अपने निष्कर्ष पर पहुँचने और पाटनरोधी करार के अनुच्छेद 3.5 तथा यथा- संशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम के नियम 11 के अधीन अनुबंध- II के पैरा (4) के अनुसार प्राधिकारी ने सभी ज्ञात कारकों के प्रभाव और उक्त उद्योग में स्थिति पर उनके परिणामों की जांच की। घरेलू उद्योग को उसी समय क्षति पहुँचा सकने वाले पाटित आयातों से भिन्न ज्ञात कारकों की भी जांच की गई थी ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि इन अन्य कारकों द्वारा हुई संभावित क्षति पाटित आयातों के कारण नहीं हुई है।

(ख) पाटित आयातों का प्रभाव

(1) पाटित आयातों की मात्रा में अत्यधिक वृद्धि के परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में पर्याप्त गिरावट आई है। संबद्ध आयातों के बाजार हिस्से में वृद्धि के परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में आई गिरावट से घरेलू उद्योग बाजार में मांग में हुई वृद्धि के अनुरूप अपनी बिक्री नहीं बढ़ा सका है। परिणामस्वरूप, घरेलू उद्योग की बिक्रियां इतनी नहीं बढ़ी ताकि घरेलू उद्योग अपनी क्षमता का इष्टतम उपयोग कर सके। परिणामतः घरेलू उद्योग के उत्पादन, बिक्री और क्षमता उपयोग में वृद्धि घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में आई गिरावट के कारण बाधित हुई।

(2) घरेलू उद्योग द्वारा कीमत में की गई अत्यधिक कटौती से घरेलू उद्योग निविष्टि लागत में हुई वृद्धि की सीमा तक अपनी कीमतें नहीं बढ़ा सका। परिणामतः लागातर सुधार प्रदर्शित करने के बाद घरेलू उद्योग के लाभ, नकदी प्रवाह तथा निवेश पर आय में कमी आ गई। यद्यपि घरेलू उद्योग 2000-01 और 2003-04 की अवधि के बीच अपनी कीमतों में पर्याप्त वृद्धि करने और पिछली क्षति से उभरने में समर्थ था तथापि, कीमत में वृद्धि करने में घरेलू उद्योग की असमर्थता के कारण 2003-04 की तुलना में जांच अवधि में घरेलू उद्योग का निष्पादन पुनः खराब हो गया। अतः यह पाया गया है कि आयातों के कारण घरेलू उद्योग कीमत में विधि सम्मत वृद्धि करने में वंचित हुआ है।

(3) कीमत में अत्यधिक कटौती और पाटित आयातों की मात्रा में पर्याप्त वृद्धि से घरेलू उद्योग विगत में विभिन्न कारकों से हुई क्षति से उभरने में अक्षम रहा। वस्तुतः पर्याप्त सुधार होने के बाद लाभ, नकदी प्रवाह निवेश पर आय के संबंध में घरेलू उद्योग का निष्पादन पुनः खराब हो गया।

अन्य कारकों का प्रभाव

(ग) घरेलू उत्पादकों का निष्पादन

76. आवेदक के अलावा विचाराधीन अवधि के दौरान संबद्ध वस्तु के अन्य घरेलू उत्पादक थे। यद्यपि उन्होंने निर्यातक प्रश्नावली के प्रपत्र में और ढंग से सूचना प्रस्तुत नहीं की है तथापि प्राधिकारी के समक्ष उपलब्ध कराई गई सीमित सूचना की जांच से यह अनंतिम निष्कर्ष सूचना निकाला जा सकता है कि जांच अवधि के दौरान उन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है और उनके प्रचालन निष्पादन में कमी आई है।

(घ) मांग में कमी अथवा खपत की पद्धति में परिवर्तन

77. प्राधिकारी नोट करते हैं कि विचाराधीन अवधि के दौरान समग्र मांग में कोई कमी नहीं आई है। इसके विपरीत क्षति अवधि के दौरान समग्र मांग में पर्याप्त वृद्धि हुई है। प्राधिकारी यह अनंतिम निष्कर्ष भी निकालते हैं कि खपत की पद्धति में कोई प्रत्यक्ष परिवर्तन नहीं हुआ है।

(ङ.) पाटित कीमतों पर न बेचे गए आयातों की मात्रा एवं कीमत

78. उपलब्ध सूचना के अनुसार संबद्ध देशों से भिन्न देशों के मूल के संबंधित उत्पाद के आयात की कुल मात्रा न्यूनतम से कम हैं और इसलिए उन्हें अनंतिम रूप से घरेलू उद्योग पर कोई प्रभाव न डालने वाला माना गया है।

(च) विदेशी एवं घरेलू उत्पादकों के बीच व्यापार प्रतिबंधात्मक पद्धतियां एवं प्रतिस्पर्धा

79. प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध वस्तु का एक मात्र ऐसा बाजार है जहां संबद्ध देशों से पाटित आयात घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तु से सीधी प्रतिस्पर्धा करते हैं। प्राधिकारी आगे नोट करते हैं कि आयातित उत्पाद की बिक्री घरेलू रूप से उत्पादित संबद्ध वस्तु के समान वाणिज्यिक ग्रेडों और विनिर्देशनों को पूरा करने के लिए की जाती है। आगे यह नोट किया जाता है कि आयातित संबद्ध वस्तु और घरेलू रूप से उत्पादित वस्तु सामान वस्तुएं हैं और इन्हें एक समान अनुप्रयोगों/अंतिम प्रयोगों में उपयोग में लाया जाता है।

(छ) घरेलू उद्योग के प्रौद्योगिकी, निर्यात निष्पादन और उत्पादकता में सुधार

80. याचिकाकर्ता के रिकार्डों की जांच के आधार पर प्राधिकारी अनंतिम रूप से यह मानते हैं कि घरेलू उद्योग की क्षति हुई प्रौद्योगिकी में सुधार संगत कारक नहीं रहा है।

81. घरेलू उद्योग के निर्यात निष्पादन के संबंध में प्राधिकारी नोट करते हैं कि यद्यपि विचाराधीन अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के निर्यातों में सुधार हुआ है तथापि ये घरेलू उद्योग की कुल बिक्री का अभी भी कोई खास हिस्सा नहीं है। आगे यह नोट किया जाता है कि विभिन्न आर्थिक संकेतकों के संबंध में अलग-अलग निष्पादन का निर्धारण केवल घरेलू बिक्री के बारे में किया गया

है। अतः प्राधिकारी अनंतिम रूप से यह मानते हैं कि घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति घरेलू उद्योग के निर्यात निष्पादन के कारण नहीं हो सकती है।

82. जहाँ तक उत्पादकता में सुधार का संबंध है प्राधिकारी जोअ करते हैं कि विचाराधीन अवधि के दौरान नियोजित प्रति व्यक्ति के प्रति वर्ष उत्पादन जैसे उत्पादकता संबंधी उपायों में क्षति अवधि के दौरान सुधार हुआ है। जांच के आधार पर प्राधिकारी अनंतिम रूप से यह मानते हुए कि उत्पादकता के कारण घरेलू उद्योग को क्षति नहीं हुई है।

ज. कारणात्मक संबंध पर निष्कर्ष

83. पाटित आयातों की मात्रा में पर्याप्त वृद्धि के परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग के परिणाम हिस्से में गिरावट आई है। आगे यह देखा जाता है कि संबद्ध आयातों के बाजार हिस्से में वृद्धि के परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में आई गिरावट के कारण घरेलू उद्योग बाजार मांग के अनुरूप अपनी बिक्री नहीं बढ़ा सका। परिणामतः घरेलू उद्योग की बिक्री उतनी मात्रा तक नहीं बढ़ सकी जिससे कि घरेलू उद्योग अपनी क्षमता का इष्टतम उपयोग कर सके। परिणामतः घरेलू घरेलू उद्योग के उत्पादन, बिक्री और क्षमता उपयोग में वृद्धि घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में गिरावट के कारण प्रभावित हुई। घरेलू उद्योग द्वारा कीमत में की गई अत्यधिक कटौती से घरेलू उद्योग निविष्टि लागत में हुई वृद्धि की सीमा तक अपनी कीमतें नहीं बढ़ा सका। परिणामतः घरेलू उद्योग का लाभ, नकदी प्रवाह और निवेश पर आय में लगातार सुधार प्रदर्शित करने के बाद कमी आ गई। अत्यधिक कीमत कटौती तथा पाटित आयातों की मात्रा में भारी वृद्धि से घरेलू उद्योग का निष्पादन पर्याप्त सुधार प्रदर्शित करने के बाद पुनः कम हो गई।

84. अतः अनंतिम रूप से यह निष्कर्ष निकाला जाता है कि पाटनरोधी नियमावली के नियम 11 और पाटनरोधी करार के अनुच्छेद 3.5 के अर्थ के भीतर संबद्ध देशों के मूल के पाटित आयातों से घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है।

(झ) भारतीय उद्योग का हित

85. पाटनरोधी शुल्क लगाने का उद्देश्य सामान्य तौर पर ऐसे पाटन को समाप्त करना है जिससे भारतीय उद्योग को क्षति हो रही है तथा भारतीय बाजार में ऐसी खुली एवं उचित प्रतिस्पर्धा की पुनःस्थिति लाना है जोकि देश के सामान्य हित में है।

86. प्राधिकारी यह मानते हैं कि पाटनरोधी शुल्क लगाने से संबद्ध वस्तुओं के उपयोग से विनिर्मित उत्पादों के कीमत स्तर प्रभावित होंगे और परिणामस्वरूप इन उत्पादों की तुलनात्मक प्रतिस्पर्धात्मकता पर प्रभाव पड़ सकता है। किन्तु पाटनरोधी उपायों से भारतीय बाजार में उचित प्रतिस्पर्धा कम नहीं होगी। इसके विपरीत पाटनरोधी उपायों को लागू करने से पाटन द्वारा प्राप्त हुए अनुचित लाभ समाप्त होंगे, भारतीय उद्योग का ह्रास रूकेगा और उपभोक्ताओं के लिए व्यापक विकल्प उपलब्ध रखने में मदद मिलेगी।

87. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि पाटनरोधी उपायों को लागू करने से संबद्ध देशों से आयात किसी भी प्रकार कम नहीं होंगे और इस प्रकार उपभोक्ताओं के लिए उत्पाद की उपलब्धता पर कोई असर नहीं पड़ेगा। उपभोक्ता तब भी दो अथवा उससे अधिक आपूर्ति स्रोतों को बनाए रख सकते हैं।

(अ) निष्कर्ष

88. प्राधिकारी पूर्वोक्त पर विचार करने के पश्चात इस निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि :-

(क) संबद्ध देशों से भारत का संबद्ध वस्तु का निर्यात उसके सामान्य मूल्य से कम कीमत पर किया गया है;

(ख) भारतीय उद्योग को इससे वास्तविक क्षति हुई है;

(ग) संबद्ध देशों से होने वाले पाटित आयातों द्वारा संचयी क्षति हुई है।

89. प्राधिकारी अंतिम निर्धारण होने तक संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के सभी आयातों पर अनंतिम रूप से पाटनरोधी शुल्क लगाना आवश्यक समझते हैं ताकि घरेलू उद्योग की क्षति को दूर किया जा सके। प्राधिकारी द्वारा निर्धारित पाटन मार्जिन उपरोक्त पैराग्राफों में दर्शाया गया है। प्राधिकारी पाटन मार्जिन के बराबर या उससे कम पाटनरोधी शुल्क की राशि की सिफारिश करने का प्रस्ताव करते हैं जिसे यदि लगाया जाता है तो उससे घरेलू उद्योग को हुई क्षति समाप्त हो जाएगी। क्षति का निर्धारण करने के प्रयोजनार्थ आयातों के पहुंच मूल्य की तुलना जांच अवधि के लिए निर्धारित याधिकाकर्ता कंपनी की क्षति रहित कीमत के साथ करने का प्रस्ताव है।

90. तदनुसार, प्राधिकारी सिफारिश करते हैं कि अंतिम निर्धारण होने तक संबद्ध देशों के मूल से या वहाँ से निर्यातित सीमाशुल्क शीर्ष 54 के अंतर्गत आने वाले नॉयलान फिलामेंट के आयातों पर केन्द्रीय सरकार द्वारा इस संबंध में जारी की जाने वाली अधिसूचना की तिथि से अनंतिम पाटनरोधी शुल्क लगाया जाए। इस प्रयोजनार्थ आयातों का पहुंच मूल्य सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 के अधीन सीमाशुल्क विभाग द्वारा यथानिर्धारित आकलनीय मूल्य होगा और उसमें सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 की धारा 3, 3क, 8ख, 9 तथा 9क के अधीन लगाए गए शुल्कों को छोड़कर सभी सीमाशुल्क शामिल होंगे। नीचे उल्लिखित देशों के मूल के या वहाँ से निर्यातित सीमाशुल्क टैरिफ के अध्याय के अंतर्गत आने वाले वाली संबद्ध वस्तु के सभी आयातों पर केन्द्रीय सरकार द्वारा इस संबंध में जारी की जाने वाली अधिसूचना की तारीख से लगाया जाने वाला पाटनरोधी शुल्क निम्नलिखित सारणी के कालम 9 में उल्लिखित राशि तथा प्रति कि.ग्रा. आयातों के पहुंच मूल्य के बीच का अंतर होगा :-

सारणी										
क्र. सं.	उप-विषय या टैरिफ मदें	वस्तुओं का विवरण	विनिर्देशन	उद्गम का देश	निर्यात देश	उत्पादक	निर्यातक	राशि	माप की यूनिट	मुद्रा
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
1	54	नायलॉन फिलामेंट यार्न	* नीचे यथा उल्लिखित	कोई	चीन जन. गण.	मै. जिनान जुडा	मै. जिनान जुडा	3.82	कि.ग्रा.	अम. डालर
2	54	नायलॉन फिलामेंट यार्न	* नीचे यथा उल्लिखित	कोई	चीन जन. गण.	मै. जिनान जुडा के अलावा कोई	मै. जिनान जुडा के अलावा कोई	3.82	कि.ग्रा.	अम. डालर
3	54	नायलॉन फिलामेंट यार्न	* नीचे यथा उल्लिखित	कोई	चीनी ताइपेई	सन्टैक्स फाईबर कं. लि.	सन्टैक्स फाईबर कं. लि.	3.82	कि.ग्रा.	अम. डालर
4	54	नायलॉन फिलामेंट यार्न	* नीचे यथा उल्लिखित	कोई	चीनी ताइपेई	लिपेंग इंटरप्राइज कं. लि.	लिपेंग इंटरप्राइज कं. लि.	3.65	कि.ग्रा.	अम. डालर
5	54	नायलॉन फिलामेंट यार्न	* नीचे यथा उल्लिखित	कोई	चीनी ताइपेई	मै. सन्टैक्स फाईबर कं. लि. और लिपेंग इंटरप्राइज कं. लि. के अलावा कोई	मै. सन्टैक्स फाईबर कं. लि. और लिपेंग इंटरप्राइज कं. लि. के अलावा कोई	3.82	कि.ग्रा.	अम. डालर
6	54	नायलॉन फिलामेंट यार्न	* नीचे यथा उल्लिखित	कोई	इंडोनेशिया	कोई	कोई	3.82	कि.ग्रा.	अम. डालर
7	54	नायलॉन फिलामेंट यार्न	* नीचे यथा उल्लिखित	कोई	मलेशिया	हुआलोन कार्पो.	हुआलोन कार्पो.	3.82	कि.ग्रा.	अम. डालर
8	54	नायलॉन फिलामेंट यार्न	* नीचे यथा उल्लिखित	कोई	मलेशिया	उपर्युक्त के अलावा कोई	उपर्युक्त के अलावा कोई	3.82	कि.ग्रा.	अम. डालर
9	54	नायलॉन फिलामेंट यार्न	* नीचे यथा उल्लिखित	कोई	थाइलैंड	एशिया फाईबर पब्लिक कं. लि.	एशिया फाईबर पब्लिक कं. लि.	3.82	कि.ग्रा.	अम. डालर
10	54	नायलॉन फिलामेंट यार्न	* नीचे यथा उल्लिखित	कोई	थाइलैंड	मै. थाई टफेटा	मै. थाई टफेटा	3.82	कि.ग्रा.	अम. डालर

11	54	नायलॉन फिलामेंट यार्न	* नीचे यथा उल्लिखित	कोई	थाईलैंड	मै. थाई टफेटा एवं मै. एशिया फाईबर के अलावा कोई	मै. थाई टफेटा एवं मै. एशिया फाईबर के अलावा कोई	3.82	कि.ग्रा.	अम. डालर
12	54	नायलॉन फिलामेंट यार्न	* नीचे यथा उल्लिखित	कोई	कोरिया	टेकवांग इंडस्ट्रियल कं. लि.	टेकवांग इंडस्ट्रियल कं. लि.	3.82	कि.ग्रा.	अम. डालर
13	54	नायलॉन फिलामेंट यार्न	* नीचे यथा उल्लिखित	कोई	कोरिया	होसंग कार्पोरेशन	होसंग कार्पोरेशन	3.82	कि.ग्रा.	अम. डालर
14	54	नायलॉन फिलामेंट यार्न	* नीचे यथा उल्लिखित	कोई	कोरिया	मै. टेकवांग इंडस्ट्रियल कं. लि. एवं मै. होसंग कार्पोरेशन के अलावा कोई	मै. टेकवांग इंडस्ट्रियल कं. लि. एवं मै. होसंग कार्पोरेशन के अलावा कोई	3.82	कि.ग्रा.	अम. डालर
15	54	नायलॉन फिलामेंट यार्न	* नीचे यथा उल्लिखित	चीन जन. गण., चीनी ताईपेई मलेशिया इंडोनेशिया थाईलैंड और कोरिया गण.	चीन जन. गण., चीनी ताईपेई मलेशिया इंडोनेशिया थाईलैंड और कोरिया गण. को छोड़कर कोई देश	कोई	कोई	3.82	कि.ग्रा.	अम. डालर

* नायलॉन या अन्य पॉलीएमाइड्स के 67 डेसीटैक्स से कम के सिंथेटिक मोनो फिलामेंट सहित सिंथेटिक फिलामेंट यार्न जिसमें नायलॉन के फिशनेट सहित नायलॉन की उच्च अध्यवसाय यार्न के नायलॉन शामिल नहीं है।

(ट) आगे की प्रक्रिया

91. प्रारंभिक जांच परिणामों को अधिसूचित करने के बाद निम्नलिखित प्रक्रिया अपनाई जाएगी :

(क) प्राधिकारी सभी हितबद्ध पक्षों से इन जांच परिणामों पर टिप्पणियां आमंत्रित करेंगे और उन पर अंतिम जांच परिणामों में विचार किया जाएगा;

(ख) प्राधिकारी द्वारा ज्ञात निर्यातकों, आयातकों, याचिकाकर्ता तथा अन्य हितबद्ध पक्षों को अलग से लिखा जा रहा है जो प्रारंभिक जांच परिणामों की तारीख से 40 दिनों के भीतर अपने विचार प्रस्तुत कर सकते हैं। कोई अन्य हितबद्ध पक्ष भी अपने विचार इन जांच परिणामों के प्रकाशन की तारीख से 40 दिनों के भीतर प्रस्तुत कर सकता है।

- (ग) प्राधिकारी आवश्यक समझी गई सीमा तक आगे सत्यापन करेंगे ।
- (घ) प्राधिकारी अंतिम जांच परिणामों की घोषणा करने से पहले आवश्यक तथ्यों को प्रकट करेंगे।

क्रिस्टी फेर्नान्डेज, अपर सचिव एवं निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY
(Department of Commerce)
(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)
NOTIFICATION

New Delhi, the 3rd February, 2006

PRELIMINARY FINDINGS

Sub :—Anti-Dumping Investigation concerning imports of Nylon Filament yarn originating in or exported from China PR, Chinese Taipei, Malaysia, Indonesia, Thailand and Korea RP.

No. 14/5/2005-DGAD - Having regard to the Customs Tariff Act, 1975 as amended in 1995 and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules (hereinafter also referred as rules), 1995, thereof;

A. PROCEDURE:

1. The procedure described below has been followed:-

(i) On 4th July 2005, the Designated Authority (hereinafter referred to as Authority), under the above Rules, announced a public notice (initiation notification) publicised in the Gazette of India, the initiation of an anti dumping investigation with regard to imports of Nylon filament yarn originating in or exported from China PR, Chinese Taipei, Malaysia, Indonesia, Thailand and Korea RP (hereinafter also referred to as subject countries hereinafter). The Anti dumping proceeding was initiated following an application received from M/s. Modipon Limited, Modinagar, JCT Limited, Hoshiarpur, Shree Synthetics Limited, Ujjain and Gujarat State Fertilizers Company Limited, Vadodara (the applicants) on behalf of the domestic industry representing a major proportion of the domestic production of said product. The application contained evidence of dumping of the said product and of material

injury resulting there from, which was considered sufficient to justify the initiation of the proceedings.

(ii) Before initiation, the Authority notified the Embassies of subject countries in India about the receipt of fully documented application made by the applicant before proceeding to initiate the investigation in accordance with sub-rule (5) of Rule 5 supra;

(iii) According to sub rule (2) of the rule 6 supra, the Authority forwarded copy of the said public notice to the known exporting producers, importers, industry associations, embassies of the countries concerned and to the applicants and gave them an opportunity to make their views known in writing.

(iv) According to sub-rule (3) of Rule 6 supra, the Authority provided a copy of the application to all the known exporters and Embassies of subject countries in India. According to sub-rule (4) of Rule 6 supra, the Authority provided a copy of the relevant questionnaire to all the known exporters and Embassies of subject countries in India and other interested parties. The Embassies of subject countries in New Delhi were also informed about the initiation of investigation and requested to advise the exporters/producers from their countries to respond to the questionnaire within the prescribed time

(v) The Authority sent questionnaires, to elicit relevant information, to the following known exporters from subject countries.

Indonesia:

P.T Kolon Ina.
Indonesia

PT GT Petrochem Industries TBK
Jakarta Indonesia

P T Evershineetex
INDONESIA 10250

PT. Gema Nusa Perkasa
Indonesia

P.T. Toray Industries Indonesia (TIN)
61-62, Jakarta 12069,
Indonesia

Shinta Nylon Utama.,

Indonesia

THAILAND

Siam Tyre Cord Co., Ltd.
Thailand

Thai Baroda Industries Limited
THAILAND

Asia Fiber Public Company Ltd.
Bangkok
Thailand

Thai Taffeta Company Ltd
Bangkok , 10110 Thailand

CHINA, PR

Kolon Corporation
Beijing, China

Kolon Nanjing Co., Ltd.
Jiangsu Province, China

Xiamen TongLun Industrial Co., Ltd.
Xiamen, 361100
China

Wu Jiang Heng Yu Textile Co., Ltd,
Jiangsu province,
China

Jinan Juda Fiber Co Ltd,
Jinan Shandong, 250100-
China

Guangdong Xinhui Meida Nylon Co. Ltd;
Guangdong 529100
CHINA

SHANDONG DACHENG CHEMICAL INDUSTRY GROUP
CO.,LTD
26 ZIBO SHANDONG
CHINA

BASF-Huayuan Nylon Co.,Ltd.
China

Qingdao Zhongtai Group Company
China

Gaoyao Huajin Group Co., Ltd
Guangdong,
China

TAIWAN

FORMOSA Company Limited
640 TAIWAN R.O.C

Acelon Chemicals & Fiber Corporation
Taiwan

CHUNG SHING TEXTILE CO.,LTD
Taiwan

ZIG SHENG INDUSTRIAL CO., LTD
TAIPEI , TAIWAN

FU-TA TEXTILE CO., LTD.
Taichung Hsien Taiwan

MALAYSIA

Hualon Corporation
Malaysia 50200

KOREA RP

Hyosung Corporation
Seoul, 100-110, South Korea

Kohap Corporation
Korea RP

Kolon Industries
Korea RP

(vi) Eight exporters/producers have responded to the exporter's questionnaire in a substantial manner and notice of initiation:

1. M/s. Jinan Juda Fiber Co Ltd,
Jinan Shandong, 250100-
China PR
2. M/s. TKI, Korea RP
3. HYOSUNG Corporation, Korea RP.
4. Hualon Corporation
Malaysia 50200
5. M/s. Suntex, Taiwan
6. M/s. Li Peng Enterprise Co., Taiwan
7. M/s. Asia Fibres
Thailand
8. M/s. Thai Taffeta Company Ltd
Bangkok ,10110 Thailand

In addition to above, M/s. Kolon Industries, Korea and M/s. Thai Synthetic Fiber Manufacturers Association, Thailand, have also submitted responses to the notice of initiation.

(vii) A copy of initiation notification along with the importers questionnaire were also sent to the various importers which were listed in the application. However, response in the form and manner of importers questionnaire has been received only from M/s Sky Industries, Mumbai and M/s Spica elastic private Ltd, Pune.

(viii) None of the other importers have also responded to the importers questionnaire as per the details asked. However, a few importers and users association namely Federation of Indian art Silk Weaving Industry, Mumbai (FIASWI) have responded to the initiation notification and they have submitted some comments,

which have been taken into account subject to their being relevant to the investigation.

(ix) The Authority kept available non-confidential version of the evidence presented by various interested parties in the form of a public file maintained by the Authority and kept open for inspection by the interested parties;

(x) **** in this notification represents information furnished by the interested parties on confidential basis and so considered by the Authority under the Rules;

(xi) The investigation of dumping and injury covered the period from 1st January 2004 to 31st December 2004 (Also called the period of investigation or POI). The examination of trends in the context of injury analysis covered the period from 1st April 2001 to the end of period of investigation. (Also called Injury period).

(xii) The Authority sought and verified all the information it deemed necessary for the purpose of preliminary determination of dumping and resulting injury. The Authority conducted on the spot investigation of the domestic industry to the extent considered necessary. The cost of the production of the domestic industry was also analysed to work out the best cost of the production and the cost to make and sell the subject goods in India on the basis of Generally Accepted Accounting Principles based on the information furnished by the applicants so as to ascertain if anti Dumping duty lower than dumping margin would be sufficient to remove injury to the domestic Industry.

(xiii) Copies of initiation notice were also sent to FICCI, CII, ASSOCHAM etc., for wider circulation.

B. Product under Consideration.

2. The product under consideration in the present investigation is Synthetic Filament Yarn of Nylon also known as Polyamide Yarns (also described as Nylon Filament Yarn and also referred to as subject goods). Nylon Filament Yarn is a synthetic filament yarn produced by polymerization of organic monomers.

3. The product under consideration includes all kinds of synthetic filament yarns of Nylon or Polyamides, other than sewing thread, such as flat yarn - twisted and/or untwisted, fully drawn yarn (FDY), spin drawn yarn (SDY), fully oriented yarn (FOY), high oriented yarn (HOY), partially oriented yarn (POY), textured yarn – twisted and/or untwisted, and dyed yarn, single, double, multiple, folded or cabled, classifiable within Chapter 54 under customs

subheading no. 5402, but excludes high tenacity yarn of nylon or other polyamides. The product includes all variants of Nylon Filament Yarn or Polyamide Yarns such as flat/textured/twisted/untwisted, bright/semi-dull/full-dull (or variants thereof), grey/coloured/dyed (or variants thereof), single/double/multiple/folded/cabled (or variants thereof), whether or not sized, but excludes high tenacity yarn of nylon classifiable under customs sub-heading 5402.10. The Authority considers it appropriate to exclude fishnet yarn, classifiable under customs classification no. 5402.10 beyond the scope of the subject goods, as they are high tenacity yarns. Accordingly, all types of high tenacity nylon filament yarn, classifiable under customs classification no. 5402.10 are beyond the scope of present investigations pending further investigations. The Customs classification, however, is indicative only and is in no way binding on the scope of the present investigation. With regard to the claim of the association (FIASWI) that some type of yarns are not produced in India, the Authority notes that all yarns of high tenacity as such are beyond the scope of the product under consideration. With regard to a number of other yarns, the association has not established that these are different than others in terms of their essential product properties, plant & equipment, technology, production process, functions & uses, pricing, customs classification. The Authority is therefore unable to conclude that these types are required to be excluded.

4. Nylon filament yarn has vast applications in textiles applications, which includes saree, dupatta, women's dress material / fashion wear, fancy causal knit wear, stockings and stocks, intimate wear and foundation wear, lingerie and night wear, briefs, panties, slips, kids wear, sports wear and active wear, swim wear and beach wear, outer wear, wind wear, fashion accessories, elastic tapes, show/footwear linings, laces/fancy tapes, tie/scarves, feather yarn, ribbons/satin ribbons, etc. With regards to the observations made by some of the interested parties not to take into account of Nylon filament Yarn made from Nylon 66 because of its allegedly different characteristics, the Authority has considered all relevant information made available by interested parties with regard to whether or not nylon 6 and nylon 66 are one like products and notes that nylon 66 has been rightly included within the scope of product under consideration. The Authority provisionally holds nylon 6 and 66 as one like product, pending further investigations, considering parameters such as physical and chemical properties, technology, manufacturing process, raw materials, functions and uses, tariff classifications etc. It is noted that none of the interested parties

have established with verifiable evidence that nylon 66 should be excluded from the scope of product under consideration, nor any importer/ consumer of nylon 66 has filed a response and established a need for exclusion of nylon 66. Nylon 66 is therefore, within the scope of present investigations pending further investigations.

C. Like Article.

5. The applicants have claimed that goods produced by it are like articles to the goods originating in or exported from subject countries. There is no significant difference in the subject goods produced by the petitioner and those exported from subject countries. With regards to the like article, the Authority notes that rule 2 (d) relating to the definition of like article specifies that like article means an article that is 'identical' or 'alike' in all respects to the articles under investigation or in the absence of such an article, another article having characteristics closely resembling those of the article under investigation. In order to establish that subject goods produced by the domestic industry is a Like Article to that exported from subject countries, characteristics such as technical specifications, manufacturing process, functions and uses and tariff classification have been considered by the Authority. On the basis of the examination, the Authority notes that subject goods produced by domestic industry has characteristics, which are similar to those imported from subject countries and to those sold in the market of exporting countries. In view of the above the Authority holds that Nylon Filament yarn produced by the domestic industry and those being imported from and sold in the subject countries are like articles within the meaning of the rules. Different types of NFY are produced from the same production technology, manufacturing process, raw materials, plant & equipment and perform the same general purpose. There is a great amount of substitutability between different types of NFY. Even though the product has been grouped in discrete types according to denier, filaments, luster, color, orientation etc., these specific characteristics merely differentiate various types of NFY. However, different types contain the same basic characteristics of NFY. With regards to the observations made by some of the interested parties that the subject goods made from Nylon 6 and Nylon 66 route may not be like products because of its allegedly different characteristics, the Authority has considered all relevant information made available by interested parties with regard to whether or not nylon 6 and nylon 66 are one like products and notes that nylon 66 has been rightly included within the scope of product under consideration. The

Authority provisionally holds nylon 6 and 66 as one like product, pending further investigations, considering parameters such as physical and chemical properties, technology, manufacturing process, raw materials, functions and uses, tariff classifications etc.

D. Domestic Industry

6. The application has been jointly filed by M/s. Modipon Limited, Modinagar, JCT Limited, Hoshiarpur, Shree Synthetics Limited, Ujjain and Gujarat State Fertilizers Company Limited, Vadodara. These producers have provided information relevant to the present investigations and have consented to participate in the proposed investigations. The production of these applicant companies constitutes more than 50 % of total Indian production. M/s Century Enka and M/s Baroda Rayon Corporation Ltd. are other producers of the like article. M/s Century Enka has supported the present application. The Authority has determined that (a) production of the four petitioner companies constitute a major proportion in Indian production; (b) domestic producers expressly supporting the application account for more than 50 per cent of total production of the like product produced by the domestic industry; and (c) the application has been made by or on behalf of the domestic industry.

7. The Authority after examining the above, determines that the applicants constitute domestic Industry within the meaning of the rule 2(b) read with 2(d) and the application satisfies the criteria of standing in terms of Rule 5 of the Rules supra.

E. Dumping.

8. Under Section 9A(1) I of the Customs Tariff Act 1975, Normal value in relation to an article means:

The comparable price, in the ordinary course of trade, for the like article when meant for consumption in the exporting country or territory as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or

When there are no sales of the like article in the ordinary course of trade in the domestic market of the exporting country or territory, or when because of the particular market situation or low volume of the sales in the domestic market of the exporting

country or territory, such sales do not permit a proper comparison, the normal value shall be either:-

Comparable representative price of the like article when exported from the exporting country or territory or an appropriate third country as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or

The cost of production of the said article in the country of origin along with reasonable addition for administrative, selling and general costs, and for profits, as determined in accordance with the rules made under sub-section (6)";

Provided that in the case of import of the article from a country other than the country of origin and where the article has been merely transhipped through the country of export or such article is not produced in the country of export or there is no comparable price in the country of export, the normal value shall be determined with reference to its price in the country of origin.

9. The Authority sent questionnaires to all the known exporters for the purpose of determination of normal value in accordance with Section 9A(1)(c). The following exporters from subject countries have responded to the Authority.

1. M/s Jinan Juda Fiber Co. Ltd (Jinan), China PR
2. Taekwang Industrial Co Ltd (TKI), Korea RP
3. HYOSUNG Corporation (Hyosung), Korea RP
4. Hualon Corporation (Hualon), Malaysia
5. Suntex Fiber Co Ltd.(Suntex), Chinese Taipei
6. LIPENG Enterprise Co., Ltd (Lipeng), Chinese Taipei
7. Asia Fiber Public Company Ltd (Asia fiber), Thailand
8. Thai Taffeta Co., Ltd (Thai taffeta), Thailand

10. The applicants had identified denier, luster, filaments, category, Colour, cross section, packing and grade as different parameters of the subject goods. The exporters have also identified the some of above parameters in their responses. Additionally, some of the exporters have identified a few other parameters also. On the basis of the preliminary investigations conducted, the Authority considers appropriate to use denier, lustre category (Textured, Partially oriented yarn, Draw Twisted, Fully oriented yarn, Fully drawn yarn) as essential product parameters for the purpose of comparison between the normal value and export price, pending further investigations.

E (1) China PR

Normal value determination for China

11. China PR, one of the subject countries under present investigation in the present proceedings, in a Non-Market Economy Country and therefore their normal value has to be determined in accordance with the Para 7 and 8 of Annexure I of the Anti Dumping Rules.

Legal provisions in India

Para 7 of Annexure I under the Rules, which has been inserted by notification no. 44/99- Cus (NT) dated 15th July, 1999. Para 7 of Annexure-I states as under:

"7. In case of imports from non-market economy countries, normal value shall be determined on the basis of the price or constructed value in a market economy third country, or the price from such a third country to other countries, including India, or where it is not possible, on any other reasonable basis, including the price actually paid or payable in India for the like product, duly adjusted if necessary, to include a reasonable profit margin."

Market Economy Treatment (MET)

"Para 8 of Annexure 1- Amended on 04.01.2002

- (1) The term "non market economy country" means any country which the Designated Authority determines as not operating on market principles of cost or pricing structures, so that sales of merchandise in such country do not reflect the fair value of the merchandise, in accordance with the criteria specified in sub-paragraph (3)
- (2) There shall be a presumption that any country that has been determined to be, or has been treated as a non-market economy country for the purpose of an anti dumping investigation by the Designated Authority or by the competent authority of any WTO member country during the three-year period preceding the investigation is a non-market economy country.

Provided, however, that a non-market economy country or the concerned firms from such country may rebut such a presumption by providing information and evidence to the Designated Authority that establishes that such country is not a non market economy country on the basis of criteria specified in sub-paragraph (3)

(3) The Designated Authority shall consider in each case the following criteria as to whether:

- (a) the decision of concerned firms in such country regarding prices, costs and inputs, including raw materials, cost of technology and labour, output, sales and investment, are made in response to market signals reflecting supply and demand and without significant State interference in this regard, and whether costs of major inputs substantially reflect market values;
- (b) the production costs and financial situation of such firms are subject to significant distortions carried over from the former non-market economy system, in particular in relation to depreciation of assets, other write-offs, barter trade and payment via compensation of debts;
- (c) such firms are subject to bankruptcy and property laws which guarantee legal certainty and stability for the operation of the firms, and
- (d) the exchange rate conversions are carried out at the market rate;

Provided, however, that where it is shown by sufficient evidence in writing on the basis of the criteria specified in this paragraph that market conditions prevail for one or more such firms subject to anti-dumping investigations, the Designated Authority may apply the principles set out in paragraphs 1 to 6 instead of the principles set out in this paragraph.

The Rules were further amended vide notification dated 10th March, 2003, which states as under:

- (4) "Notwithstanding anything contained in sub-paragraph (2), the designated authority may treat such country as market economy country which, on basis of the latest detailed evaluation of relevant criteria, which includes the criteria specified in sub paragraph (3), has been, by publication of such evaluation in a public document, treated or determined to be treated as a market economy country for the purposes of anti-dumping investigations, by a country which is a Member of the "World Trade Organization"

12. Except one exporter/producer from China, none of the exporters/producers have responded to the Questionnaire sent by the Authority. The applicants had proposed the USA as the appropriate surrogate country for the purpose of calculating normal

value in China and had furnished some evidence with regard with regard to price of the subject goods in USA during the period of Jan-Dec 2004. Following the initiation notification, China chamber of commerce for import and export of Textiles opposed the choice of USA as analogue country and requested instead to choose china PR or other Asian countries as they had many things in common. Further, none of the party except China chambers of commerce and industry from China or elsewhere has objected to selection of USA as the appropriate surrogate country nor has suggested any other appropriate country or has furnished any other reliable evidence for the purpose of calculation of Normal Value for China. It was also noted that no interested parties submitted any other comments as well as names of the producers/exporters in those analogue country who would be willing to submit the data to the Designated Authority in spite of the letter sent to all interested parties in this respect. Thereafter, the Authority requested producers of subject goods in the USA who were made known in the application by domestic industry and asked them to submit the details regarding selling prices of the subject goods in their country and requested them to submit the required data to the Designated Authority. However, no producer in the chosen analogue country also submitted any response till date.

(a) Cooperation

13. One Chinese producer/exporter namely M/s Jinan Juda, has made themselves known during the process of investigation and they have responded to the exporters' questionnaire by giving information with regard to Questionnaire pertaining to market economy status and also various appendices mentioned in the exporters' questionnaire.

(b) Normal Value & Export Price:

14. With regards to the responses filed by M/s Jinan Juda, it is noted that the responding exporter has significant state share holding. Also, it is noted that no substantive evidences have been submitted by the exporters in their responses along with the relevant facts with which they want to rebut the presumptions as mentioned in para 8 of annexure 1 of the Anti dumping rules and Non market Questionnaire sent to them with regards to grant of market economy status to their company. In view of the above fact, the Authority has, for the purpose of provisional findings, not granted market economy

treatment to the responding exporter and therefore has constructed the normal value on the basis of para 7 of the Annexure 1 of the Anti dumping rules. With regards to their export prices, it was noted that their export prices vary significantly with the prices mentioned in the official statistics even when their quantities and dates of exports match with the exporters data. As there is a significant discrepancy in the import prices of the exporter and official statistics, the Authority for the purpose of the provisional findings has not taken into account the exporters price for determination of dumping margin and price undercutting. Instead, the Authority taken into account the price reported in the official statistics for the purpose of determination of dumping margin. It is further noted that authority proposes to examine further the response of the exporter as the investigation proceeds in order to conclude its decision on a definitive basis.

15. The Authority notes that applicants had provided an evidence of price or constructed value in a market economy third country (USA in this investigation). While disputing the claim of the domestic industry to treat Chinese producers as non market economy, the Chinese producers, or importers or any other interested party made no substantiated claim nor advanced any substantiated evidence either with regard to price or constructed value in a market economy third country. There has been no response from the producers/exporters from USA either in response to the exporters questionnaire sent by the Authority. Under the circumstances, the Authority has provisionally determined that only option available for the purpose of provisional findings is to determine normal value considering price actually paid or payable in India for the like product, duly adjusted, to include a reasonable profit margin. Price actually paid in India has not been considered for the reason that the same has been suppressed. Thus, the Authority has constructed the normal value by taking into account cost of production in India, duly adjusted, to reflect international raw material prices and optimum conversion costs, selling, general & administrative expenses and reasonable profit. However, as the investigation proceeds further, the Authority proposes to continue examination of the appropriateness of any market economy third country for the purpose of determination of normal value as per para 7 of Annexure 1 of the Anti dumping rules should information about their appropriateness along with the information about their price or constructed value is received by the authority.

E (2) Other producers/exporters from China PR

16. None of the other producers/exporters after the initiation, has responded to the exporters' questionnaire by giving information with regard to market economy questionnaire and various appendices

mentioned in the exporters' questionnaire. As no information has been received from any exporter/producer from other than M/s Jinan Juda from China PR, the Authority has constructed the normal value on the basis of facts available as mentioned in the para 7 of the Annexure 1 of the Anti dumping rules. In this regard, it is noted that no information has been provided to the Authority with regards to the price or constructed value in the market economy third country (analogue country being the USA in this case) or the price from such a third country to other countries. As no information as mentioned above has been received, the Authority has constructed the normal value on the basis of normal value considering cost of production in India, duly adjusted including selling, general and administrative overheads and reasonable profit. The export price has been determined based on the transaction wise data of imports culled out from information provided by official statistics for subject goods.

E.3 Normal value in case of Market Economy Countries

Methodology for working out dumping margin for responding exporters

17. It was first determined that whether the total domestic sales of the subject goods by the producers/exporters in the subject country was representative when compared to their total sales of the subject goods concerned sold in the exporting country and whether their sales are under ordinary course of trade in terms of Rule 2 of the annexure I to the anti dumping rules. The exporters have provided transaction wise details of sales made in home market. The information has been relied upon to determine separate weighted average selling price for each type of NFY, considering denier, category and luster of the NFY sold in the home market. In case sales volume in the domestic market of a particular type of NFY is more than 5% of exports to India, the domestic price has been considered. In other cases, the cost of production determined by the Authority on a provisional basis has been used to work out normal value, after adding reasonable profit. The cost of production claimed by the exporters have been provisionally admitted, except that those exporters who claimed separate and significantly different cost of production for NFY with the sole difference of quality, it has been considered appropriate to determine average cost of production for NFY pending further investigations. This is because of the fact that it is not considered appropriate nor justified by the exporters that the cost of production of NFY with the sole difference of quality can be so significantly different as claimed by these exporters.

18. The average selling price has been compared with the average cost of production. In cases where such prices were below cost of production, average cost of production, with reasonable addition for profit has been considered for determination of normal value. Wherever such selling prices were above average cost of production, such average selling prices have been considered for determination of normal value.

19. For the determination of the ordinary course of trade test, the cost of production of the product concerned was examined with reference to the records maintained by the producer. Further, all domestic sales transactions were examined with reference to the cost of production of the subject goods to determine whether the domestic sales were in the ordinary course of trade or not. Thus only the profitable transactions have been taken into consideration for the determination of normal value for the cooperating exporter where sales below costs exceed 20%. However, in cases where the data submitted by the exporters show very low conversion costs or where costs of the raw materials, utilities and conversion costs are very low as compared to data submitted by other exporters, the costs of production has been constructed for the purpose of provisional findings pending further verifications.

Chinese Taipei

E. 4 M/s Suintex fibers

Normal value

20. It is noted from the responses filed by the exporter that substantial sales have been claimed as that of sub-standard quality. Pending detailed investigations and verification of the information, the Authority has provisionally, ignored the difference in quality for the purpose of normal value and the export price and has cumulated entire sales NFY taking into account category, luster and denier (without taking into account quality at this stage). It is also noted that M/s Suintex has claimed substantial deduction from the cost of production on account of interest income. No evidence has however been provided justifying that the said interest income pertained to production and sale of NFY. Interest income has therefore been treated zero, provisionally, pending further investigation. Further, the Authority has compared the various elements of costs for each type of nylon filament yarn and element wise cost for different types of subject goods. After examination, it was found that raw materials costs varied from **** to **** while the utility varied from **** to ****. There are other very significant

variations also with regard to direct labour, depreciation and other expenses (if the total cost for each item/heading is taken as 100). Similarly, there are significant variations in intra element costs with regard to the different type and grades of subject goods. Taking the total cost to make and sale as 100, it is seen that the raw materials costs varied from **** to ****, while the utilities and direct labour varied from **** to **** and **** to **** respectively. Further, there are significant variations in the intra element cost with regard to the different grades, which is difficult to understand. Hence, in view of the above, while the raw material cost of the exporter has been taken, the conversion cost of the most efficient domestic industry has been added to determine the cost of production of domestic industry. The Authority has determined separate cost of production for each type of NFY. Weighted average selling price has been determined for each type of NFY, as detailed above in those cases where viable domestic sales existed in the ordinary course of trade. Price adjustments have been claimed on account of various adjustments, which have been provisionally allowed. In those cases where viable domestic sales do not exist, cost of production has been adopted with reasonable addition for selling, general & administrative cost and profit for determination of normal value for that particular type of NFY.

EXPORT PRICE

21. Separate weighted average export price to India has been determined for each type of NFY, as explained above. Price adjustments have been claimed on account of adjustments like freight, insurance, warranty, which have been provisionally allowed subject to verification.

E. 5 M/s Li Peng

Normal value

22. The Normal value has been determined as per methodology mentioned in the earlier paragraphs based on the domestic selling price of the subject goods of the exporter in the Chinese Taipei pending further verifications.

Export price

23. M/s Li Peng has exported ****Kg of subject goods at a price of ****NTD to India during the POI. These exports match the official statistics with regards to the Quantity and names of the importers along with the dates. However, prices charged by them very a great

deal and as against a price of NTD **** during the POI as per their appendix 2, the weighted average CIF price as price as per the official statistics is only NTD ****. Thus, there is a huge difference between price reported by the responding exporter and the price actually reported to Customs. For the purpose of the provisional findings, the Authority has taken the import price in India as per the official statistics as the CIF price of the responding exporter. The Adjustments on account of inland freight, commission, overseas freight, marine insurance, and other charges claimed by the exporter have been allowed subject to verifications for the purpose of the provisional findings.

South Korea

E.6 M/s Hyosung -Korea RP,

Normal value

24. The Normal value has been determined as per methodology mentioned in the earlier paragraphs based on the domestic selling price of the subject goods of the exporter in the Korea RP pending further verifications.

Export price

25. M/s Hyosung-Korea RP has exported **** Kg of subject goods to India during the POI with an weighted average price of US \$ ****/Kg. The adjustments on account of inland freight, commission, overseas freight, marine insurance, and other charges claimed by the exporter have been allowed subject to verifications for the purpose of the provisional findings.

E.7 M/s Taekwang (TKI) -Korea,

Normal value

26. Substantial sales have been claimed as that of non prime material. Cost of production of non prime has been claimed substantially lower than that of prime product. Pending detailed investigations and verification of the information, the Authority has provisionally ignored the difference in prime and non prime for the purpose of determination of normal value and export price and has cumulated NFY with the sole difference of quality. The Authority has determined separate cost of production for each type of NFY. Weighted average selling price has been determined for each type of NFY, as detailed above in those cases where viable domestic

sales existed in the ordinary course of trade. Price adjustments have been claimed on account of transportation and packaging, which have been provisionally allowed. In those cases where viable domestic sales do not exist, cost of production has been adopted with reasonable addition for selling, general & administrative cost and profit for determination of normal value for that particular type of NFY.

Export Price

27. Separate weighted average export price to India has been determined for each type of NFY, as explained above. Price adjustments have been claimed on account of inland freight, insurance, credit costs, duty drawback etc, which have been provisionally allowed.

Malaysia

E.8 M/s Hualon Corporation

Normal value

28. The Authority notes that the exporter has neither provided separate cost of production for different deniers, nor has the exporter given any explicable reasons for not segregating cost of production on the basis of denier. In the petition filed by the domestic industry and notice of initiation sent by the Authority, denier was identified as one of the important parameters for differences in associated costs and prices. The investigations carried out by the Authority so far also establish that denier is an important parameter and conversion costs vary significantly with the change in denier. Further, details of expenses and resultant unit cost of production in various appendices do not reconcile with each other. For instance, while appendix-6 shows raw materials cost as RM ****, the same comes to RM **** as per appendix-8. Detailed scrutiny of allocation & apportionment expenses shows that the total cost of production allocated/apportioned to the product under consideration as a percentage of total expenses of the company varies significantly from **** (for the raw material) to **** (utilities), **** (direct labour) and **** (Administrative overheads). Additionally, it is noted that there appears a number of inconsistencies in the claims with regard to conversion cost made by the exporter. Some of these are the fact that the exporter has claimed utilities costs far higher in other products and lower in the subject goods while labour costs in the subject goods vis-à-vis other products appears too disproportionate and other misc.

expenses and depreciation also appears disproportionate. In view of the above, the Authority considers it appropriate to adopt the raw materials costs as claimed by the exporter and conversion costs on the basis of information provided by the domestic industry and verified by the Authority, provisionally, pending further investigation.

Export Price

29. M/s Hualon has exported **** MT of subject goods to India during the POI with an weighted average price of US \$ ***/Kg. The Adjustments on account of inland freight, commission, overseas freight, marine insurance, and other charges claimed by the exporter have been allowed subject to verifications for the purpose of the provisional findings.

Thailand

E.9 M/s Thai Taffeta:

30. Detailed examination of cost of production claimed by Thai Taffeta revealed that the company produces NFY and Fabric. The company has claimed to apportioned costs between NFY and Fabric on account of raw materials and conversion costs (except SGA) on the basis of production. It however appears that raw materials are not apportioned on the stated basis of production. Further, production costs have also not been apportioned on the basis of production. In fact, it is found that the expenses to be charged on NFY would have been much higher than claimed had the costs been apportioned on the basis of production. Given the sales values and the fact that the nature of various products produced by the company significantly vary, in any case, it does not appear that apportionment of expenses between NFY and other product would be reasonable on the basis of production. Comparison of conversion costs with the Indian Producers or other exporters also does not show that the claims on account of conversion costs are reasonable. In view of the above, the Authority has provisionally considered conversion cost on the basis of best estimates considering Indian Producers, pending detailed investigations. Weighted average selling price has been determined for each type of NFY, as detailed above in those cases where viable domestic sales existed in the ordinary course of trade. It is found that the sales in the domestic market are below the cost of production. Therefore, cost of production, as revised, has been adopted with reasonable addition for selling, general & administrative cost and profit for determination of normal value for that particular type of NFY.

Export price

31. Separate weighted average export price to India has been determined for each type of NFY, as explained above. Price adjustments claimed on account of freight, insurance, credit costs, customs clearances, packings etc, have been provisionally allowed.

E.10 M/s Asia FibreNormal value

32. With regard to the determination of normal value, it is seen that the exporter has given the costing of only one product, which is exported to India and also sold in the domestic market. The responding exporter has also not submitted the statement of allocation of SGA expenses. In absence of total costing for all the products the cost data cannot be relied upon and has hence not been accepted for the purpose of provisional finding. In view of the circumstances, the normal value has been constructed using the best information available.

Export Price

33. M/s. Asia Fibre has exported **** Kg quantity of India with a gross sales price per kg at the CIF level of US \$ ****/kg. For the purpose of provisional finding and pending verification in this matter, the adjustment claim by the responding exporter on account of packing, inland freight, overseas freight, overseas insurance and shipping charges have been allowed as claimed.

(c) Comparison

34. For the purpose of a fair comparison between the normal value or (constructed normal value) as mentioned in the relevant paragraphs and export price at an ex factory level, due allowance in the form of adjustments was made for differences which affect prices and price comparability subject to their being verified after the provisional determination. For other producers and exporters from subject countries who have not responded to the initiation notification and those who have not submitted their exporters questionnaire, Normal value has been determined as per the facts available while the export price has been determined as per the price available in the official statistics.

(d) Dumping Margin:

35. The Authority has worked out a dumping margin for each of the different grades/types depending upon their specifications like lustre, denier and brightness of the subject goods by making a comparison between the normal values and export price of the different types at ex factory level. This comparison was based on the weighted average selling price of each type of the subject goods manufactured by the producers/exporters and exported to India during the POI for which a comparable type of the subject goods could be found. Thus, weighted average overall dumping margin was determined by computing the dumping found on each type without zeroing negative dumping found on individual types. The comparison showed the existence of dumping of the subject goods by the exporters during the POI. The weighted average dumping margin, expressed, as a percentage to the export price has been determined.

Country	Producers/Exporters	DM US \$	DM%
China PR	M/s Jinan Juda Fiber Co. Ltd	****	140.52
	Others	****	140.52
Korea RP	Taekwang Industrial Co Ltd	****	52.4
	HYOSUNG Corporation	****	62.55
	Others	****	62.55
Malaysia	Hualon Corporation	****	50.05
	Others	****	136.13
Chinese Taipei	Suntex Fiber Co Ltd.	****	73.29
	Lipeng Enterprise Co., Ltd	****	39.98
	Others	****	145.29
Thailand	Asia Fiber Public Company Ltd	****	111.42
	Thai Taffeta Co., Ltd	****	53.09
	Others	****	185.81
Indonesia	All producers/exporters	****	139.01

F. INJURY AND CAUSAL LINK

36. Annexure II to the Anti dumping Rules requires that a determination of injury shall involve an object examination of the consequent impact of these imports on domestic producers of such products. The Rules further provide that the examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry should include an objective and unbiased evaluation of all relevant economic factors and indices having a bearing on the state of the

industry, including actual and potential decline in sales, profits, output market share, productivity, return on investments or utilization of capacity; factors affecting domestic prices, the magnitude of the margin of dumping; actual and potential negative effects on cash flow, inventories, employment, wages, growth, ability to raise capital investments.

The Designated Authority in accordance to the Rules, have examined various economic parameters and indices as discussed hereunder:

Annexure II (iv) to the Rules states as under:-

- (iv) *the effect of the dumped imports shall be assessed in relation to the domestic production of the like article when available data permit the separate identification of that production on the basis of such criteria as the production process, producers sales and profits. If such separate identification of that production is not possible, the effects of the dumped imports shall be assessed by the examination of the production of the narrowest group or range of products, which includes the like product, for which the necessary information can be provided.*

37. Injury information has been provided by the domestic industry in respect of like article to the extent feasible and separately available. However, in case a particular information is not separately available in respect of the like article, because separate identification of that information is not feasible, information has been relied upon in respect of narrowest group/range of products, which includes the like article and for which the necessary information was available.

38. It is recalled that the Designated Authority had asked domestic industry to provide detailed injury information for objective examination of various factors of injury to the domestic industry. For this purpose information for 2001-02, 2002-03, 2003-04 and period of investigation was sought by the Authority. During the examination and verification of the records and after onsite verification, it was noted that the domestic industry had been making losses in the first year of injury period. It was claimed that the losses in the first year was due to massive earthquake which had hit Gujarat, significantly disrupting the Surat market, which consumed about 65-70% of the product. In this regard, it was submitted that the directors report of the Shree Synthetics for the year 2000-01 mention that

"The natural calamity i.e. devastating earthquake has disrupted the business in Gujarat, the major consuming state of the product of your company as strike resorted by weavers due to imposition of duty by Government has further bearing on the margins.

39. Further, Directors Report for 2000-01 in case of M/s Modipon states that

- "(i) Surat, the largest market for Synthetic Filament Yarn, was adversely affected by strike / partial closure by Weavers and Fabric Traders on account of hike in power tariff as well as change in the Excise Duty structure on Fabric by bringing ad-volorem rates as against the compounded levy on chambers.*
- (ii) in view of major earthquake in Gujarat, the business activities in and around Surat were badly affected.....*
- (iii) In the Union Budget 2000-01, an anomaly was created in the import duty structure. The imports duty on NFY and PFY was lowered at 20%, whereas import duty on Caprolactum, DMT, PTA and MEG (Raw Materials) was fixed at 27.5%. Due to this anomaly in the import duty structure, substantial imports NFY and PFY were made during this period from Indonesia, Taiwan, China etc.*

40. It was thus claimed along with evidence that there were several factors responsible for the adverse performance of the domestic industry during the base year and the request was made that first year should be excluded from for examination of injury to the domestic industry. However, as a matter of consistent practice, the Designated Authority has not excluded the first year for examination of injury, however, merely because, domestic industry was facing injury in 2001-02 presumably due to other causes. However, it is again reiterated that it is not the performance of the domestic industry during the POI vis a vis its performance in the base year that is material, rather, it is trend of the various indicators during the injury period and also during the POI that is important for concluding the injury to the domestic industry.

Import statistics

41. The information provided by secondary sources (IBIS) shows that the product has been reported under following customs classifications:

5402.39, 5402.59, 54020000, 54020200, 54020400, 54020900, 540210, 54021000, 54021001, 54021002, 54021003, 54021009, 54021010, 54021090, 54021100, 54021500, 54022000, 54022001, 54022010, 54022090, 54022400, 54022430, 54022900, 54023000, 54023001, 54023100, 54023200, 54023300, 54023900, 54023901, 54023909, 54023910, 54023920, 54023990, 54024000, 54024100, 54024101, 54024109, 54024200, 54024201, 54024210, 54024300, 54024900, 54024901, 54025100, 54025200, 54025400, 54025900, 54025901, 54025909, 54025910, 54025990, 54026000, 54026100, 54026200, 54026300, 54026900, 54026901, 54026901, 54026910, 54026920, 54026940, 54026950, 54026990, 54029000, 54029900

42. Since the product description only is dispositive, all imports of subject goods irrespective of their classifications have been included for the purpose of determination of volume, value and average import price. Upon initiation of investigations, DGCI&S was requested to provide information with regard to imports of nylon filament yarn. The information provided includes only custom classifications 5402.3100, 5402.3200, 5402.4100, 5402.5100, and 5402.6100, analysis of the same shows as under:-

Summary of DGCI&S data

	Volume	Value	Average price
	MT	Rs. Lacs	Rs./kg.
Imports reported as Polyester	1731	1738.37	100.43
Imports with blank description	1863	1863.46	100.02
Imports with description as nylon	10622	10243.85	96.44
Total	14216	13845.68	97.40
As per Secondary Sources only subject countries			

43. The information was compared with secondary source data, which shows as under:-

country	as per DGCI&S		as per Secondary source	
	Volume	Value	Volume	Value
	MT	Rs. Lacs	MT	Rs. Lacs
China	2028	1825.25	2254	1866.36
Indonesia	256	247.94	4563	3546.12

Korea	856	801.09	3455	3498.38
Malaysia	625	702.24	1370	788.26
Taiwan	1772	1636.08	3060	2345.78
Thailand	373	380.79	1648	1074.36
Total	5910	5593.38	16350	13119.26

It is therefore considered more appropriate to base the preliminary findings on information compiled by secondary sources, pending further investigations. The volume and price of imports of subject goods from subject countries as culled out from the secondary source data have been kept in the public file for the information of all interested parties.

Cumulative assessment

44. Annexure II (iii) to the Anti Dumping Rules provide that in case imports of a product from more than one country are being simultaneously subjected to anti dumping investigations, the designated authority will cumulatively assess the effect of such imports, in case it determines that:

- (a) the margin of dumping established in relation to the imports from each country is more than two percent expressed as percentage of export price and the volume of the imports from each country is three percent of the imports of the like article or where the export of the individual countries less than three percent, the imports cumulatively accounts for more than seven percent of the imports of like article, and;
- (b) Cumulative assessment of the effect of imports is appropriate in light of the conditions of competition between the imported article and the like domestic articles.

The Authority finds that

- i) the margins of dumping from each of the subject country are more than 2% (de-minimus) as may be seen from the earlier paragraphs;
- ii) the volume of imports from each of the subject countries is more than 3%;
- iii) The Domestic industry produces various deniers of product under consideration and the same deniers are also being produced by producers in subject countries also. The

product manufactured by the producers from the subject countries inter-se and in comparison to the product manufactured by domestic industry has comparable properties. Thus, subject goods supplied by the domestic industry are like articles to the subject goods exported by various subject countries.

- iv) It is noted that imported products and domestic like products are being interchangeably used. Evidence of imports by various parties and correlation of the same with customer wise sales of the domestic industry makes it evident that there are number of parties who have resorted to purchase from the domestic industry and imports from subject countries. It is further noted that subject goods exported by various countries compete in the same market;
- v) The subject goods supplied by various producers from different subject countries are being marketed in India during the same periods through comparable sales channels
- vi) Price undercutting is positive and significant in respect of subject countries.
- vii) The domestic producer and exporters in the subject countries are selling the product to the same category of consumers.

45. In view of the above, it is held that cumulative assessment of impact of imports on the domestic industry would be appropriate in the present case.

Assessment of demand

46. For the calculation of the Domestic consumption/demand of the subject goods, the authority added the sales volume of the domestic industry and other Indian producers to the total imports into India. The domestic industry has claimed that information provided by secondary source includes information of imports reported on very selected ports but includes all the tariff heads for which the subject goods are being imported while the import statistics of the DGCIS mention the subject goods for a given tariff head only and are clearly understated. On the other hand, the import statistics sent by IBIS (Secondary source) closely corresponds to the imports quantity conformed by the some responding exporters from subject countries. The Authority has therefore relied upon the data of the IBIS for the purpose of import statistics with regards to the quantity and price of the subject goods

for the purpose of provisional findings further examination. A copy of the import data taken into account by the Authority is also kept in the public file for the benefit of all interested parties.

Unit: MT	2001-02	2002-03	2003-04	POI
Sales of Domestic industry	20,819	24,298	24,781	27,168
Sales of Other Indian Producers	7,177	7,550	8,364	10,254
Imports - Subject Countries	4,078	6,204	12,131	16,350
Imports - Other Countries	588	1,280	2,560	3,262
Demand	32,662	39,332	47,836	57,035

From the above table, it may be provisionally concluded that the demand of the subject goods in the country shows positive growth and increased by 75% in the injury period.

Import volumes and market share

47. With regard to the volume of the dumped imports, it has been examined whether there has been a significant increase in dumped imports, either in absolute terms or relative to production or consumption in India. Annexure-II (ii) of the Anti-dumping rules provides as under :-

"While examining the volume of dumped imports, the said authority shall consider whether there has been a significant increase in the dumped imports, either in absolute term or relative to production or consumption in India"

48. After examination of the import data, it is noted that volume of dumped imports has increased in absolute terms from subject countries during the injury period. It is also noted that the volume of imports shows sharply increasing trend. Further, the imports in relation to production and demand increased as is evident from the table below.

	2001-02	2002-03	2003-04	POI
--	---------	---------	---------	-----

Imports (MT)				
China	944	1,020	1,890	2,254
Indonesia	1,016	1,495	2,515	4,563
Malaysia	815	1,358	1,896	3,455
Thailand	323	908	805	1,370
Korea	712	924	2,080	3,060
Taiwan	267	498	945	1,648
Subject Countries	4,078	6,204	12,131	16,350
Other Countries	588	1,280	2,560	3,262
Total Imports	4,666	7,484	14,692	19,612
Market Share in Imports (%)				
China	20.24	13.64	12.86	11.49
Indonesia	21.78	19.98	30.73	23.27
Malaysia	17.47	18.15	12.91	17.62
Thailand	6.92	12.13	5.48	6.99
Korea	15.25	12.35	14.16	15.60
Taiwan	5.73	6.65	6.43	8.40
Subject Countries	87.39	82.89	82.57	83.37
Other Countries	12.61	17.11	17.43	16.63
Demand	32,662	39,332	47,836	57,035
Market Share in Demand (%)				
China	2.89	2.59	3.95	3.95
Indonesia	3.11	3.80	9.44	8.00
Malaysia	2.50	3.45	3.96	6.06
Thailand	0.99	2.31	1.68	2.40
Korea	2.18	2.35	4.35	5.37
Taiwan	0.82	1.27	1.98	2.89
Subject Countries	12.49	15.77	25.36	28.67
Other Countries	1.80	3.25	5.35	5.72
Domestic industry	63.74	61.78	51.80	47.63
Indian Industry	85.71	80.97	69.29	65.61
Production of Domestic industry	20,957	24,410	25,019	27,988
Imports in relation to production				
China	4.51	4.18	7.55	8.05
Indonesia	4.85	6.13	18.04	16.30
Malaysia	3.89	5.56	7.58	12.34

Thailand	1.54	3.72	3.22	4.90
Korea	3.40	3.79	8.31	10.93
Taiwan	1.28	2.04	3.78	5.89
Subject Countries	19.46	25.41	48.49	58.42
Other Countries	2.81	5.24	10.23	11.66

49. It is thus noted that the Imports have increased in absolute term from just 4078 MT to 16350 MT and imports have increased in relation to demand of the product in the Country from 12.49% to 28.67% and imports have increased in relation to production of the product by the domestic industry from 19.46% of production to 58.42% in period of investigation. More over, while market share of the subject countries in demand have increased from just 12.49% to 28.67% that of the domestic industry has declined from 63.47% to 47.63%. In view of the above, it is provisionally concluded that that the dumped imports from subject countries show adverse volume effect.

Price effect of imports

50. With regard to the effect of the dumped imports on prices, it has been examined whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like product in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree. In order to assess the effect of imports on the domestic market an analysis of import prices over the injury period was made. It was noted that the exporters from subject countries have not increased their prices, due to increase in raw material price internationally. It is further noted that Nylon Filament Yarn is a petrochemical product and is produced from Nylon Chips, which is produced from Caprolactum and Caprolactam is produced from Benzene, which is another petrochemical product. Prices of Caprolactum have increased very significantly in the last two years. Increase in prices of Caprolactum is due to increase in Benzene prices, which is due to increase in crude oil prices. Increase in crude oil price is well known international phenomenon. It therefore, does not appear likely that producers of subject countries have not got affected due to the increase in Caprolactum prices. Caprolactam prices over the years is given in the table below:-

	2001-02	2002-03	2003-04	POI
Caprolactam Price	56.65	63.62	70.10	89.19
Indexed	100.00	112.30	123.74	157.44

Export Price				
China	72.55	86.85	82.43	82.79
Indonesia	61.02	70.97	82.78	77.71
Malaysia	132.57	107.91	105.78	101.26
Thailand	78.90	80.83	65.70	57.53
Korea	67.05	75.36	74.58	76.66
Taiwan	65.23	72.81	70.28	65.21
Subject Countries	80.74	83.91	82.81	80.24
Imports price as a % of Caprolactam Price				
China	128.06	136.51	117.59	92.83
Indonesia	107.71	111.56	118.09	87.13
Malaysia	234.02	169.62	150.91	113.54
Thailand	139.27	127.04	93.72	64.50
Korea	118.36	118.46	106.40	85.95
Taiwan	115.14	114.45	100.25	73.11
Subject Countries	142.52	131.90	118.13	89.96
Landed Price of Imports				
China	87.93	105.26	99.90	100.34
Indonesia	73.95	86.02	100.33	94.18
Malaysia	160.68	130.79	127.11	122.73
Thailand	95.62	97.96	79.62	69.72
Korea	81.27	91.34	90.70	92.91
Taiwan	79.05	88.25	85.18	79.03
Subject Countries	97.85	101.70	100.55	97.25

It is evident from the above that Caprolactam prices have increased by 58 % over the years; however, export price from subject countries have not increased with the increase in prices of Caprolactam in respect of their exports to India. Import prices as a % of Caprolactam price is also examined by the Designated Authority from which it was found that earlier, the export price was 43% higher than Caprolactam prices, declined significantly and became just 89% of caprolactam price in the period of investigation. Thus, there is a big fall in the effective realization of the exporters in respect of their exports to India. Further, decline in the CIF export price appears to have a direct adverse impact on the domestic industry and reduction in the landed price of import appears to have been responded by domestic industry by effecting price declines resulting in loss of market share. Net sales realization of Domestic Industry is considered as selling price, excluding of taxes & duties,

rebates, discounts & commissions and freight & transportation. Entire sales volumes of the domestic industry have been included in the calculations. Landed price of imports has been determined considering weighted average CIF import price, with 1% landing charges¹ and applicable basic customs duty.

51. A comparison for product concerned was made between the landed value of exported product and the average selling price of the domestic industry for domestic market net of all rebates and taxes for sales made to unrelated customers, at the same level of trade. The prices of the domestic industry were determined at the ex factory level. The CIF prices of the subject country concerned were adjusted for post importation applicable duties. This comparison showed that during the period of investigation, the subject goods originating in each of the subject countries were sold in the Indian market at prices which undercut the domestic industry's prices when expressed as a percentage of the domestic selling prices of the domestic industry as is evident from the table below.

	2001-02	2002-03	2003-04	POI
Export Price				
China	72.55	86.85	82.43	82.79
Indonesia	61.02	70.97	82.78	77.71
Malaysia	132.57	107.91	105.78	101.26
Thailand	78.90	80.83	65.70	57.53
Korea	67.05	75.36	74.58	76.66
Taiwan	65.23	72.81	70.28	65.21
Subject Countries	80.74	83.91	82.81	80.24
Landed Price				
China	87.93	105.26	99.90	100.34
Indonesia	73.95	86.02	100.33	94.18
Malaysia	160.68	130.79	128.21	122.73
Thailand	95.62	97.96	79.62	69.72
Korea	81.27	91.34	90.40	92.91
Taiwan	79.05	88.25	85.18	79.03
Subject Countries	97.85	101.70	100.36	97.25

Net Sales Realization of Domestic industry	135.88	143.06	154.64	166.91
Price undercutting				
China				35-50%
Indonesia				40-50%
Malaysia				25-35%
Thailand				45-60%
Korea				40-50%
Taiwan				45-60%
Subject Countries				40-50%

Price Undercutting of responding exporters

Country	Exporters	NSP	PUC	PUC%
China PR	M/s Jinan Juda Fiber Co. Ltd	****	****	35-45
Korea RP	Taekwang Industrial Co Ltd	****	****	10-15
	HYOSUNG Corporation	****	****	12-18
Malaysia	Hualon Corporation	****	****	15-25
Chinese T	Suntex Fiber Co Ltd.	****	****	10-20
	LIPENG Enterprise Co., Ltd(DGCIS)	****	****	20-30
Thailand	Asia Fiber Public Company Ltd	****	****	35-45
	Thia Taffeta Co., Ltd	****	****	10-20

52. It is seen that import prices (after including basic customs duties) has been significantly below the net sales realization of the domestic industry, thus resulting in significant price undercutting. It is evident from the above that the price effect of dumped imports on the domestic industry has been very significant and has adversely affected the domestic industry.

Price suppression

53. In addition to significant price undercutting, dumped imports have caused severe price suppression in the Indian market as is evident from the following table: -

	2001-02	2002-03	2003-04	POI
--	---------	---------	---------	-----

Net Sales Realization of the domestic industry	****	****	****	****
Year by year change	-	5.28	8.10	7.93
Export Price	80.74	83.91	82.81	80.24
Year by year change	-	3.94	(1.32)	(3.10)
Landed Value of imported material	97.85	101.70	100.36	97.25
Year by year change	-	3.94	(1.32)	(3.10)
Caprolactam price	56.65	63.62	70.10	89.19
Year by year change	-	12.30	10.19	27.23

54. It is noted that noted that Caprolactam is the critical factor for determination of cost of production of the product under consideration. Any movement in the price of Caprolactam whether positive or negative make immediate impact to every producer worldwide. Accordingly, with the change in Caprolactam prices, prices of product should also change with same ratio. However, this did not appear to have happened with the domestic industry as is evident from the above table. It may be seen that in 2002-03, Caprolactam price increase by 12.3% over previous year, whereas prices of domestic industry increased by 5.28% in the same period. Similarly, in 2003-04, Caprolactam price again increase by 10.19% over previous year, whereas prices of domestic industry increased by 8.10% in the same period, and during the POI, Caprolactam price again increased by 27.23% over previous year, whereas prices of domestic industry increased only by 7.93% in the same period. On the basis of the foregoing, it may be provisionally concluded that the domestic industry has not been able to increase its price in line with the increase in raw material cost, which is due to the fact that dumped imports from subject countries have increased significantly. On the basis of the above, it may be provisionally concluded that the dumped imports have caused price suppression in the Indian market.

Share of subject countries in Production:

	2001-02	2002-03	2003-04	POI
Imports in relation to production (%)				
China	4.51	4.18	7.55	8.05
Indonesia	4.85	6.13	18.04	16.30

Malaysia	3.89	5.56	7.58	12.34
Thailand	1.54	3.72	3.22	4.90
Korea	3.40	3.79	8.31	10.93
Taiwan	1.28	2.04	3.78	5.89
Subject Countries	19.46	25.41	48.49	58.42
Other Countries	2.81	5.24	10.23	11.66

It is evident from the above, dumped imports from subject countries have increased in relation to production of the domestic industry.

Market share in Demand:

55. Over the period under consideration, the share of the dumped imports from the subject countries in relation to demand or consumption in India is given in the following table.

	2001-02	2002-03	2003-04	POI
Demand / consumption in India (MT)	32,662	39,332	47,836	57,035
Share of Various Sources (%)				
China	2.89	2.59	3.95	3.95
Indonesia	3.11	3.80	9.44	8.00
Malaysia	2.50	3.45	3.96	6.06
Thailand	0.99	2.31	1.68	2.40
Korea	2.18	2.35	4.35	5.37
Taiwan	0.82	1.27	1.98	2.89
Subject Countries	12.49	15.77	25.36	28.67
Other Countries	1.80	3.25	5.35	5.72

56. It is evident from the above, dumped imports from subject countries have captured significant market share in demand of product under consideration in India.

Evolution of Price over the period under consideration

57. In the injury period, average CIF prices of the imports originated in subject countries have been as under:

	2001-02	2002-03	2003-04	POI
Average Export Price				
China	72.55	86.85	82.43	82.79
Indexed	100.00	119.71	113.62	114.12
Indonesia	61.02	70.97	82.78	77.71
Indexed	100.00	116.32	135.67	127.35
Malaysia	132.57	107.91	105.78	101.26
Indexed	100.00	81.40	79.79	76.38
Thailand	78.90	80.83	65.70	57.53
Indexed	100.00	102.44	83.27	72.92
Korea	67.05	75.36	74.58	76.66
Indexed	100.00	112.39	111.23	114.33
Taiwan	65.23	72.81	70.28	65.21
Indexed	100.00	111.63	107.74	99.97
Subject Countries	80.74	83.91	82.81	80.24
Indexed	100.00	103.94	102.56	99.38
Caprolactam Prices	56.65	63.62	70.10	89.19
Indexed	100.00	112.30	123.74	157.44
Export price as % of raw material price				
China	128.06	136.51	117.59	92.83
Indonesia	107.71	111.56	118.09	87.13
Malaysia	234.02	169.62	150.91	113.54
Thailand	139.27	127.04	93.72	64.50
Korea	118.36	118.46	106.40	85.95
Taiwan	115.14	114.45	100.25	73.11
Subject Countries	142.52	131.90	118.13	89.96

58. It is noted that the CIF export price from China, Indonesia, Malaysia, Thailand, Korea and Taiwan have declined in relation to the raw material prices. Export price from subject countries were 142 % of raw material prices in the base year declined to just 90% in period of investigation.

SITUATION OF THE DOMESTIC INDUSTRY

Situation of the Domestic Industry

Preliminary remarks

59. For the examination of the impact of the imports on the domestic industry in India, the Authority considered such indices having a bearing on the state of the industry as production, capacity utilisation, sales quantum, stock, profitability, net sales realisation, the magnitude and margin of dumping, etc. in accordance with Annexure II (iv) of the Rules supra. It is noted that application for imposition of anti dumping duty has been jointly filed by Modipon Fibers, JCT Limited, Gujarat State Fertilizers Company Limited and Shree Synthetics Limited. These producers account for major proportion of total Indian production. The application, therefore, satisfy the standing and petitioner constitutes domestic industry within the meaning of the Rules. The Designated Authority therefore, has examined injury to the domestic industry as prescribed under the Rule 11 of Rules.

Sales Volume

60. Sales volume of the domestic industry has been as under:

	2001-02	2002-03	2003-04	POI
Sales of Domestic industry (MT)	20,819	24,298	24,781	27,168
Indexed	100.00	116.71	119.03	130.50
Imports from Subject Countries (MT)	4,078	6,204	12,131	16,350
Indexed	100.00	152.12	297.48	400.94
Demand	32,662	39,332	47,836	57,035
Indexed	100.00	120.42	146.46	174.62
PBT	(****)	(****)	(****)	(****)
Index	-100	-48	-20	-65
Imports from subject countries	4,078	6,204	12,131	16,350
Market share of subject countries in demand	12.49	15.77	25.36	28.67
Market share of domestic industry in demand	63.74	61.78	51.80	47.63
Market share of Indian industry in demand	85.71	80.97	69.29	65.61

61. It is seen that the sales volume of the domestic industry has increased. At the same time, there is a continuous increase in demand of subject goods in India. The increase in sales could also be reflective of a new production line being shifted from PFY to NFY within the Country, and accordingly, the industry has shifted its PFY capacity to NFY. However, the domestic industry has not been able to get benefit of this increased demand as significant market share has been taken by the dumped imports from subject countries. It is also examined that whether lost market share is taken over by the dumped imports and it has been found that other Indian producers have also lost significant market share as is evident from following table:-

	2001-02	2002-03	2003-04	POI
Market Share in Demand				
Domestic industry	63.74	61.78	51.80	47.63
Other Indian Producers	21.97	19.20	17.48	17.98
Indian Industry	85.71	80.97	69.29	65.61
Subject Countries	12.49	15.77	25.36	28.67
Other Countries	1.80	3.25	5.35	5.72

Profits

62. Profitability position of the domestic industry has been as under:

	2001-02	2002-03	2003-04	POI
Profit/Loss Rs. Per Kg.	(****)	(****)	(****)	(****)
Indexed	-100	-41	-17	-39
Profit/Loss on Domestic sales	(****)	(****)	(****)	(****)
Indexed	100	123	114	112
Interest	905.07	1,113.67	1,038.90	1,020.45
Profit/Loss on Domestic sales before interest	(****)	(****)	****	(****)
Indexed	-100	-23	9.64	-30

It is evident from the above that performance of the domestic industry which has been improving till 2003-04 deteriorated again in period of investigation, which could be due to significant increase in dumped imports into India. The domestic industry has made losses in base year, which could be due to variety of factors which includes inter alia storm and earthquake in Gujarat, which is one of the major consumption area for product under consideration. However, subsequently, domestic industry appeared to be improving itself. However, imports from subject countries started significantly at dumped prices and which appears to be resulted into significant losses to the domestic industry in period of investigation.

Productivity

63. The productivity of the domestic industry is given in the table below.

	2001-02	2002-03	2003-04	POI
Turnover of the domestic industry (Lakhs)	****	****	****	****
Indexed	100	122	134	158
Employees in No	2,651	2,527	2,787	2,698
Turnover per Employee	****	****	****	****
Indexed	100	128	127	155
Production (MT)	20,957	24,410	25,019	27,988
Production per Employee	7.91	9.66	8.98	10.38
Per day production (350 days)	59.88	69.74	71.48	79.97

It is evident from the above, productivity of the domestic industry, has been increasing. Thus, this parameter is not a cause for injury to the domestic industry.

Return on Investment

64. Return on investments (profit before interest) shows the same trend as that of profits as is evident from the table below.

	2001-02	2002-03	2003-04	POI
Profit/Loss Rs. Per Kg.	(****)	(****)	(****)	(****)
Indexed	-100	-41	-17	-39
Profit/Loss on Domestic sales	(****)	(****)	(****)	(****)
Indexed	-100	-47	-20	-50
Interest	****	****	****	****
Indexed	100	123	114	112
Profit/Loss on Domestic sales before interest	(****)	(****)	****	(****)
Indexed	-100	-123	9.64	-30
NFA of Domestic industry	****	****	****	****
Indexed	100	93	89	94
Working Capital of Domestic industry	****	****	****	****
Indexed	100	99	103	119
Capital Employed – NFA	****	****	****	****
Indexed	100	94	92	99
Return on Capital Employed – NFA	(****)	(****)	****	(****)
Indexed	-100	-25	10	-30

It is noted from the above that Return on capital employed, which has been improving earlier deteriorated in period of investigation.

Capacity, Production and Capacity Utilization

65. The Capacity, Production and Capacity Utilization of the domestic industry has been as under:

	2001-02	2002-03	2003-04	POI
Capacity	26,140	30,000	35,000	37,500
Indexed	100.00	114.77	133.89	143.46

Production	20,957	24,410	25,019	27,988
Indexed	100.00	116.48	119.38	133.55
Capacity Utilization	80.17	81.37	71.48	74.64
Indexed	100.00	101.49	89.16	93.09
Sales	20,819	24,298	24,781	27,168
Indexed	100.00	116.71	119.03	130.50
Demand	32,662	39,332	47,836	57,035
Indexed	100.00	120.42	146.46	174.62

It is evident from the above, domestic industry has added capacity by converting from PFY to NFY in anticipation of demand of product in India. As per anticipation, demand of the product shows positive trend. However the domestic industry appears to have been forced to curtail the production, which has resulted in decline in capacity utilization apparently due to sharp increase in imports.

Factors affecting domestic prices

66. The imports from subject countries are resulting in price undercutting and price underselling in the Indian market. The landed price of imports from subject countries as a whole is significantly below the non injurious price of the domestic industry. . It is noted that the exporters from subject countries have not increased their prices, due to increase in raw material price internationally. It is further noted that Nylon Filament Yarn is a petrochemical product and is produced from Nylon Chips, which is produced from Caprolactum and Caprolactam is produced from Benzene, which is another petrochemical product. Prices of Caprolactum have increased very significantly in the last two years. Increase in prices of Caprolactum is due to increase in Benzene prices, which is due to increase in crude oil prices. Increase in crude oil price is well known international phenomena. It therefore, does not appear likely that producers of subject countries have not got affected due to the increase in Caprolactum prices. Import prices as a % of Caprolactum price is also examined by the Designated Authority from which it was found that earlier, the export price was 43% higher than Caprolactam prices, declined significantly and became just 89% of caprolactam price in the period of investigation. Thus, there is a big fall in the effective realization of the exporters in respect of their exports to India. Further, decline in the CIF export price appears to have a direct adverse impact on the domestic industry and reduction in the landed price of import appears to have been responded by domestic industry by effecting price declines resulting in loss of

market share. It is noted that none of the other factors except dumped imports appears to have influenced the pricing of the domestic industry.

Magnitude of Dumping Margin

67. The dumping Margin from each of the subject countries has been determined and is considered significant.

Inventories

68. Inventories position with the domestic industry has been as under:

	2001-02	2002-03	2003-04	POI
Inventories	2,477	2,280	2,201	1,768
Indexed	100.00	92.05	88.87	71.37
Sales volume	20,819	24,298	24,781	27,168
Inventories as % of sales	11.90	9.38	8.88	6.51

It is noted that the sales volume of the domestic industry has increased. The domestic industry appears to have made continued efforts to maintain its sales in line with the increase in demand resulting into less of inventory. So this parameter does not appear to be a cause of injury to the domestic industry.

Cash Flow and Cash Profit

69. All the constituents of the domestic industry are multi product companies; therefore, examination of cash flow of the entire company may not be appropriate for the injury purposes. The Authority therefore, has examined cash profit situation of the domestic industry, which is given in the following table.

	2001-02	2002-03	2003-04	POI
PBT	****	****	****	****
Index	-100	-48	-20	-50
Depreciation	****	****	****	****
Index	-100	-90	-94	-106

Cash Profit	****	****	****	****
Index	-100	-14.16	38.34	-6.25

It is evident from the above that cash profit situation of domestic industry, which has been improving earlier deteriorated during the period of investigation.

Employment

70. Employment level of the domestic industry has been as under:

	2001-02	2002-03	2003-04	POI
No. of Employees	2,651	2,527	2,787	2,698
Indexed	100.00	95.33	105.15	101.76
Sales	20,819	24,298	24,781	27,168
Employees per unit of Sales	0.127	0.104	0.112	0.099
Production	20,957	24,410	25,019	27,988
Employees per unit of Production	0.126	0.104	0.111	0.096

It is evident from the above employment level of the domestic industry remained more or less constant. It is noted that the domestic industry are multi-product companies and therefore, employment levels of the company per se may not be a conclusive indicator of injury to the domestic industry.

Wages and Ability to raise capital

71. Wages of the domestic industry has been as under:

	2001-02	2002-03	2003-04	POI
Wages (Lakhs)	****	****	****	****
Index	100	103	107	114
Production (MT)	20,957	24,410	25,019	27,988

Wages - per unit of production	15.57	13.8	13.9	13.32
--------------------------------------	-------	------	------	-------

It is noted from the above that wages of the domestic industry in absolute term have increased. At the same time, production of the domestic industry have increased which resulted into reduction of wages per unit of production. Therefore, this parameter is not a cause of injury to the domestic industry. Further, no evidence has been placed before the Designated Authority to substantiate the fact that the domestic industry has been facing problems with regards to the ability to raise capital.

Growth

72. Status of various parameters of growth are given in the Following table.

	2001-02	2002-03	2003-04	POI
Sales vis-à-vis demand				
Sales	100.00	115.94	117.96	129.13
Demand	100.00	120.42	146.46	174.62
Production vis-à-vis demand				
Production	100.00	116.48	119.38	133.55
Demand	100.00	120.42	146.46	174.62
Imports vis-à-vis demand				
Imports	100.00	152.12	297.48	400.94
Demand	100.00	120.42	146.46	174.62
Raw material price vis-à-vis export price				
Caprolactam price	100.00	103.94	102.56	99.38
Export Price	100.00	112.30	123.74	157.44
Selling price of domestic industry vis-à-vis landed price of imports				
Selling Price	100.00	105.28	113.81	122.84
Landed Price	100.00	103.94	102.56	99.38
Turnover vis-a-vis profits				
PBT	(100.00)	(47.64)	(20.31)	(50.44)
Sales Value	100.00	122.07	134.24	158.62
Market Share of domestic industry vis-à-vis Market share of subject countries				

Market Share of domestic industry in demand	63.74	61.78	51.80	47.63
Market share of subject countries in demand	12.49	15.77	25.36	28.67
Market Share of Indian industry vis-à-vis Market share of subject countries				
Market Share of Indian industry in demand	85.71	80.97	69.29	65.61
Market share of subject countries in demand	12.49	15.77	25.36	28.67
Productivity vis-à-vis profits				
Productivity	100.00	122.18	113.54	131.24
Profits	(100.00)	(47.64)	(20.31)	(64.78)

The table above shows that majority of the injury parameters have been adversely affected during the injury period and are showing negative growth.

Arguments of the other interested parties and their examination by the Authority

73. (i) With regards to the arguments made by M/s FIASWI and others, it is noted that under Rule 6, an association of consumers is permitted to provide information which is relevant to the investigation regarding dumping, injury and causality. It is however noted that barring arguments opposing imposition of anti dumping duties, the association has presented no information that is relevant to the investigation regarding dumping, injury and causality. Nor members of the association have filed relevant information. Most of the submissions with regard to non-imposition of anti dumping duties are also mere statements unsubstantiated with relevant evidence. Resultantly, the Authority is unable to verify veracity of the claims/submissions made by the association.

(ii) With regards confidentiality claimed by the Applicants, it is noted that the petitioners have provided detailed reasons for claiming information confidential. The Authority has examined the claim of confidentiality made by the petitioners and is satisfied with regard to it.

(iii) The Authority notes that IBIS information is not selectively accessible to the petitioners. While IBIS has provided information to

the petitioners on confidential basis, it was open for the association to procure the information independently from the IBIS and advance its arguments. While disputing the claim of the petitioners with regard to volume of imports, the Authority notes that the association has preferred to rely upon information published by ASFI, while it was open to the association to consolidate the information by directing its members to provide relevant information to the Authority. In any case, the transaction wise import statements which have been taken into account in the provisional findings have been placed in the public file for the benefit of all interested parties.

G. Conclusions on injury

74. There has been significant increase in the volume of dumped imports from subject countries at the absolute level and also in relation to total demand of subject goods into India. These imports have increased significantly from the 2001-02 to the POI and these had significant price effect on account of dumped imports resulting into price suppression and price undercutting. In fact, the prices of the domestic industry have been suppressed on account of dumped imports from subject countries. The undercutting margin has been determined from the subject countries for the POI and are considered as significant. Though the sales volume has increased during the injury period in absolute terms, the domestic industry has suffered significant decline in market share. Sub-optimal increase in respect of a parameters in period of investigation, such as production (41% lower increase than demand), sales volumes (45% lower increase than demand), capacity utilization (23% lower than optimum), continuous financial losses (losses increase again in POI), further deterioration in financial losses, decline in market share in demand (16.11%), positive price undercutting, negative return on capital employed, significant dumping margin, negative growth in respect of a number of parameters show significant deterioration in the performance of the domestic industry over the injury period. Parameters such as employment and wages do not reflect injury. However, this is to be seen in the context of the nature of the petitioner company where frequent hiring & firing of manpower may not be a feature of the applicants. Thus, on the basis of the above analysis, it is provisionally concluded that the domestic industry has suffered material injury.

H. Causal link

(a) Introduction

75. In order to reach its conclusions on the cause of the injury suffered by the domestic industry and in accordance with Article 3.5 of Agreement of Anti Dumping and as per para (v) of Annexure II under Rule 11 under Customs Tariff Act as amended, the Authority examined the impact of all known factors and their consequences on the situation in that industry. Known factors other than the dumped imports, which could at the same time have injured the domestic industry, were also examined to ensure that the possible injury caused by these other factors was not attributed to the dumped imports.

(a) Effect of dumped imports

1. Significant increase in the volume of dumped imports has resulted significant decline in market share of the domestic industry. Decline in market share of the domestic industry as a consequence of increase in the market share of the subject imports prevented the domestic industry from increasing their sales commensurate with the increase in the demand in the market. As a result, the sales of the domestic industry did not increase to such an extent that the domestic industry could have optimally utilized its capacity. Consequently, growth in production, sales and capacity utilization of the domestic industry suffered as a result of decline in the market share of the domestic industry.
2. Significant price undercutting caused by the domestic industry prevented the domestic industry from increasing its prices to the extent of increase in inputs costs. Resultantly, profits, cash flow and return on investment of the domestic industry deteriorated after showing consistent improvement. Whereas the domestic industry was able to increase its prices significantly and recover from past injuries between the period 2000-01 and 2003-04, the performance of the domestic industry once again deteriorated in the investigation period as compared to 2003-04 due to inability of the domestic industry to effect price increases. It is therefore found that the imports prevented the domestic industry from effecting legitimate price increases
3. Significant price undercutting and substantial increase in volume of dumped imports prevented the domestic industry from recovering from past injuries suffered on account of different factors. In fact, performance of the domestic industry in terms of profits, cash flow, return on investment deteriorated once again after improving significantly.

Effect of Other factors

(a) Performance of Other Domestic producers:

76. There was other domestic producers of the subject goods during the period under consideration apart from the applicant. Though they have not submitted the information in the form and manner of exporter's questionnaire, it could be provisionally concluded from the examination of limited information made available before the Authority that they have been adversely impacted during the POI and their operating performance has gone down.

(d) Contraction of demand or Changes in the pattern of consumption

77. The Authority notes that there is no contraction in the overall demand during the period under consideration. On the contrary, the overall demand has increased significantly during the injury period. The Authority also provisionally concludes that there is no apparent change in the pattern of consumption.

(e) Volume and Prices of imports not sold at the dumped prices

78. According to the available information, the total import volume of the product concerned originating in countries other than subject countries are de-minimis and therefore, they are provisionally considered not to have had any impact on the domestic industry.

(f) Trade Restrictive practices of and competition between foreign and domestic producers

79. The Authority notes that there is a single market for the subject goods where dumped imports from the subject countries compete directly with the subject goods produced by the domestic industry. The authority further notes that the imported product is sold to meet the similar commercial grades and specification as domestically produced subject goods. It is further noted that the imported subject goods and domestically produced goods are like articles and are used for similar applications/end uses.

(g) Developments in Technology, Export performance and productivity of the Domestic Industry

80. On the basis of the examination of the records of the petitioner, the authority provisionally holds that developments in technology, has not been a relevant factor for the injury to the domestic industry.

81. With regard to the export performance of the domestic industry, the authority notes that though there has been improvement in the exports of the domestic industry during the period under consideration, it still forms a very not so significant part of the total sales of the domestic industry. It is further noted that the various performance with respect to various economic indicators have been determined with respect to domestic sales only. Hence, the authority provisionally holds that material injury suffered by the domestic industry may not as a result of the export performance of the domestic industry.

82. As regards improvement in productivity, the authority notes that during the period under consideration, the productivity measures as output per person employed per year has rather improved during the injury period. On the basis of the examination, the authority provisionally holds that the productivity per se is not the cause for the injury to the domestic industry.

(h) Conclusion on causation

83. Significant increase in the volume of dumped imports has resulted significant decline in market share of the domestic industry. It is further seen that decline in market share of the domestic industry as a consequence of increase in the market share of the subject imports prevented the domestic industry from increasing their sales commensurate with the increase in the demand in the market. As a result, the sales of the domestic industry did not increase to such an extent that the domestic industry could have optimally utilized its capacity. Consequently, growth in production, sales and capacity utilization of the domestic industry suffered as a result of decline in the market share of the domestic industry. Significant price undercutting caused by the domestic industry prevented the domestic industry from increasing its prices to the extent of increase in inputs costs. Resultantly, profits, cash flow and return on investment of the domestic industry deteriorated after showing consistent improvement. Significant price undercutting and substantial increase in volume of dumped imports prevented the domestic industry from recovering from past

injuries suffered on account of different factors. In fact, performance of the domestic industry in terms of profits, cash flow, return on investment deteriorated once again after improving significantly.

84. It is, therefore, provisionally concluded that the dumped imports originating in the subject countries have caused material injury to the domestic industry within the meaning of Rule 11 of Anti Dumping rules and article 3.5 of the Agreement of Anti Dumping.

I. Indian Industry interest.

85. The purpose of anti dumping duties in general is to eliminate dumping which is causing injury to the domestic industry and to re-establish a situation of open and fair competition in the Indian market, which is in the general interest of the country.

86. The Authority recognizes that the imposition of anti dumping duties might affect the price levels of the products manufactured using subject goods and consequently might have some influence on relative competitiveness of these products. However, fair competition on the Indian market will not be reduced by the anti dumping measures. On the contrary, imposition of anti dumping measures would remove the unfair advantages gained by dumping practices, would prevent the decline of the domestic industry and help maintain availability of wider choice to the consumers of subject goods.

87. The Authority notes that the imposition of anti dumping measures would not restrict imports from subject countries in any way, and therefore, would not affect the availability of the product to the consumers. The consumers could still maintain two or even more sources of supply.

J. CONCLUSIONS:

88. The Authority has, after considering the foregoing, come to the conclusion that:

- A. The subject goods have been exported to India from the subject countries below its normal value.
- B. The Domestic Industry has suffered material injury;
- C. The injury has been caused cumulatively by the dumped imports from Subject Countries.

89. The Authority considers it necessary to impose an anti dumping duty provisionally, pending final determination, on all imports of subject goods from subject countries in order to remove the injury to the domestic industry. The margin of dumping determined by the Authority is indicated in the paragraphs above. The Authority proposes to recommend the amount of anti dumping duty equal to the margin of dumping or less, which if levied, would remove the injury to the domestic industry. For the purpose of determining injury, the landed value of imports is proposed to be compared with the non-injurious price of the petitioner company determined for the period of investigation.

90. Accordingly, the Authority recommends that the provisional anti dumping duties be imposed from the date of notification to be issued in this regard by the Central Government on imports of Nylon Filament Yarn falling under Custom Heading 54 originating in or exported from subject countries pending final determination. Landed value of imports for the purpose shall be the assessable value as determined by the Customs under the Customs Act, 1962 and all duties of customs except duties under sections 3, 3A, 8B, 9 and 9A of the Customs Tariff Act, 1975. The Anti-Dumping duty shall be the difference between the amount mentioned in column 9 of the following table and the landed value of imports per Kg to be imposed from the date of Notification to be issued in this regard by the Central Government on imports of subject goods falling under Chapter of the Customs Tariff, originating in or exported from the countries mentioned below: -

TABLE										
S. No	Sub heading or Tariff Item	Description of goods	Specification	Country of origin	Country of export	Producer	Exporter	Amount	Unit of Measurement	Currency
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
1	54	Nylon Filament yarn	*as mentioned below	Any	China PR	M/s Jinan Juda	M/s Jinan Juda	3.82	Kg	US Dollar
2	54	Nylon Filament yarn	*as mentioned below	Any	China PR	Any except M/s Jinan Juda	Any except M/s Jinan Juda	3.82	Kg	US Dollar
3	54	Nylon Filament yarn	*as mentioned below	Any	Chinese Taipei	Suntex Fiber Co Ltd.	Suntex Fiber Co Ltd.	3.82	Kg	US Dollar
4	54	Nylon Filament yarn	*as mentioned below	Any	Chinese Taipei	LIPENG Enterprise Co., Ltd	LIPENG Enterprise Co., Ltd	3.65	Kg	US Dollar
5	54	Nylon	*as	Any	Chinese	Any except	Any	3.82	Kg	US Dollar

		Filament yarn	mentioned below		e Taipei	M/s Sutex Fiber Co Ltd. and M/s LIPENG Enterprise Co., Ltd	except M/s Sutex Fiber Co Ltd. and M/s LIPENG Enterprise Co., Ltd			
6	54	Nylon Filament yarn	*as mentioned below	Any	Indonesia	Any	Any	3.82	Kg	US Dollar
7	54	Nylon Filament yarn	*as mentioned below	Any	Malaysia	Hualon Corporation	Hualon Corporation	3.82	Kg	US Dollar
8	54	Nylon Filament yarn	*as mentioned below	Any	Malaysia	Any except above	Any except above	3.82	Kg	US Dollar
9	54	Nylon Filament yarn	*as mentioned below	Any	Thailand	Asia Fiber Public Company Ltd	Asia Fiber Public Company Ltd	3.82	Kg	US Dollar
10	54	Nylon Filament yarn	*as mentioned below	Any	Thailand	M/s Thai Taffeta	M/s Thai Taffeta	3.82	Kg	US Dollar
11	54	Nylon Filament yarn	*as mentioned below	Any	Thailand	Any except M/s Thai taffeta and M/s Asia Fiber	Any except M/s Thai taffeta and M/s Asia Fiber	3.82	Kg	US Dollar
12	54	Nylon Filament yarn	*as mentioned below	Any	Korea	Taekwang Industrial Co Ltd	Taekwang Industrial Co Ltd	3.82	Kg	US Dollar
13	54	Nylon Filament yarn	*as mentioned below	Any	Korea	HYOSUNG Corporation	HYOSUNG Corporation	3.82	Kg	US Dollar
14	54	Nylon Filament yarn	*as mentioned below	Any	Korea	Any except M/s Taekwang Industrial Co Ltd and M/s HYOSUNG Corporation	Any except M/s Taekwang Industrial Co Ltd and M/s HYOSUNG Corporation	3.82	Kg	US Dollar

15	54	Nylon Filament yarn	*as mentioned below	China PR, China se Taipei , Malay sia, Indon esia, Thaila nd and Korea RP	Any except China PR, Chines e Taipei, Malaysi a, Indone sia, Thailan d and Korea RP	Any	Any	3.82	Kg	US Dollar
----	----	---------------------------	---------------------------	---	---	-----	-----	------	----	-----------

* Synthetic filament yarn including synthetic monofilament of less than 67 decitex, of nylon or other polyamides, excluding all high tenacity yarn of nylon including fishnet yarn of nylon

K. FURTHER PROCEDURE:

91. The following procedure would be followed subsequent to notifying the preliminary findings: -

(a) The Authority invites comments on these findings from all interested parties and the same would be considered in the final findings;

(b) Exporters, importers, petitioner and other interested parties known to be concerned are being addressed separately by the Authority, who may make known their views, within forty days from the date of preliminary findings. Any other interested party may also make known its views within forty days from the date of publication of these findings.

(c) The Authority would conduct further verification to the extent deemed necessary.

(d) The Authority would disclose essential facts before announcing final findings.

CHRISTY FERNANDEZ, Addl. Secy. & Designated Authority